3 राजधानी
आईआईटी कानपुर के छात्र को उम्र कैद

6 अभिमत
सरकारी प्रयास बनाम स्वास्थ्यरक्षा चुनौतियां

11 विदेश
नॉर्वे, आयरलैंड, स्पेन ने फलस्तीन को मान्यता दी

12 स्पोर्ट्स
राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को हराया

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 210
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 23 मई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाएं

राष्ट्रीय-10

ईसी ने कराया अपनी मौजूदगी का एहसास

कहा- समाज को विभाजित करने वाले बयानों से बचें नेता

राजेश कुमार। नई दिल्ली

सात चरण के लोकसभा चुनावों में से केवल दो चरण शेष रहने के साथ चुनाव आयोग ने अब राजनीतिक दलों, विशेष रूप से भाजपा और कांग्रेस के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है और उनसे जाति, समुदाय, भाषा और धार्मिक आधार पर प्रचार करने से परहेज करने को कहा है। चुनाव आयोग ने बुधवार को भाजपा और कांग्रेस दोनों को कड़ी चेतावनी दी। आयोग ने उन्हें अपने स्टार प्रचारकों को एक औपचारिक नोटिस जारी करने का भी निर्देश दिया है ताकि उन्हें ऐसे बयान देने से रोका जा सके जो समाज को विभाजित करते हैं और बीच तनाव पैदा कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने पिछले महीने विपक्ष के इस आरोप पर नड्डा को नोटिस जारी किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में विभाजनकारी भाषण दिया था। खड़गे को भी उनके और मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के संबंध में भाजपा द्वारा दायर शिकायतों के आधार पर इसी तरह का नोटिस जारी किया गया था।

आयोग ने नड्डा और खड़गे के बचाव को खारिज कर दिया और उनसे अपनी पार्टियों के स्टार प्रचारकों को जाति, समुदाय, भाषा और धार्मिक आधार पर प्रचार करने से परहेज करने का निर्देश देने को कहा। चुनाव आयोग ने कांग्रेस से रक्षा बलों का राजनीतिकरण नहीं करने और सशस्त्र बलों की सामाजिक-आर्थिक संरचना के बारे में संभावित विभाजनकारी बयान नहीं देने को भी कहा। चुनाव आयोग ने मानदंडों को तोड़ दिया था जब उसने 25 अप्रैल को विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ और सत्तारूढ़ दल द्वारा राहुल गांधी और खड़गे के खिलाफ शिकायतों पर भाजपा और कांग्रेस अध्यक्षों को नोटिस जारी किया था। हालांकि चुनाव आयोग ने पीएम मोदी या राहुल गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उसने स्टार प्रचारकों द्वारा कथित एमसीसी उल्लंघनों पर नड्डा और खड़गे से उनकी टिप्पणियां मांगीं।

आयोग की यह टिप्पणियां इन राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर दिए गए जवाबों पर आई है। विगत 25 अप्रैल को जारी नोटिसों पर आए इन दलों के जवाबों का जिक्र करते हुए चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के बयानों की तकनीकी खामियां या अतिवादी व्याख्या पार्टियों और उनके प्रचारकों को उनके अपने भाषणों की सामग्री की मुख्य जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकती है। आयोग के मुताबिक यह सुधारात्मक होनी चाहिए और इसमें न ही प्रचार की गुणवत्ता को और कम किया जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग ने दोनों पार्टियों को आदर्श आचार संहिता के उन प्रावधानों की याद दिलाई जो कहते हैं कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो आपसी मतभेद को बढ़ा सकती है या नफरत पैदा कर सकती है या विभिन्न जातियों, समुदायों, धर्म या भाषा के बीच तनाव का कारण बनती है।

नड्डा को विपक्ष के इस आरोप पर नोटिस जारी किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में विभाजनकारी भाषण दिया था। नोटिस के जवाब में नड्डा ने कहा कि भाजपा के स्टार प्रचारकों के बयान तथ्यों पर आधारित हैं और देश के सामने कांग्रेस के गलत इरादों की पोल खोलते हैं। उन्होंने आयोग से यह भी कहा था कि वोट बैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन ने एक राष्ट्र, उसकी पहचान, उसके मूल हिंदू धर्म के रूप में भारत का विरोध करना शुरू कर दिया है। (शेष पेज 9)

केजरीवाल के प्रति वोटरों की सहानुभूति कम हुई

राजेश कुमार। नई दिल्ली

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद चुनावी सहानुभूति पर सवार आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली की सात लोकसभा सीटों पर मिलने वाले फायदे को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पर कथित हमले के बाद खोती नजर आ रही है। मालीवाल प्रकरण ने आबकारी नीति घोटाला मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे केजरीवाल की छवि को काफी नुकसान पहुंचाया है, जो पार्टी के अभियान में दिखाई दे रहा है। सभी सात सीटों पर भगवा पार्टी का पलड़ा भारी नजर आ रहा है क्योंकि महिला मतदाताओं के बीच अच्छा संदेश नहीं गया। बीजेपी के शीर्ष नेता 2019 के नतीजे दोहराने को लेकर आश्वस्त हैं। भाजपा, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मे और उनके 10 साल के शासन में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन पर भरोसा कर रही है, ने अब मालीवाल के हमले को फायदा उठाते हुए अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया है।

दूसरी ओर, इस मुद्दे पर चुप्पी बनाए रखने वाले केजरीवाल बैकफुट पर नजर आ रहे हैं, जिससे पार्टी की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंच रहा है। दिल्ली में इंडिया गुट का मुकाबला करने के लिए भाजपा की अभियान रणनीति कांग्रेस से ज्यादा आम आदमी पार्टी को निशाना बनाने की रही है। इसके अलावा, भाजपा ने लगातार आप के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जिनमें अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति और 10 अन्य कथित घोटाले शामिल हैं। आप को उम्मीद है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से आम चुनाव में आप के प्रति सहानुभूति पैदा होगी और उसे दिल्ली और पंजाब में अधिकतम सीटें जीतने में मदद मिलेगी। बीजेपी को उम्मीद है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी से उनकी छवि और अलग पार्टी (आप) की छवि पर असर पड़ा है और उसे दिल्ली में कोई सहानुभूति वोट नहीं मिलेगा। हालाँकि, दिल्ली में भाजपा (शेष पेज 9)

माफिया कोई भी रहा, उसे औकात में रखा: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/सिद्धार्थनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सपा सरकार के समय प्रदेश के सभी गुंडे-माफिया एकजुट होकर सरकार में शामिल होते थे और प्रदेश को लूटते थे। मैं जब गोरखपुर में सांसद था तो अकेले माफिया को चैलेंज करता था। गोरखपुर में इन्हें मार-मारकर दौड़ाता था। व्यापारियों से कहता था कि जूता-चप्पल लेकर इन्हें दौड़ाओ। जहां मिल जाएं, घरों में चढ़कर हिम्मत तोड़कर भगा दो। 1996 से हमने गोरखपुर में एक भी व्यापारी से रंगदारी वसूली नहीं होने दी। माफिया कोई रहा भी, उसे औकात में रखा। इसलिए गोरखपुर का विकास हुआ और अब ऐसा लगता है कि बाबा गोरक्षनाथ साक्षात प्रकट होकर इस नगरी को आशीर्वाद दे रहे हैं। यही हाल अयोध्या का भी है।

मुख्यमंत्री बुधवार को गोपाल कृष्ण गोखले शिक्षा सदन शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने डुमरियागंज के सांसद व लोकसभा प्रत्याशी जगदंबिका पाल को फिर से सदन में भेजने की अपील की। योगी ने कहा कि सपा के समय दंगे होते थे। शोहरतगढ़ हो या डुमरियागंज, इटवा हो या कपिलवस्तु, कपिलवस्तु के विशुनपुर में दो यादव मारे गए थे। सपा सरकार में भी एफ आईआर तक दर्ज नहीं हो रही थी तब मैं गोरखपुर में सांसद था और वहां से आकर एफ आईआर करवाया था। डुमरियागंज में दिव्यांग बालिका से दुराचार हुआ था, तब सपा के लोग बेशर्मी से आरोपियों को बचा रहे थे। हमने तब भी आंदोलन कर परिवार को न्याय दिलाया था लेकिन आज कोई दुराचारी अनाचार नहीं कर सकता। उसे पता है कि बेटी-व्यापारी और राहगीर की सुरक्षा पर खतरा हुआ तो शाम तक उसकी रामनाम सत्य की यात्रा भी निकल जाएगी।

योगी ने कहा कि गोरखपुर से एक माफिया को लोगों ने लात मारकर भगाया है। अब वह यहां आकर चुनाव लड़ रहा है। उसके साथ कोई भी शरीफ नहीं होगा बल्कि सभी माफिया और गुंडे होंगे। यह लोग जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती डालते हैं। सैकड़ों करोड़ रुपये इन लोगों ने खुर्द-बुर्द कर दियाए पैसा ही गायब हो गया। इनके काले कारनामों के कारण पिछले दिनों सीबीआई और ईडी ने छापेमारी कर संपत्ति जब्त की। यह पेशेवर माफिया हैं। गरीबों का खून चूसते हैं, व्यापारी का उत्पीड़न करते हैं और शरीफों का जीना दुश्वार करते हैं। योगी ने कहा कि इन गुंडों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर हम आमजन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इन्हें किसी भी महत्वपूर्ण पद पर भेजकर भस्मासुर न पैदा करें। देश का भविष्य और वोट आपका, फैसला आपका, इसलिए आपको ही भावी पीढ़ी का भविष्य तय करना है। एक भी अपराधी, माफिया-गुंडा, देशद्रोही, रामद्रोही को आपका वोट नहीं मिलना चाहिए। स्वाभिमानी समाज माफिया व अपराधी को चुनकर भेजता है तो भावी पीढ़ी को अंधकारमय करता है। सीएम ने कहा कि रामभक्त एक साथ आ गए हैं और रामद्रोही भी एकजुट हो गए हैं। रामभक्तों की पहचान है कि वे देश का सम्मान बढ़ाएंगे। इससे सबका सम्मान बढ़ेगा। रामभक्त देश को सुरक्षित रखते हैं तो आप भी सुरक्षित हो जाते हैं। रामभक्तों ने आतंकवाद व नक्सलवाद का खात्मा किया। राम भक्तों पर गोली चलाने वाले सपा के गुंडे राम मंदिर नहीं बनवा पाते। यह आज भी राम मंदिर का विरोध कर रहे हैं। यह कह रहे हैं कि राम मंदिर बेकार बना है। राम मंदिर को बेकार कहने वालों की बुद्धि भ्रष्ट हो गई है। ऐसी टिप्पणी करने वालों की जमानत चुनाव में जब्त कराइए, क्योंकि जो राम का नहीं, वो हमारे किसी काम का नहीं। रामद्रोहियों को विकास से कोई मतलब ही नहीं है। यह सत्ता में आने पर पिछड़ों का हक मुसलमानों को देंगे।

कांग्रेस-सपा सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी: मोदी

भाषा। बस्ती, श्रावस्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर पाकिस्तान का हमदर्द होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क तो पस्त पड़ गया है लेकिन इन दोनों विपक्षी दलों के लोग उसके पास एटम बम होने की बात कहकर भारत को डरा रहे हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि घोर साम्प्रदायिकता, जातिवाद और परिवारवाद की विनाशकारी बीमारियों से घिरी कांग्रेस और सपा प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन बैंक खातों और हर घर नल से जल और बिजली पहुंचाने के मौजूदा भाजपा नीत सरकार के फैसलों को पलटने के लिए वोट मांग रही हैं। प्रधानमंत्री ने बस्ती और श्रावस्ती जिलों में बस्ती, संत कबीर नगर, डुमरियागंज और श्रावस्ती लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए सपा और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। उन्होंने कहा, आतंक का सरपरस्त देश जो हमें आंखें दिखाता था, आज उसकी हैसियत वैसी हो गई है कि ना घर का ना घाट का। पाकिस्तान तो पस्त पड़ गया है, लेकिन उसके हमदर्द समाजवादी पार्टी और कांग्रेस वाले अब भारत को डराने में जुटे हैं। ए लोग कहते हैं कि पाकिस्तान से डरो क्योंकि उसके पास एटम बम है।

मोदी ने कहा, आज भारत में कांग्रेस की कमजोर सरकार नहीं है बल्कि मोदी की मजबूत सरकार है। अगर डरना है तो वे लोग डरें जो मानवता में विश्वास नहीं करते, जो आए दिन खून की नदियां बहाते हैं। भारत किसी को डराना नहीं चाहता लेकिन भारत हमें डराने वालों को कभी बख्शेगा नहीं। भारत आज घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर आरोप लगाते हुए कहा, यह कहते हैं कि मोदी ने जो काम किया है हम उसको पलटने के लिए सत्ता में आएंगे। मोदी के कामों को पलटना ही इनका एजेंडा है। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले 10 साल में मोदी ने चार करोड़ गरीबों को पक्के घर दिए। अब सपा-कांग्रेस वाले सब फैसलों को पलटने का निर्णय कर चुके हैं यानी चार करोड़ घरों की जो चाबी है वह आपसे ले लेंगे, मकान छीन लेंगे और अपने वोट बैंक को दे देंगे। उन्होंने दावा किया, इसके अलावा मोदी ने 50 करोड़ से ज्यादा लोगों के जनधन खाते खुलवाए हैं। यह आपके बैंक खाते बंद कर देंगे और उसका पैसा छीन लेंगे। मोदी ने हर गांव में बिजली पहुंचाई। यह आपके घर में बिजली कनेक्शन कटवा कर फिर अंधेरा कर देंगे। प्रधानमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी घर-घर पानी पहुंचा रहा है। सपा-कांग्रेस वाले आपके घर की पानी की टोटी भी खोल कर ले जाएंगे और इसमें तो इनकी महारत है। क्या आप सपा कांग्रेस को ऐसा करने देंगे? मोदी ने देश हित में जो फैसले लिए वह इंडी (इंडिया) गठबंधन वालों के बस की बात नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने तथ्यों को छिपाने के लिए सोरेन से नाखुशी जताई

●झारखंड के पूर्व सीएम ने ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका वापस ली

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में निचली अदालत में नियमित जमानत याचिका दायर करने के संबंध में तथ्यों को छिपाने के लिए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को नाखुशी जताई जिसके बाद सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली अपनी याचिका वापस ले ली। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन पीठ ने सोरेन के वकील कपिल सिब्बल को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। इससे पहले पीठ ने चेतावनी दी कि अगर अदालत मामले के विवरण पर गौर करती है तो यह पूर्व मुख्यमंत्री के लिए नुकसानदेह होगा। पीठ ने सिब्बल से कहा, आपका आचरण काफी कुछ कहता है। हमें उम्मीद थी कि आपके मुवक्किल स्पष्टता के साथ आएंगे लेकिन आपने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया। (शेष पेज 9)

खत्म नहीं मुश्किलें, आकाश से अभी और बरसेगी आग

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली में रेड अलर्ट जारी करते हुए 25 मई को लोकसभा चुनाव के दिन तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की भविष्यवाणी की है। राजनीतिक दल मतदान को लेकर अटकलें लगा रहे हैं। उनके मन में लाख टके का सवाल घूम रहा है कि चिलचिलाती धूप के बीच क्या दिल्ली 2019 के आम चुनाव में दर्ज 60 प्रतिशत मतदान को पार कर पाएगी या नहीं। इस चरण छह में दिल्ली, हरियाणा, ओडिशा और बिहार के साथ-साथ दो केंद्र शासित प्रदेशों सहित छह राज्यों के 58 लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। गौरतलब है कि इस चरण में दिल्ली की सभी सात सीटों और हरियाणा की सभी दस सीटों पर चुनाव होगा।

आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक नरेश कुमार के अनुसार, बढ़ते तापमान, विशेष रूप से राजस्थान में, ने रेड अलर्ट जारी करने के लिए प्रेरित किया है, जो अत्यधिक गर्मी की स्थिति का संकेत देता है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में जहां पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में थोड़ी कमी आई है, वहीं आने वाले दिनों में पारा फिर से बढ़ने की आशंका है। आईएमडी के अनुसार, पश्चिम राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, पूर्वी राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश के कई/कुछ हिस्सों में रविवार तक उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में गंभीर लू चलने की संभावना है।

स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष और एक निजी भारतीय मौसम पूर्वानुमानक महेश पलावत के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि, हमारी चेतावनियों से संकेत मिलता है कि राष्ट्रीय राजधानी में तापमान उच्च ताप लहर के स्तर तक पहुंचने की संभावना है। राष्ट्रीय राजधानी में चिलचिलाती धूप के बीच, जो चुनावी रुझानों के लिए एक बैरोमीटर के रूप में महत्वपूर्ण राजनीतिक महत्व रखता है, राजनेताओं के साथ-साथ भारत के चुनाव आयोग के बीच भी आशंका है कि कई मतदाता घर के अंदर रहने का विकल्प चुन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से भागीदारी दर कम हो सकती है। दिल्ली के आगामी चुनावों में मतदान के प्रतिशत को लेकर आशंका ताप सूचकांक से और अधिक बढ़ने की संभावना है, जो उच्च तापमान और आर्द्रता के संयोजन के कारण लोगों को बाहर महसूस होने वाले स्पष्ट तापमान को मापता है।

उदाहरण के लिए, बुधवार को दिल्ली को 42 डिग्री सेल्सियस पर चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, गर्मी सूचकांक 51.6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जो निवासियों द्वारा सहन किए गए गंभीर गर्मी के तनाव और परेशानी को उजागर करता है। (शेष पेज 9)

इजराइल ने केरल की कर्मियों का किया सम्मान

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

इजराइल की 76वीं वर्षगांठ मंगलवार को नई दिल्ली में मनाई गई, जिसमें हमास से इजराइल के उन 128 नागरिकों को रिहा करने का आह्वान किया गया, जिन्हें 7 अक्टूबर 2023 को आतंकवादियों ने बंधक बना लिया था। राष्ट्रीय दिवस का आयोजन भारत में इजराइल के दूतावास द्वारा किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा उपस्थित थे। हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइली लोगों को दिए गए गहरे घावों के बावजूद राजदूत ने केरल के उन दो देखभालकर्ताओं को सम्मान के साथ याद किया जिन्होंने एक वृद्ध जोड़े को मौत के मुंह से बचाया।

भारत में इज़राइल के राजदूत नाओर गिलोन, जिन्होंने राष्ट्रीय दिवस सभा को संबोधित किया, ने संकट की घड़ी में यहूदी राष्ट्र के साथ खड़े होने के लिए भारत सरकार और लोगों को धन्यवाद दिया। इजराइली राजदूत ने कहा, 7 अक्टूबर से, भारत की सरकार और लोग दोनों इज़राइल के पक्ष में खड़े थे। और यह हम कभी नहीं भूलेंगे। यहां हमें जितना समर्थन मिलता है वह आश्चर्य से कम नहीं है। यह भारतीय और यहूदी लोगों के बीच असाधारण संबंधों का प्रमाण है। उन्होंने कहा , हमारा संकल्प मजबूत है। जबकि हम इस स्वतंत्रता दिवस को मना रहे हैं, हमारी संवेदनाएं उन 128 प्रियजनों के साथ हैं जो अभी भी बंदी हैं। उनकी तत्काल रिहाई हमारी सच्ची आशा और सतत मिशन बनी हुई है। मैं इस अवसर पर भारतीय मूल के लोगों की वीरता को सलाम करता हूं। केरल की देखभाल करने वाली मीरा और सबिता, जिन्होंने आतंकवादी हमले के दौरान एक बुजुर्ग जोड़े को बचाया; और रोमी (6), भारतीय मूल की एक इज़राइली बच्ची, जिसके माता-पिता की उसके सामने हत्या कर दी गई थी, ने हमले के दौरान अपनी छोटी बहन लिया (3) को बचाने की कोशिश की। उन्होंने असाधारण साहस और मजबूत भावना दिखाई है, जिससे पूरे इज़राइल राष्ट्र को प्रेरणा मिली है।

कार्यक्रम में बोलते हुए, विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा, हम इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए इज़राइल के लोगों के साथ शामिल होते हैं। यह बेहद प्रेरणादायक है कि एक ऐसे राष्ट्र की असाधारण यात्रा जो न केवल सभी बाधाओं के बावजूद जीवित रही और फली-फूली, बल्कि खुद को नवाचार, उन्नति और विकास के समृद्ध परिदृश्य में बदल दिया। पिछले कुछ वर्षों में हमारी साझेदारी तेजी से बढ़ी है और विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सम्मान, समझ और सहयोग द्वारा चिह्नित है। 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमलों ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। भारत स्वयं सीमा पार आतंकवाद का शिकार है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति उसका दृष्टिकोण शून्य-सहिष्णुता का है। आतंकी कृत्यों के लिए कोई औचित्य नहीं हो सकता। (शेष पेज 9)

चार सौ पार कहने पर इंडी गठबंधन को चक्कर आता है: योगी

● मुख्यमंत्री ने जौनपुर जनपद में रैली कर भदोही और मछलीशहर लोकसभा सीट के लिए किया प्रचार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ जौनपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है फिर एक बार मोदी सरकार को लेकर देश में उमंग है। अबकी बार-400 पार कहने पर क्षेत्रीय दलों, सपा व कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन को चक्कर आता है। न सपा-कांग्रेस 400 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और टीएमसी 400 सीटों पर चुनाव लड़ने लायक है। आपने तो टीएमसी का नाम पहली बार सुना होगा। टीएमसी के लोग कहते हैं कि साधु-संतों को मारकर भगा देना चाहिए। विश्वामित्र की यज्ञ साधना का विध्वंस करने यह मारीच और सुबाहू कहां से आ गए हैं। इन्हें तो राम-लक्ष्मण ने त्रेतायुग में ही स्वाहा कर दिया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने जौनपुर के मेला मैदान रामपुर, मड़ियाहूं में जनसभा कर मछलीशहर से सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज तथा भदोही से विनोद बिंद को जिताने की अपील की।

योगी ने कहा कि कल आपने सपा का नजारा देखा होगा। 2014, 2017, 2019, 2022 में हारे और 2024 में हारने जा रहे हैं। उनकी उद्दंडता और अनुशासनहीनता को देखा होगा। जैसा सपा का नारा, वैसा ही नजारा आपने देखा होगा। सपा का था यही नारा कि खाली प्लॉट है हमारा। मार्च 2017 में भाजपा व मोदी ने जैसे ही मुझे प्रदेश का सीएम बनाया। मैंने 24 घंटे का समय दिया और कहा कि इस अवधि में अवैध कब्जा नहीं हटा तो बाप-दादा की संपत्ति से भी वंचित होना पड़ेगा। फिर 24 घंटे में सपाई गुंडों के सारे कब्जे हट गए थे। कल इन लोगों की मंच पर ही कुश्ती हो रही थी। जो पार्टी अपने नेता और छोटे का ख्याल-बड़ों का लिहाज नहीं रखती हो, वह सभ्य समाज का हिस्सा नहीं हो सकती। जो कारनामे यहां समाजवादी पार्टी के थे, वही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का है। इनके नाम भर अलग हैं लेकिन कारनामे एक हैं। इनके डीएनए कांग्रेस से मिलते-जुलते हैं।

सीएम ने कहा कि सपा के कारण नौजवानों को लोग उप्र के बाहर कमरा तक देने से मना कर देते थेए लेकिन अब देश में लोग कहते हैं कि आप अयोध्या-काशी, मां विंध्यवासिनी की धरती यूपी से हैं। प्रदेश के बाहर यूपी वालों को लोग अब गले से लगाकर सिर आंखों पर बैठाते हैं। सपा ने पहचान का संकट दिया तो भाजपा ने सम्मान बढ़ाया। भाजपा की सरकार है तो भदोही की कालीन दुनिया में धूम मचा रही है। मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज दिया है। इधर काशी विश्वनाथ और इधर मां विंध्यवासिनी धाम शोभा बढ़ा रहे हैं। अयोध्या धाम का भी कार्य हो गया है। अब यदि यदुवंशी जागरूक हो जाएं तो हम यदुवंश कुलभूषण भगवान श्रीकृष्ण की की जन्मभूमि की तरफ भी बढ़ें। सपा अध्यक्ष का मथुरा के मुद्दे पर मुंह बंद हो जाता है। खुद को यदुवंशी कहेंगे, लेकिन श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की बात आएगी तो इन्हें वोट बैंक की चिंता होने लगती है। आस्था की कीमत पर वोट बैंक की राजनीति करने वालों की जमानत जब्त कराइए।

छठें चरण की 14 लोकसभा सीटों व गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र में आज शाम थम जाएगा चुनाव प्रचार

● 25 मई को होगा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचनमें छठे चरण के अंतर्गत प्रदेश की 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 25 मई शनिवार को मतदान होगा। छठे चरण के इन सभी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 162 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनमें 146 पुरूष तथा 16 महिला प्रत्याशी हैं। वहीं, बलरामपुर जनपद की 292-गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 07 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-126 के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने से पूर्व के 48 घंटे की अवधि में अर्थात् कल 23 मई, 2024 को सायं 06 बजे से छठे चरण के सभी 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए भी चुनाव प्रचार-प्रसार संबंधी समस्त गतिविधियों व अभियानों पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों में सभी राजनैतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की मौजूदगी पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि छठे चरण का चुनाव प्रचार अभियान समाप्ति के बाद इन निर्वाचन क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि राजनैतिक दलों के सभी बाहरी पदाधिकारी व कार्यकर्ता इस दौरान इन निर्वाचन क्षेत्रों में उपस्थित न रहें। इसके लिए मतदान से पहले चुनाव प्रचार पर रोक संबंधी आयोग के निर्देश को सभी राजनैतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों के संज्ञान में लाना सुनिश्चित करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान के दिन मतदेय स्थलों पोलिंग बूथ के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगायी गयी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में छठे चरण के अंतर्गत 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा गैंसड़ी विधानसभा उप निर्वाचन के लिए 25 मई शनिवार को मतदान होना है। इस चरण की 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अम्बेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर, भदोही लोकसभा सीटें आती हैं। इसमें से 12 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 02 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। छठे चरण के 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र प्रदेश के सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, बस्ती, सन्तकबीरनगर, गोरखपुर, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी तथा भदोही सहित 15 जिलों के अंतर्गत आते हैं।

मंच और सभाओं में धक्का-मुक्की कर रहे सपाई, यही है इनका संस्कार: मुख्यमंत्री

● मुख्यमंत्री की अपील सुल्तानपुर को विकास के लिए तरसाने वालों को वोट के लिए तरसाना होगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ सुल्तानपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस और सपा पर हमलावार रुख जारी रखते हुए कहा है कि ये और इनका इंडी गठबंधन भस्मासुर की तरह है, जिन्हें वोट देना और ताकतवर बनाने का मतलब है अपना ही नुकसान करना। सपा और कांग्रेस का गठबंधन जब भी हुआ है, अनर्थकारी हुआ है। रोज इनकी सभाओं में भगदड़ मच रही है। ये गुंडे सत्ता में आकर क्या करेंगे, जब अभी इनके मंच टूट रहे हैं, इनके नेता और मंच धराशाई हो रहे हैं। ये अपने ही नेता को धक्का देकर गिरा दे रहे हैं, फिर मंच पर कब्जा जमा ले रहे हैं। यही समाजवादी पार्टी का संस्कार हो गया है। सीएम योगी बुधवार को कादीपुर में सुल्तानपुर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी मेनका गांधी के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन के शुरुआत में ही मुख्यमंत्री ने सुल्तानपुर के बीजेपी कार्यकता रामशृंगार निषाद की दु:खद मृत्यु पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि पूरी पार्टी इस दुखद की घड़ी में उनके परिजनों के साथ खड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि 55 दिन से देश की जनता जो उत्साह दिखा रही है, उसका जितना भी अभिनंदन किया जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि मगर सुल्तानपुर में उत्साह होना ही चाहिए, क्योंकि 500 साल का इंतजार खत्म हुआ है। सीएम ने कहा कि आज जनता में एक ही नारा गूंज रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। इसे सुनकर ही सपा चारों खाने चित हो जाती है। समाजवादी पार्टी तो पहले तय ही नहीं कर पाई थी कि यहां से टिकट किसे दें। एक के बाद एक टिकट बदला और फिर जब किसी को नहीं दे सकी तो गोरखपुर से ठुकराए गये व्यक्ति को यहां पर लाकर रख दिया है। मगर देश की जनता कहती है कि चाहे जितना जोर लगा लोए जीतेंगे तो मोदी ही और आएंगे तो मोदी ही। देश को कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगेए क्योंकि ये चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच सिमट गया है। इनका मेनिफेस्टो भी खतरनाक बातों से भरा पड़ा है। ये एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाना चाहते हैं। विरासत टैक्स लगाना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि ये लोग भस्मासुर जैसे हैं, जिन्हें वोट देना खुद को ही नुकसान पहुंचाने के समान है। कहा कि यूपी में दो लड़कों की जोड़ी बहुत खतरनाक है। इन्हें पता ही नहीं कि क्या करना है। एक तो 11 बजे सोकर उठना है, फिर जल्दी जल्दी उन्हें तैयार करके प्रचार में भेजा जाता है। इन्हें पता ही नहीं क्या, कब और कहां कहना है।

सीएम ने अपील की कि जिन लोगों ने सुल्तानपुर को मेडिकल कॉलेज के लिए तरसाया, राममंदिर पर हमला कराया, गरीबों को भूखों मरने और तड़पने के लिए छोड़ा था उनकी जमानत जब्त कराने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा, लोकसभा प्रभारी केके सिंह, संयोजक जगजीत सिंह छंगू, विधायक विनोद सिंह, राकेश गौतम, राजप्रसाद उपाध्याय, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम योगी ने बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर प्रदेशवासियों को दी बधाई व शुभकामनाएं

लखनऊ। सीएमे योगी आदित्यनाथ ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा बुद्ध का अहिंसा, करुणा और मैत्री का संदेश सम्पूर्ण मानवता के लिए अमूल्य निधि है। उन्होंने चित्त की शांति तथा हृदय में करुणा की शिक्षा दी। वर्तमान समय में महात्मा बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर विश्व में शांति एवं सद्भाव का वातावरण सृजित किया जा सकता है। महात्मा बुद्ध का संदेश मानव मात्र के लिए हमेशा प्रासंगिक बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा बुद्ध की शिक्षा हम सभी को जीवन में धर्म का आचरण करने, नैतिक मूल्यों और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित करती है। महात्मा बुद्ध ने विश्व कल्याण के लिए मैत्री भावना तथा बिना किसी भेदभाव के संगठित रहने पर बल दिया। साथ ही, अतीत या भविष्य का चिंतन न करके वर्तमान का सदुपयोग करने की शिक्षा दी।

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं: भूपेन्द्र सिंह चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने घोसी लोकसभा की मधुवन विधानसभा में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को सम्बोधित किया तथा भाजपा जिला कार्यालय आजमगढ़ में चुनाव संचालन समिति के साथ चुनाव प्रबंधन पर मंत्रणा की।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रति लोगों का विश्वास है और उस विश्वास का परिणाम है कि हम पिछले चार चुनाव में बड़े अंतर से जीते हैं। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। कांग्रेस ने बाबा साहब के संविधान की मूल भावना को कश्मीर में कभी लागू नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अनुच्छेद 370 हटाकर कश्मीर में बाबा साहेब के संविधान को लागू करने का काम किया है। आरक्षण की जो व्यवस्था बाबा साहेब ने दी थी, अनुच्छेद 370 की वजह से उसे कश्मीर में लागू नहीं किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 समाप्त करके बाबा साहेब के संविधान को और अनुसूचित वर्ग व पिछडे वर्ग के आरक्षण को कश्मीर में लागू करने का काम किया। चौधरी ने कहा कि दलित महापुरुषों का अपमान करने का काम सबसे ज्यादा समाजवादी पार्टी ने किया। दलित महापुरुषों के नाम से बनाये गए जिलों के को बदलने का काम समाजवादी पार्टी ने किया। देश में इमरजेंसी लगाकर कांग्रेस ने संविधान की मूल आत्मा को आहत किया। कांग्रेस ने ही संविधान में बदलाव किये। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि अखिलेश यादव जहां भी जा रहे है।

कांग्रेस ने ढूंढ-ढूंढकर दागी, भ्रष्ट व परिवारी दलों के साथ किया गठबंधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ जौनपुर

लोकसभा चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही स्वर है-फिर एक बार मोदी सरकार, 'अबकी पार-400 पार।' कांग्रेस ने ढूंढ-ढूंढकर दागी, भ्रष्ट व परिवारी दलों के साथ गठबंधन कर देश में अव्यवस्था और अराजकता का ठेका ले लिया है। पाकिस्तान का राग अलापने वालों का बोरिया बिस्तर चार जून को बांध दीजिए और कहिए कि भारत पर बोझ न बनो, पाकिस्तान जाकर भीख मांगो। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने बुधवार को पहली रैली में जौनपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह को चुनाव चिह्न कमल के फूल पर 25 मई को वोट देने की अपील की। योगी ने कहा कि एक तरफरामभक्त हैं, जो राम के लिए सर्वस्व न्योछावर करते हुए भारत को ताकतवर बनाना चाहते हैं दूसरी तरफ रामद्रोही राम के साथ ही भारत का विरोध कर रहे हैं। यह कहते हैं कि पाकिस्तान को धमकी मत दीजिए, उसके पास एटम बम है। दाने-दाने के लिए मोहताज पाकिस्तान की धमकी भारत जैसे उस बड़े देश को देते हैं, जो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था है। सपा-कांग्रेस नेताओं को ऐसा कहते तनिक भी संकोच नहीं होता है। रामद्रोही जातिवादी-परिवारवादी राजनीति करते हैं। यह आपको जाति के नाम पर भी लड़ाएंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक किता भूखण्ड सं0-39ए, रकबा 1500 वर्गफिट, जो खसरा सं0-139 का मिनजुमला है, स्थित-ग्राम-कमलाबाद बढौली परगना महोना तहसील बी0के0टी0 लखनऊ की स्वामित्व श्रृखला का मूल विक्रय विलेख पंजीकृत दिनांक 01.12.2009 जो रामेश्वर सहकारी गृह निर्माण समिति लि0 द्वारा श्रीमती नीलम विश्वकर्मा के पक्ष में निष्पादित है तथा जो कार्यालय उपनिबंधक बी0के0टी0 लखनऊ में बही 1 जिल्द 2782 पृष्ठ 183-206 क्रमांक 7813 पर दिनांकित 01.12.2009 को पंजीकृत है जो दिनांक 23.01.2022 को लगभग शाम 6 बजे अपने घर से छठा मील चौराहा पर फोटोकापी कराने जाते समय, छठा मील चौराहा स्थित मार्केट पर कहीं खो गया है, उपरोक्त सम्पत्ति वर्तमान स्वामिनी श्रीमती गीता द्वारा आई0एल0आई0एल0टी0 आई0 एच.एफ.सी. से लोन के सापेक्ष बन्धक की जायेगी। इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को ये विलेख प्राप्त हुये हो तो अधोहस्ताक्षरी को पहुँचा दे अथवा किसी प्रकार की कोई आपत्ति या हित है तो साक्ष्य व दस्तावेजो के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से संम्पर्क करे।
अमित कुमार सिंह राठौर, अधिवक्ता, पता- चेम्बर 7, यू0जी0एफ0, कृष्णा टावर, चकबस्त रोड, कैसरबाग, लखनऊ। मो0 9559811119

पूर्वांचल की जनता भाजपा का सफाया करने जा रही: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी धर्मेन्द्र यादव के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए ऐतिहासिक वोटो से जिताने की अपील की। अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल की जनता भाजपा का सफाया करने जा रही है। पूर्वांचल में जिस तरह का माहौल है, उससे भाजपा का सभी सीटें हारना तय है। इस बार भाजपा वाराणसी भी हार जायेगी। इंडिया गठबंधन सभी सीटों पर बहुत आगे है। चार जून को जब मतगणना होगी तो एक फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम होगा एक थी भाजपा। यादव ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को ऐसी मात देगी कि इनको कुछ समझ में नहीं आयेगा। आजमगढ़ में चुनाव अलग तरह का है। चुनाव में आजमगढ़ के लोग रिकार्ड मतों से जिताएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि आजमगढ़ का नाम लेते ही भाजपा नेताओं को परेशानी हो जाती है। आजकल उनके नेताओं की भाषा बदल गयी है। अन्दर अन्दर डरे हुए है। जिस तरह से पहले चरण से वोट पड़ना शुरू हुआ है। देश 140 करोड़ की जनता भाजपा को 140 सीट के लिए तरसा देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हर चरण में नीचे जा रही। हर चरण में भाजपा को लेकर जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। सातवें चरण में जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर होगा। भाजपा नेताओं ने बड़ी-बड़ी बातें करके जनता को गुमराह किया। किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। खेती की लागत बढ़ गयी है। लगातार महंगाई बढ़ाकर किसानों, गरीबों का जीवन संकट में डाल दिया है। भाजपा सरकार ने दस साल में बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए नीतियां बनायी। उनका 25 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। भाजपा किसान विरोधी है। तीन काले कानून लाकर भाजपा सरकार ने किसानों की फसल और जमीन छीनने की साजिश रची। किसानों ने आंदोलन किया। एक हजार किसान शहीद हुए। किसान लगातार आंदोलन करते रहे और इस सरकार को पीछे हटना पड़ा। भाजपा सरकार ने किसानों को बहुत अपमानित किया। एमएसपी का कानूनी अधिकार नहीं दिया।

यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी। साथ ही किसानों को उनकी फसलों का एमएसपी का कानूनी अधिकार दिलायेगी। भाजपा सरकार ने नौजवानों से झूठे वादे किये। नौकरी रोजगार नहीं दिया। इस सरकार में दस से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो गये। इन्होंने जानबूझकर पेपर लीक कराया। भाजपा ने लाखों नौजवानों का भविष्य बर्बाद किया है।

ASIAN FERTILIZERS LIMITED
CIN: L99999UP1986PLC007621
Regd. office: Flat No. 202, Preet Garden, 3A/172, Azad Nagar, Kanpur, 208002
Corporate office: P.W.D. Officer's Colony, Near Sahara Press, Park road, Gorakhpur-273001
E-mail. afl@asianfertilizers.com, investor@asianfertilizers.com
Phone: (0551) 2203421, 2202436, Website: www.asianfertilizers.com

NOTICE

Pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulation, 2015 (Listing Regulation), Notice is hereby given that a meeting of the Board of directors of the Asian Fertilizers Limited is scheduled to be held on 30th May, 2024, interalia, to consider and approve the audited financial results of the Company for the year ended 31st March, 2024.

The said notice may also be accessed on the Bombay Stock Exchange website at www.bseindia.com and company's website at www.asianfertilizers.com

FOR **ASIAN FERTILIZERS LIMITED**
SD/- Ashok Kumar Matanhelia
Managing Director
Din: 01763776

Place: Gorakhpur
Date: 22/05/2024

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

पूर्व नाम प्राची पुत्री स्व० श्री राजेश कुमार वर्मा, पता, 1/632 सेक्टर 1, विकास नगर, लखनऊ 226022 को भविष्य में राधिका सिंह नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

सूचना

मैनें अपने पुत्र सुमित तिवारी एवं उसकी पत्नी आरती देवी को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है उसके द्वारा किये गये किसी भी कार्य के प्रति मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी,श्रीमती ममता तिवारी पत्नी श्रवण कुमार तिवारी नि.म.न. 232, एल.आइ.जी. वैदेही विहार जरौली फेस-2 बर्रा, कानपुर

सरकार बनने के बाद कांग्रेस कराएगी इलेक्टोरल बांड के महाघोटाले की जांच: डॉ. सीपी राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन, पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय ने कहा कि भाजपा सरकार में अडानी द्वारा किये गये कोयले घोटाले का सच समाने आ गया है। वर्षों से चल रहे इस घोटाले के जरिए मोदी के दोस्त अडानी ने लो ग्रेट कोयले को इन्डोनेशिया से खरीदकर भारत में कई गुना ज्यादा दाम पर बेंचकर हजारों करोड़ रुपया कमाया है।

डॉ. राय ने कहा कि बिजली कंपनियों को महंगा कोयला मिलने के कारण आम जनता को महंगी बिजली मिलती रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जननायक राहुल गांधी ने बहुत पहले यह आरोप लगाया था और तब भाजपाईयों ने उनका मजाक उडाया था लेकिन राहुल गांधी द्वारा कही गई तमाम बातों की तरह यह बात भी सच साबित हो गई है, जब फ इनेंशियल टाइम्स ने उसका विस्तार से खुलासा कर दिया है। डॉ. राय ने कहा कि प्रधानमंत्री के संरक्षण में हो रहे भ्रष्टाचार के एक के बाद एक मामले सामने आ रहे है, इलेक्टोरल बांड के महाघोटाले के बाद यह घोटाला भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाला साबित हो रहा है। राय ने कहा कि क्या नरेंद्र मोदी बताएंगे इस भ्रष्टाचार के खुलासे पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स को कार्यवाही करने के लिए क्या वह आदेश देंगे? अथवा इस घोटाले को दबा देने के लिए उनको कितने टैंपो काला धन मिल चुका है। राय ने कहा कि आगामी 4 जून को इस देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बाद इस महाघोटाले की जांच कराई जाएगी और जनता से लूटी गई पाई-पाई का हिसाब किया जायेगा।

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड
TATA POWER-DDL
टाटा पावर एवं दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम
रजि. आफिस : एनडीपीएल हाउस, हडसन लाइन, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली-110009
फोन : 66112222, फैक्स : 27468042, ईमेल : TPDDL@tatapower-ddl.com
CIN No. : U40109DL2001PLC111526, वेबसाईट : www.tatapower-ddl.com

निविदा सूचना आमंत्रित May 23, 2024

टाटा पावर-डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/धरोहर जमा राशि (रु)	बोली दस्तावेज की बिक्री	बोली जमा कराने की अंतिम तारीख और समय/ निविदा खोलने की तारीख और समय
TPDDL/ENGG/ENQ/200001677/24-25 Rate Contract for Supply of 4G based 1-Ph Smart Meter	44.17 Crs/ 24,00,000	23.05.2024	13.06.2024;1500 Hrs/ 13.06.2024;1530 Hrs

शुद्धिपत्र / निविदा तिथि विस्तार

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि/बोली जमा कराने की तिथि/बोली खोलने की तिथि
TPDDL/ENGG/ENQ/200001669/24-25 Rate Contract for Supply of DT Meter Kit Without Wiring Harness	30.04.2024	27.05.2024 at 1500 Hrs/ 27.05.2024 at 1530 Hrs

सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दस्तावेज हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध
website www.tatapower-ddl.com → Vendor Zone → Tender / Corrigendum Documents
Contracts - 011-66112222

7वें चरण में मात्र सात फीसदी महिला प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में 13 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने वाले सभी 144 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया है। यह उम्मीदवार महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदोंली, वाराणसी, मिर्ज़ापुर और रॉबर्ट्सगंज से चुनाव लड़ रहे है।

उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले 144 में से 36 (25 फीसद) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। जबकि 21फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए है। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण के चुनाव में अपराधिक मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों का दलवार विवरण देखा जाये तो बहुजन समाज पार्टी के 13 में से 5 (39फीसद), भारतीय जनता पार्टी के 10 में से 3 (30फीसद), समाजवादी पार्टी के 9 में से 7 (78फीसद), सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी 6 में से 2 (33फीसद), कांग्रेस के 4 में से 2 (50फीसद) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर अपराधिक मामले घोषित किए हैं। उम्मीदवारों द्वारा घोषित गंभीर आपराधिक मामलों में बहुजन समाज पार्टी के 39फीसद, भारतीय जनता पार्टी के 10 त्न, समाजवादी पार्टी के 67फीसद, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के 33फीसद, कांग्रेस के 50फीसद उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

आपराधिक मामलों में लल्लन सिंह यादव जो बलिया से बहुजन समाज पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं, उनके ऊपर सर्वाधिक 22 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरे नम्बर पर आपराधिक छवि के उम्मीदवार में अजय राय हैं, जो वाराणसी से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार है। इनके ऊपर 18 आपराधिक मामले दर्ज़ हैं। वही तीसरे नंबर पर स्वामी प्रसाद मौर्या जो राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से कुशी नगर के उम्मीदवार है, जिनके ऊपर 9 आपराधिक मामले पंजीकृत है। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में करोडपति उम्मीदवारों में 144 में से 55 यानी 38फीसद उम्मीदवार करोड़पति हैं। जिसमे भारतीय जनता पार्टी के 10 में से 10 (100फीसद), समाजवादी पार्टी के 9 में से 9 (100फीसद), कांग्रेस के 4 में से 4(100फीसद), बहुजन समाज पार्टी के 13 में से 7(54फीसद), अपना दल(सोनेलाल) के 2 में से 2(100फीसद), अपना दल(कमेरावादी) 2 में से 2 (100फीसद) उम्मीदवार करोड़पति हैं। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण के उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 3 .35 करोड़ है। मुख्य दलों में बहुजन समाज पार्टी के 13 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति लगभग 3 करोड़ है। भारतीय जनता पार्टी के 10 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 18 करोड़ के आसपास है। समाजवादी पार्टी के 9 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति लगभाग 14 करोड़ है। कांग्रेस के 4 उम्मीदवारों कि औसत संपत्ति लगभग 3 करोड़ है। यूपी इलेक्शन वॉच एडीआर राज्य संयोजक संतोष श्रीवास्तव ने बताया की लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के प्रत्याशियों में घोसी से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे राजीव राय हैं जिनकी संपत्ति लगभग 49 करोड़ के आसपास है। रवि किशन (रवीन्द्र शुक्ला) गोरखपुर से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी संपत्ति 43 करोड़ के लगभग है। वही भारतीय जनता पार्टी महाराजगंज लोकसभा सीट से पंकज चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं, जिनकी संपत्ति लगभग 41 करोड के आसपास हैं। सबसे कम संपत्ति घोषित करने वाले शीर्ष तीन उम्मीद्वारो कि बात करे तो गोरखपुर लोकसभा सीट से अल हिन्द पार्टी से चुनाव लड़ रहे श्रीराम प्रसाद हैं। जिनकी कुल समत्ति 25 हज़ार हैं। दूसरे नंबर पर चंदौली से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे संतोष कुमार हैं जिनकी संपत्ति 38 हज़ार बताई गई हैं। तीसरे नंबर पर महाराजगंज से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे रामप्रीत हैं उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 50 हज़ार रूपए बताई हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें चरण में 144 में से 54 (38 फीसद) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच घोषित की है. जबकि 82 (57फीसद) उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज़्यादा घोषित की हैं। 3 उम्मीदवार ने अपनी शैक्षिक योग्यता डिप्लोमा धारक घोषित की है। 4 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर तथा 1 उमीदवार अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित नहीं की है।

'शहीद' पथ का नाम बदलने वाली याचिका हाईकोर्ट से खारिज

● हाईकोर्ट ने कहा, यह आपका अंधविश्वास

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें शहीद पथ का नाम बदलने की मांग की गई थी। कहा गया था कि शहीद पथ के नाम में सड़क दुर्घटनाओं के नजरिए से 'शहीद' शब्द से नकारात्मक अनुभूति होती है। और संभव है कि इस सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की वजह से लोगों में इसके नाम को लेकर भय उत्पन्न होता हो। याचिका में मांग की गई थी कि शहीद पथ का नाम बदलकर 'प्रगति पथ' कर दिया जाए। पीठ ने इस दलील को तर्कहीन बताते हुए कहा कि हम मात्र इतना कह सकते हैं कि यह अंधविश्वास है। यही नहीं ऐसा कहना शहीदों का अपमान भी है। पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ याचिका को खारिज कर दिया।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश आदर्श मेहरोत्रा की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है।

याचिकाकर्ता ने सुनवाई के दौरान स्वयं ही बताया कि नगर निगम ने अमर शहीद पथ का नाम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड करने सम्बंधी प्रस्ताव पारित कर रखा है। कहा गया कि शहीद पथ का नाम परिवर्तित होना चाहिए। चाहे इसका नाम प्रगति पथ रखा जाए या फिर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड।

पीठ ने इस पर कहा कि ऐसे मामले न तो संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत सुने जा सकते हैं और न ही जनहित याचिका के तहत। जो भी प्राधिकारी शहीद पथ का नाम परिवर्तित करने में सक्षम हो, वह इसके लिए स्वतंत्र है। इस याचिका में शहीद पथ पर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए कदम उठाने की भी मांग की गई थी। पीठ ने इस पर कहा कि इस संबंध में ही याचिकाकर्ता की ओर से कोई डाटा नहीं दिया गया है। पीठ का कहना था कि इसका यह आशय नहीं है कि शहीद पथ पर दुर्घटनाएं नहीं होती लेकिन ऐसे किसी डाटा के अभाव में हम इस प्रश्न पर भी विचार नहीं कर सकते।

तनावपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए हेल्दी माइंड सेशन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के मानसिक कल्याण के प्रयासों को जारी रखते हुए बुधवार को रसायन विज्ञान विभाग ने काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल के सहयोग से एक हेल्दी माइंड सेशन का आयोजन किया। प्रारंभ में काउंसलिंग एंड गाइडेंस इकाई की विभाग समन्वयक डॉ. अमृता श्रीवास्तव ने छात्रों के लिए ऐसे सत्रों के महत्व का उल्लेख किया। इसके बाद इसके बाद हैप्पी थिंकिंग लैब की समन्वयक प्रोफेसर मैत्रयी प्रिदर्शिनी ने जीवन में स्वीकृति और कृतज्ञता के महत्व पर जोर दिया।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की निदेशक डॉ. वैशाली सक्सेना ने हमारे दैनिक जीवन में तनाव प्रबंधन के महत्व का उल्लेख किया। सत्र का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने किया, जिन्होंने एनएमआर और तनाव कनेक्शन को संभालना - मेड ईज़ी

पर व्याख्यान दिया। इस सत्र में, प्रोफेसर मिश्रा ने न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर) स्पेक्ट्रोस्कोपी को सहसंबंधित किया, जो एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो-आवृत्ति के प्रभाव में नाभिक के चुंबकीय गुणों का अध्ययन करने के लिए एक भौतिक उपकरण है। प्रारंभ में एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के बुनियादी विवरणों को समझाया गया, जिसमें नाभिक में मुक्त स्पिन के महत्व से लेकर बहु-आयामी एनएमआर और एमआरआई के सिद्धांत तक शामिल थे। एनएमआर के बारे में अध्ययन करना और स्पेक्ट्रा की व्याख्या करना तनावपूर्ण हो सकता है। तनाव सामान्य सर्दी से लेकर कैंसर और सीओवीआईडी संक्रमण तक कई बीमारियों को पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। तनावग्रस्त होने के कई कारण हो सकते हैं और व्यक्ति के लिए इसका मूल्यांकन करना और कारण का पता लगाना आवश्यक है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पहले यह समझें कि तनाव क्या है और फिर इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है इसके तरीके खोजें। तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करके और हमारे शरीर को उनके प्रति संवेदनशील बनाकर ऐसा करता है। तनाव की शुरुआत चिंता से होती है जो तब होता है जब हम समस्याओं का समाधान नहीं कर पाते। इससे चिंता और फिर तनाव पैदा होता है। चिंता को नियंत्रित करने के कई तरीके हैं। व्यावहारिक दृष्टिकोण में इस बात पर जोर दिया जाता है कि कोई व्यक्ति कुछ बुनियादी सिद्धांतों का पालन करके कितनी आसानी से अपना जीवन प्रबंधित कर सकता है, जिन्हें हम आमतौर पर भूल जाते हैं। ये हैं स्वीकृति और कृतज्ञता। आमतौर पर जब बात हमारी अपनी समस्याओं की आती है तो हम इन्हें याद नहीं रखते। ध्यान हमारे विचारों को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ध्यान का सबसे सरल रूप सचेतन श्वास भी तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुल मिलाकर इन सरल तरीकों का उपयोग हमारे जीवन में तनाव को प्रबंधित करने और इसे अधिक शांतिपूर्ण बनाने के लिए किया जा सकता है। सत्र में उपस्थित सभी छात्र इस सत्र को सुनकर प्रसन्न हुए, जिससे न केवल एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के बारे में उनकी समझ विकसित हुई, बल्कि तनावपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए उनका मनोबल भी बढ़ा। काउंसलिंग एंड गाइडेंस सेल की समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा कि छात्रों को अपने जीवन को तनाव मुक्त बनाने के लिए ऐसे आयोजनों से सीख लेनी चाहिए। विभाग के डॉ. ओम प्रकाश और डॉ. सुनील कुमार राय द्वारा समन्वित सत्र में विभाग के संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार की मौत

मोहनलालगंज। गौरा में बेकाबू बाइक सवार हाईवे पर डिवाइडर से टकरा गया। गंभीर रुप में जख्मी बाइक सवार को सीएचसी में डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बाइक नंबर के सहारे पुलिस शव के शिनाख्त की कोशिश कर रही है। मोहनलालगंज में गौरा स्थित निजी इंजीनियरिंग कालेज के निकट बेकाबू बाइक सवार अचानक रायबरेली हाईवे से टकरा कर बुरी तरह जख्मी हो गया। बेहोशी की हालत में पुलिस ने जख्मी युवक को मोहनलालगंज सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया मृतक की बाइक नंबर के जरिए उसके परिवार का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

सिसेण्डी में घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

मोहनलालगंज। सिसेण्डी में सोमवार को वोट डालने गई महिला के घर का ताला तोड़कर बेखौफ चोर लाखों के जेवरात और नकदी समेटकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मोहनलालगंज के सिसेण्डी निवासी विनीत दिल्ली में रहकर फैक्ट्री में काम करता है। जबकि पत्नी पूजा परिवार के साथ सिसेण्डी स्थित घर में रहती है। पूजा का आरोप है कि सोमवार को घर में ताला डालकर वोट डालने गई थी। वापस लौटने पर पीछे के गेट आलमारी व बक्शों के ताले टूटे मिले। लॉकर से एक लाख तीस हजार की नकदी बच्चों के गुल्लक और लाखों रुपए कीमत के सोने व चांदी के जेवरात गायब मिले। मामले की सूचना 112 नंबर पर देने के बाद पुलिस टीम छानबीन कर वापस लौट गई। मंगलवार को थाने में लिखित तहरीर देने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही गुनहगार पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

मिट्टी लदे डम्परों के आवागमन से खस्ताहाल हो गई रोड, ग्रामीणों में आक्रोश

संवाददाता। मोहनलालगंज

मिट्टी लदे डंपरों के बेरोंकटोंक आवागमन से गांव की सड़कें चौपट हो रही हैं। लेकिन पीडब्ल्यूडी और प्रशासन के जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं। जबरौली और धरमावत खेड़ा में इसे लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। हालांकि पुलिस परमीशन से खनन का दावा कर रही है। मोहनलालगंज के धरमावत खेड़ा से पूरनपुर रोड मिट्टी लदे डम्परों के आवागमन से जगह जगह उखड़ती जा रही है। रोड में कुछ जगह बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। फिर भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कुछ माह पूर्व ही बनी रोड को चौपट कर रहे डम्पर मालिकों पर शिकंजा कसने की फुरसत नही है। लिहाजा मंगलवार की शाम रोड खराब होने से परेशान धरमावत खेड़ा के ग्रामीणों ने डम्पर रुकवाकर हंगामा किया। जिसके बाद डंपर मालिकों ने बुधवार को महज एक गड्ढे में मिट्टी व कंक्रीट डालकर इतिश्री कर ली। उधर बुधवार को रास्ते खराब होने से नाराज जबरौली के ग्रामीणों ने डम्पर रुकवाकर जमकर हंगामा किया। पुलिस को भी पूरे मामले की सूचना दी गई। गांव पहुंची पुलिस टीम ने अभिलेख नही होने पर एक डम्पर को सीज कर दिया। हालांकि पुलिस अधिकारियों की मानें तो क्षेत्र में परमीशन से ही खनन किया जा रहा है। अवैध खनन के आरोप बेबुनियाद हैं।

मुंबई के फैशन डिजाइनर की हत्या का मामला

आईआईटी कानपुर के छात्र को उम्र कैद

विधि संवाददाता। लखनऊ

मुंबई के फैशन डिजाइनर की हत्या कर सबूत मिटाने के मामले में दोषी करार दिए गए आईआईटी कानपुर के छात्र राहुल वर्मा को सीबीआई की विशेष अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। विशेष जज अनुरोध मिश्रा ने इस पर 90 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन के मुताबिक 20 अगस्त 2008 को मृतक आदेश वाजपेई के पिता सूर्य कुमार वाजपेई ने कानपुर के थाना मूलगंज में अपने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि तीन अगस्त 2008 को उसका पुत्र आदेश मुंबई से लखनऊ ट्रेन द्वारा व्यावसायिक काम से आया था। वह फैशन डिजाइनिंग का काम फ्रीलांसिंग तरीके से करता था। फिर 10 अगस्त 2008 की दोपहर वह अपने मामा के घर कानपुर आया। उसके बाद 13 अगस्त 2008 को रात करीब 10ः00 बजे मामा के लड़के विवेक त्रिवेदी से कहा कि वह उसे मूलगंज चौराहे पर छोड़ दे। जहां पर कोई उससे मिलने के लिए खड़ा है। वह कल सुबह आएगा। तब विवेक ने आदेश को मूलगंज चौराहे पर छोड़ दिया। जिसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। सीबीआई की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान यह पता चला कि 22/23 अगस्त 2008 को आईआईटी कैम्पस, कानपुर में एक कंकाल मिला है। सूर्य कुमार ने इस कंकाल को अपने पुत्र का होने का शक जताया। तब उनके खून का नमूना एवं हड्डियों की डीएनए जांच कराई गई । जिसमें यह पता चला कि मृतक उनका ही पुत्र था। विवेचना के दौरान इस वारदात को अंजाम देने में राहुल का नाम प्रकाश में आया। विवेक त्रिवेदी ने बताया कि आदेश को घटना वाले दिन मूलगंज चौराहे से राहुल अपने साथ ले गया था। विशेष अभियोजन अधिकारी सीबीआई द्वारा कहा गया कि आदेश वाजपेई की हत्या करने के बाद आरोपी ने उसके शरीर के टुकड़ों को आईआईटी कानपुर कैंपस में छुपाया था तथा हत्या करने से पहले उसे अपने हॉस्टल भी ले गया था। विवेचना के दौरान यह भी साक्ष्य में आया कि मृतक एवं अभियुक्त दोनों एक ही समूह के सदस्य थे। पहले इस मामले की विवेचना कानपुर पुलिस कर रही थी। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश से इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

तकनीक को लेकर भाषा विश्वविद्यालय ने किया एमओयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज के बीच बुधवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये। एमओयू का उद्देश्य प्रौद्योगिकी शिक्षा को उन्नति देने और छात्रों को प्रैक्टिकल अनुभव प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय की प्रवक्ता डा. रुचिता सुजाय चौधरी ने बताया कि समझौते के तहत सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज विश्वविद्यालय के छात्रों को वास्तविक परियोजनाओं में प्रैक्टिकल अनुभव प्रदान करेगी। इस अगला साझेदारी के माध्यम से, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्य के छात्रों को सॉफ्टफ्लू टेक्नोलॉजीज द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त होगा। ये कार्यक्रम छात्रों को वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं में काम करने का अवसर प्रदान करेंगे। जिससे उनके व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव में वृद्धि होगी।

इस मौके पर समारोह के दौरान कुलपति प्रो एनबी. सिंह, रजिस्ट्रार डा. भावना मिश्रा, एमओयू समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला और साइमा अलीम उपस्थित रहे।

विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार में यूपी पूरे देश में अव्वल

वित्तीय वर्ष 2024 में प्रदेश में 1460 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों का विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए विद्युत उत्पादन और वितरण के क्षेत्र में नित नए कीर्तमान स्थापित करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। पिछले वर्ष पीक आवर में देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले राज्य का दर्जा प्रदेश को मिला, इस बार प्रदेश ट्रांसमिशन लाइनो के विस्तार में पूरे देश में शीर्ष पर काबिज हुआ है।

वित्तीय वर्ष 2024 में राज्य उपयोगिता में कुल मिलाकर 6,993 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों का विस्तार किया गया, जो कि निर्धारित लक्ष्य 11,002 सर्किट किलोमीटर के सापेक्ष लगभग 64 प्रतिशत है। अधिकांश वृद्धि 220 केवी लाइन की श्रेणी में हुई। पूरे देश में राज्य उपयोगिता द्वारा की गई कुल ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार में यूपीपीटीसीएल का योगदान 20 प्रतिशत से अधिक है, जो कि देश में सर्वाधिक है। इसी क्रम में दूसरे स्थान पर गुजरात की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत है। इस कार्य में तमिलनाडु तीसरे,आंध्र प्रदेश चौथे और बिहार

पांचवें स्थान पर है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024 में राज्य ट्रांसमिशन उपयोगिताओं द्वारा ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार के मामलों में पूरे देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है।

वित्तीय वर्ष 2024 में राज्य उपयोगिता में उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 220 केवी या उससे ऊपर की 1,460 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनें विस्तारित की गई। यह किसी भी अन्य राज्य द्वारा प्रात की गई उपयोगिता की उपलब्धि से कहीं अधिक है। राज्य उपयोगिता की रैंकिंग में गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड दूसरे स्थान पर है, जिसने वित्तीय वर्ष 2024 में 898 सर्किट किलोमीटर लाइन का विस्तार किया। वित्तीय वर्ष 2024 में यूपीपीटीसीएल ने 220 केवी की डबल-सर्किट की एक महत्वपूर्ण लाइन को भी चालू किया, जो कि महाराजगंज सबस्टेशन से पीगीसीआईएल के 400 केवी गोरखपुर सबस्टेशन तक कुल 174 सर्किट किलोमीटर तक विस्तारित थी। उत्तर प्रदेश में यूपीपीटीसीएल द्वारा जल्द ही एक और महत्वपूर्ण 400 केवी की डबल-सर्किट की ट्रांसमिशन लाइन को चालू करने की संभावना है, जो कि 478 सर्किट किलोमीटर तक विस्तारित है, अर्थात् यह लाइन अलीगढ़ से शामली तक विस्तारित है। इसको मूलरूप से जुलाई 2023 तक चालू होने की उम्मीद थी। इस लाइन को बनाने के लिए सभी 737 टावर को खड़ा कर दिया गया हैं, मार्च 2024 के अंत तक स्ट्रिंगिंग का काम लगभग 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

वित्तीय वर्ष 2023 में भी यूपीपीटीसीएल ने राज्य उपयोगिता के 1036 सर्किट किलोमीटर लाइन के लक्ष्य को पार करते हुए 1,447 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनो का विस्तार कर राज्य उपयोगिता में उच्चतम स्थान प्राप्त किया था। वहीं बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीटीसीएल) ने निर्धारित लक्ष्य 829 सर्किट किलोमीटर से अधिक 914 सर्किट किलोमीटर लाइन का विस्तार कर दूसरा स्थान पर रहा। इसी प्रकार कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन ने 617 सर्किट किलोमीटर लाइन के विस्तार के साथ तीसरे स्थान पर था। वित्तीय वर्ष 2023 में राज्य उपयोगिता में कुल 6,816 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनो का विस्तार किया गया था, जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत 220 केवी श्रेणी में थीं।

माध्यमिक स्कूलों में समर कैंप लगाने के आदेश के विरोध में शिक्षक संघ

लखनऊ। स्कूल महानिदेशक व राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा के आदेश को लेकर माध्यमिक शिक्षक संघ ने विरोध दर्ज कराया है। शिक्षक संघ का कहना है कि ग्रीष्मावकाश अधिनियमित व्यवस्था के तहत दिया जाता है। इसलिए ग्रीष्मावकाश में समर कैंप लगाने का आदेश वापस लिया जाये। दरअसल,राज्य परियोजना निदेशक एक आदेश जारी कर माध्यमिक स्कूलों में पांच जून को पर्यावरण दिवस से लेकर 11 जून के बीच समर कैंप आयोजित करने के निर्देश जारी किये हैं। आदेश में एक हफ्ते तक बच्चों के लिए पर्यटन, प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण, स्कूलों में किचन गार्डन, ई कचरा, पौधरोपण समेत गतिविधियां आयोजित कराएं। डीआईओएस को इसे सुनिश्चित कराने के निर्देश जारी किये हैं। उप्र. माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष सोहनलाल वर्मा का कहना है कि शिक्षकों को 20 मई से 30 जून तक गर्मियों का अवकाश मिलता है। लिहाजा छुट्टियों में काम करने का औचित्य नहीं बनता है। शिक्षक संघ की शासन से मांग है कि प्रावधानों और नियमों के तहत समर कैंप समेत अन्य गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिये जाएं। अन्यथा शिक्षकों अर्जित अवकाश की सुविधा दी जाए।

स्नेहाशीष के जरिए छात्र करेंगे नेट-जेआरएफ की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र स्नेहाशीष नामक ऑनलाइन कार्यशाला के जरिए नेट-जेआरएफ परीक्षा की तैयारी करेंगे। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने बताया कि सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला की शुरूआत 23 मई से होगी। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी और विशिष्ट अतिथि डीएसडब्ल्यू प्रो. संगीता साहू होंगी। 29 तक चलने वाली इस कार्यशाला में हर दिन शाम पांच से छह बजे और छह से सात बजे तक दो सत्र चलाए जाएंगे। कार्यशाला के लिए 100 छात्रों ने पंजीकरण कराया है।

लोहिया विधि संस्थान के डिप्लोमा कोर्स में आवेदन 31 तक

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 मई है। इसमें आवेदन के लिए स्नातक में 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अगला प्रवेश स्नातक की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। संस्थान में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में तीन डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसमें साइबर लॉ, प्रॉपर्टी लॉ और मीडिया लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा शामिल हैं। इन तीनों पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगी। सामान्य वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपए और अनुसूचित वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन शुल्ल 250 रुपए रखा गया है।

मरीजों को साइड इफेक्ट की जानकारी देने के लिए केवल फार्मेसिस्ट ही अधिकृत

लखनऊ। किसी भी दवा के साइड इफेक्ट की जानकारी केवल फार्मासिस्ट देगा और इसके लिए मात्र फार्मेसिस्ट ही अधिकृत है। जैकब बद्दाकांछेरी द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा दिये गये निर्णय का फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि देश में ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1945 और फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के साथ ही फार्मेसी एक्ट 1948 द्वारा फार्मासिस्टों को जो अधिकार दिए गए हैं, उससे आमजन को फायदा उठाना चाहिए और इन नियमों का परिपालन भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को इस बात से जागरूक होना चाहिए कि फार्मासिस्ट दवा का ज्ञाता होता है और औषधि के डोज, डोजेज फॉर्म, लेने का तरीका, साइड इफेक्ट, कंपेटिबिलिटी आदि की जानकारी फार्मासिस्टों से प्राप्त करनी चाहिए। यादव ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी दवा का सेवन बिना पूरी जानकारी लिए ना करें।

एकेटीयू ने बढ़ाई परीक्षा फॉर्म और शुल्क जमा करने की तिथि

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 की सम सेमेस्टर परीक्षा के पहले चरण की परीक्षा में शामिल होने के लिए कुलपति प्रो जेपी पांडेय के निर्देश पर परीक्षा फॉर्म भरने और परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है। परीक्षार्थी अब 25 मई तक परीक्षा फॉर्म और परीक्षा शुल्क भर व जमा कर सकते हैं। इसके पहले यह तिथि 22 मई थी। परीक्षाएं आठ जून से प्रस्तावित हैं। इसी क्रम में छात्र हित को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया है कि सत्र 2020-21 और 2021-22 के बैचलर ऑफ फॉर्मेसी के ऐसे छात्र जिनके प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विषयों में कैरीओवर होने के कारण परीक्षा परिणाम का स्टेटस एनपीटीवाई और एनपीएफवाई है ऐसे छात्रों को शर्त के साथ सम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल करने का निर्णय लिया गया है।

HDFC BANK
We understand your world
कानूनी सेल : एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, दूसरी मंजिल, एक्सपीरियो बिल्डिंग, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226010

परिशिष्ट IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें]
(अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना)

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना, आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, के कर्जदार (i) मैसर्स शक्ति इंडस्ट्रीज इसके प्रोपराईटर द्वारा श्री आनन राज सिंह (उधारकर्ता), (ii) श्री आनन राज सिंह पुत्र श्री घनश्याम सिंह (सह-उधारकर्ता) और (iii) श्री मुरलीधर सिंह पुत्र स्वर्गीय बृंदा सिंह (सह-उधारकर्ता और बंधककर्ता) से एचडीएफसी बैंक लिमिटेड प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि रु. 10,92,077/- दिनांक 06.09.2021 तक और साथ में लागू भविष्य का ब्याज एवं लागू प्रभार इत्यादि की वसूली हेतु "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 19.06.2024 को बेचा जाएगा।, आरक्षित मूल्य रु. 26,95,500/- और जमा धरोहर राशि रु 2,69,550/- होगी।

अचल सम्पत्ति का विवरण

यूनिट नं. ए1/301, टाईप ग्रेट, ब्लॉक नंबर-ए1 की तीसरी मंजिल पर, सहारा सिटी होम्स, हरदोई बाई पास रोड, लिम लखनऊ के पास, सुपर एरिया लगभग 74.21 वर्ग मीटर, तहसील बख्शी का तालाब, जिला लखनऊ। बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट https://www.hdfcbank.com/personal/resources/Important-notices में दिए गए लिंक को देखें।

दिनांक: 15.05.2024
स्थान: लखनऊ
प्राधिकृत अधिकारी,
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

फॉर्म-जी
अभिरुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण
एनसीआर रेल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
उत्तरी भारत में वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में संचालित
(दिवाला और शोधन अक्षमता (कॉरपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए के उप-विनियम(1) के अधीन)

विवरण		
1.	पैन/सीआईएन/एलएलपी संख्या के साथ कॉर्पोरेट देनदार का नाम	एनसीआर रेल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पैन: AAGCA9648B सीआईएन: U93000MH2008PLC180907
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता	205 और 206 (भाग), दूसरी मंजिल, सीजे हाउस, एफ-ब्लॉक, शिव सागर एस्टेट, डॉ. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, मुंबई शहर, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत, 400018
3.	वेबसाइट का यूआरएल	https://www.arshiyalimited.com/rail-and-rail-infrastructure.html
4.	उस स्थान का विवरण जहां अचल संपत्तियों का बहुमत स्थित है	गाँव- इब्राहिमपुर, जिला-बुलंदशहर, खुर्जा,203131 उत्तर प्रदेश (09)भारत
5.	कॉर्पोरेट देनदार के मुख्य उत्पादों/सेवाओं की स्थापित क्षमता एफएसआई	कॉर्पोरेट देनदार से संबंधित 129.7 एकड़ भूमि में फैले रेल बुनियादी ढांचे के साथ वेयरहाउसिंग संपत्ति इसके अतिरिक्त, होल्डिंग कंपनी अर्शिया लिमिटेड के स्वामित्व में 43 एकड़ उपलब्ध इंटरकनेक्टेड भूमि समूह है जो सीआईआरपी के अधीन भी है। कॉर्पोरेट देनदार के मुख्य विवरण: 2,40,000 वर्ग फीट के 2 गोदाम, जो घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए), गैर-कार्यात्मक अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) के अंतर्गत हैं। 22 एकड़ का क्षेत्रफल और सभी प्रकार के कार्गो (बल्क और कंटेनर) को संभालने के लिए 6 रेलवे लाइनों और दो साइडिंग के साथ निजी माल ढुलाई टर्मिनल (पीएफटी) और 96 रेफर गैन्ट्री प्लग-इनस्पॉइंट्स
6.	पिछले वित्तीय वर्ष में बेचे गए मुख्य उत्पादों/सेवाओं की मात्रा और मूल्य	वित्त वर्ष 2022-23 के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार, सकल रेवेन्यू 19.84 करोड़ रुपये था, परिचालन का रेवेन्यू 9.29 करोड़ रुपये था और अन्य आय 10.55 करोड़ रुपये थी।
7.	कर्मचारियों/वर्कमैन की संख्या	31 मार्च 2024 तक, कॉर्पोरेट देनदार के पास 36 कर्मचारी/वर्कमैन हैं। इसके अतिरिक्त, 30 नियमित संविदा मैनपॉवर
8.	दो वर्षों के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरणों (अनुसूचियों के साथ), लेनदारों की सूची सहित, अधिक विवरण यूआरएल पर उपलब्ध हैं:-	विवरण cirp.ncrrail@gmail.com पर मांगा जा सकता है
9.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों के लिए पात्रता यहां यूआरएल पर उपलब्ध है:	समाधान आवेदकों को दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 की धारा 29ए के तहत पात्र होना चाहिए। विवरण cirp.ncrrail@gmail.com पर ईमेल करके मांगा जा सकता है
10.	रुचि की अभिव्यक्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि	07-06-2024
11.	संभावित संकल्प आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	14-06-2024
12.	अनंतिम सूची पर आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	19-06-2024
13.	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तारीख	26-06-2024
14.	संभावित समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स और समाधान योजनाओं के लिए अनुरोध जारी करने की तारीख	01-07-2024
15.	समाधान योजना प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	31-07-2024
16.	रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने के लिए ईमेल आईडी प्रक्रिया	cirp.ncrrail@gmail.com
17.	मूल दस्तावेज जमा करने का पता	सीजीएच 212, डीएलएफ कैपिटल ग्रीन, मोती नगर दिल्ली-110015

भुवन मदन
एनसीआर रेल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के रेजोल्यूशन प्रोफेशनल
आईबीबीआई पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P01004/2017-18/11655
एएफए: AA1/11655/02/241224/106721 वैधता 24.12.2024 तक
आरपी कार्यालय का पता: सीजीएच 212, डीएलएफ कैपिटल ग्रीन, मोती नगर दिल्ली-110015
संचार हेतु ईमेल आईडी: cirp.ncrrail@gmail.com
आईपीई का समर्थन: पीडब्ल्यूसी कॉर्पोरेट बिजनेस सर्विसेज एलएलपी
दिनांक: 23 मई 2024

यूपी में अब कोई माफिया नहीं बनना चाहता: योगी

● सीएम योगी ने श्रावस्ती लोकसभा और गैंसड़ी विधानसभा उपचुनाव सीट के लिए की रैली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बलरामपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यूपी में अब कोई माफिया नहीं बनना चाहता, क्योंकि सबको पता है कि हमारी सरकार माफिया को उलटा लटका कर मिर्च का झौंका दे देगी तो उसकी सात पीढ़ियां भी याद करेंगी। उन्होंने कहा कि अब जनता विरासत का सम्मान और विकास चाहती है, जनता ने विनाशकारी ताकतों को लगातार खारिज करने का काम किया है। सीएम योगी बुधवार को यहां तुलसीपुर में श्रावस्ती लोकसभा सीट के लिए पार्टी प्रत्याशी साकेत मिश्रा और गैंसड़ी विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू के लिए जनता से मतदान की अपील की। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मां पाटेश्वरी के चरणों में कोटि कोटि का नमन करते हुए कहा कि आपसे संवाद के कारण मुझे मां के दर्शन का अवसर मिल जाएगा, क्योंकि लगातार देश और प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान भ्रमण का कार्यक्रम रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है। पांच चरणों का चुनाव हो चुका है। यूपी में भी 80 में से 53 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। 4 जून के परिणाम को लेकर हर व्यक्ति पहले से निश्चिंत है। कश्मीर से कन्याकुमारी और कामरूप से कच्छ तक एक ही स्वर गूंज रहा है। वह है फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। सीएम ने कहा कि 400 बार की बात करते हैं तो सपा को चक्कर आने लगता है। क्योंकि वो 400 सीटों पर तो लड़ने का सपना भी नहीं देख सकती। देश की जनता कह रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। उन्होंने कहा कि आप अब अयोध्या जाएंगे तो त्रेतायुग के साक्षात दर्शन होंगे। आप सौभाग्यशाली हैं जिन्होंने बदलते हुए भारत को देखा है। आप कहने के अधिकारी है कि हां हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली पीढ़ी है, हमने रामलला को अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान होते देखा है। आज देश में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। गरीब कल्याण के लिए तमाम कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के समय राशन माफिया, भू माफिया, पशु माफिया, खनन माफिया और पेशेवर अपराध में लिप्त माफिया होते थे। सीएम ने कहा कि 'सपा का एक ही नारा है, खाली प्लॉट हमारा है।

बताया कि 2017 में प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद तब मुख्य सचिव और डीजीपी को बुलाकर उन्होंने कहा था कि अगले 48 घंटे के अंदर सपा पोषित माफिया के कब्जे गरीबों की जमीन से हट जाने चाहिए। सीधी उंगली से न निकले तो उंगली टेढ़ी करना। फिर भी न माने तो छाती पर बुलडोजर से रौंदते हुए जमीन खाली कराओ। आज कोई माफिया किसी गरीब के लिए खतरा नहीं बन सकता, बना तो सात पीढ़ी याद करेगी। उन्होंने कहा कि एक माफिया यहां भी मंडरा रहा था। यहां पप्पू खां की हत्या कर दी थी। अब यूपी में ऐसा नहीं चलेगा। उलटा लटका के मिर्च का झौंका लगा देंगे, सात पीढ़ियां याद करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा है। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग विरासत टैक्स के जरिए देश में एक बार फिर जजिया टैक्स लगाना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा आ चुकी है। देश एक बार फिर से औरंगजेब को जिंदा नहीं होने देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग एससी एसटी और ओबीसी के आरक्षण के हक में सेंध लगाना चाहते हैं और मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं। सीएम यह भी कहा कि कांग्रेस और सपा के गुंडे आपकी संपत्ति के आधे हिस्से को हड़प करके उसमें बांग्लादेशी विधर्मियों को बसाने का ख्वाब देख रही हैं। सीएम ने कहा कि जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो ये अनर्थ करने की तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग धमकी दे रहे हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ मत बोलिए क्योंकि उसके पास एटम बम है।

नए भारत की नई प्रगति के नए पैमाने गढ़े जा रहे: सीएम

● मुख्यमंत्री ने बस्ती के पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ बस्ती

पांच चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश के लोगों को चार जून के परिणाम के बारे में कोई संदेह नहीं रह गया है। चारों तरफ जनमानस उद्घोष कर रहा है-'फिर एक बार मोदी सरकार, 'अबकी पार-400 पार।' यह बात सुनते ही कांग्रेस व सपा के इंडी गठबंधन को चक्कर आने लगता है, क्योंकि दोनों मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। यह लोग पूछते हैं कि ऐसा नारा क्यों, तब जनता कहती है- चाहे जितना जोर लगा लो, जीतेंगे तो मोदी ही, क्योंकि जो राम को लाए हैं-हम उनको लाएंगे। मोदी ने 500 वर्ष का इंतजार समाप्त कराकर प्रभु रामलला को अयोध्या में विराजमान कर दिया है।

यह बातें महर्षि वशिष्ठ की भूमि बस्ती में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में उन्होंने पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड, बस्ती में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने बस्ती से हरीश द्विवेदी, संतकबीर नगर से प्रवीण निषाद और डुमरियागंज से जगदंबिका पाल को पुन: सदन भेजने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब भारत के विरासत व विकास का अद्भुत संगम दिख रहा है। पहले स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर पूर्वांचल में सिर्फ बीएचयू व गोरखपुर में मेडिकल कॉलेज था, लेकिन आज गोरखपुर में एम्स, महराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थनगर समेत हर जनपद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना का कार्य हुआ। मासूम 40 वर्ष से इंसफेलाइटिस से दम तोड़ता था। यहां के बचपन को बचाने के लिए मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान, हर घर नल योजना और मेडिकल कॉलेज जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं दी हैं।

सीएम ने कहा कि यह चुनावी संग्राम रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच चल रहा है। मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाना है। यह क्षेत्र कभी तरसता था कि एक चीनी मिल चल जाती। आज नई चीनी मिलें चल रही हैं। गन्ना मूल्य का भुगतान हो रहा है। कांग्रेस के समय में बंद हुआ गोरखपुर फर्टिलाइजर कारखाना 110 फीसदी से अधिक क्षमता से कार्य कर रहा है। नए भारत की नई प्रगति के नए पैमाने गढ़े जा रहे हैं। सीएम ने अपील की कि फिर मोदी सरकार लाने के लिए सभी लोग प्राण-प्रण से जुटें। हर एक सीट को मोदी के श्रीचरणों में समर्पित कर यूपी की सभी 80 सीटों पर कमल खिलाएं और 400 पार के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना योगदान दें। उन्होंने यहां की तीनों सीटों पर फिर से भाजपा उम्मीदवारों को जिताने का आह्वान भी किया।

ये चुनाव वक्फ बोर्ड हटाने, लव जिहाद रोकने के संकल्पों पर जनस्वीकृति की मुहर: डॉ. राजेश्वर

पायनियर समाचार सेवा। गोड्डा

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ झारखंड के गोड्डा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. निशिकांत दुबे के समर्थन में रोड शो किया, रोड शो में गोड्डा से भाजपा विधायक अमित मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा और पूर्व विधायक अशोक भगत भी साथ थे। गोड्डा पहुंचने पर विधायक राजेश्वर सिंह ने लगातार तीन बार से निशिकांत दुबे को संसद भेजने वाली शिव और शक्ति की दिव्य नगरी देवघर की धरा को प्रणाम किया।

इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक ने डॉ. निशिकांत दुबे को अपना बड़ा भाई बताते हुए गोड्डा का अजेय योद्धा कहा, विधायक ने डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा कि निशिकांत दुबे एक आदर्श राजनेता हैं जो जनता के मुद्दों से लेकर राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर हमेशा मुखर रहते हैं, संसद में प्रत्येक चर्चा पर भी इनकी उपस्थिति अवश्य होती है। विधायक डॉ. सिंह ने निशिकांत दुबे द्वारा कराये गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक कर्मठ और संघर्षशील जनसेवक के रूप में सांसद के प्रयासों से देवघर में एम्स, हवाई अड्डे का निर्माण हुआ, बीते 10 सालों में गोड्डा में करीब 700 किमी सड़क का निर्माण हुआ और कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का विकास हुआ। सरोजनीनगर विधायक ने गोड्डा में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क, नैनो यूरिया प्लांट, अदानी पावर प्लांट और सीमेंट फैक्ट्री लाने के निशिकांत दुबे के प्रयासों को प्रशंसनीय बताया। डॉ, राजेश्वर सिंह ने प्रचंड बहुमत से तीसरी बार मोदी सरकार की आवश्यकता को जनता के सामने रखते हुए कहा कि ये चुनाव आस्था के सम्मान एवं संस्कृति का संरक्षण करने वाली विचाराधारा तथा राम को काल्पनिक कहने वाली, नवरात्रि व श्रावण मास की पवित्रता पर कुठाराघात करने वाली, सनातन को जड़ से उखाड़ने की बात करने वाली विचाराधारा के बीच है। ये चुनाव आतंकवाद, नक्सलवाद को संरक्षण देने वाली, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने वाली विचाराधारा को उखाड़ फेंकने के लिए युद्ध है। विधायक ने आगे जोड़ा कि ये चुनाव 80 करोड़ परिवारों को मुफ्त राशन जारी रखने, 3 करोड़ परिवारों के लिए पीएम आवास बनवाने, किसान सम्मान निधि जारी रखने, हर वरिष्ठ नागरिक को आयुष्मान योजना का लाभ देने के संकल्पों पर जनस्वीकृति की मुहर है। ये चुनाव विरासत और विकास के लिए, देश की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए, देश की उन्नति, आर्थिक प्रगति के लिए, मजबूत आंतरिक एवं वाह्य सुरक्षा के लिए, युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्पों पर जनस्वीकृति की मुहर है। ये चुनाव वक्फ बोर्ड हटाने, सीएए लागू करने, 5 करोड़ से अधिक घुसपैठियों को देश से निकालने, ष्ट्र लागू करने, लव जिहाद खत्म करने, जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने के संकल्पों पर जनस्वीकृति की मुहर है।

सीएम योगी ओडिशा और बिहार के दौरे पर आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री व भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ गुरुवार को ओडिशा व बिहार के चुनावी दौरे पर रहेंगे। सीएम योगी दोनों राज्यों की दो-दो सीटों समेत कुल चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। गुरुवार को सीएम योगी की पहली रैली पुरी लोकसभा सीट के लिए होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा के पक्ष में सीएम आमजन से कमल खिलाने का आग्रह करेंगे। उनकी दूसरी जनसभा केंद्रपाड़ा सीट के लिए होगी। यहां से भारतीय जनता पार्टी ने बैजयंत जय पांडा को चुनाव मैदान में उतारा है। पांडा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार दौरे पर पहुंचेंगे। यहां वे वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्वी चंपारण से उम्मीदवार राधा मोहन सिंह के पक्ष में जनसभा करेंगे। गुरुवार को सीएम की चौथी जनसभा पश्चिमी चंपारण से भाजपा प्रत्याशी डॉ. संजय जायसवाल के लिए होगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज प्रतापगढ़ व संतकबीरनगर में

लखनऊ। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरूवार 23 मई को सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, अम्बेडकरनगर और प्रतापगढ़ में जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सुबह 11 बजे बीएसए ग्राउण्ड, नौगढ़ सिद्धार्थनगर में आयोजित डुमरियागंज लोकसभा की जनसभा को सम्बोधित करेंगे तथा दोपहर 12:30 बजे जूनियर हाईस्कूल खलीलाबाद, संतकबीरनगर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। इसके पश्चात् दोपहर 02 बजे शिवबाबा मैदान, सीहमई, अम्बेडकर में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे। तदोपरान्त दोपहर 3:30 बजे तरदहा, पट्टी-प्रतापगढ़ में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करेंगे।

सपा, बसपा व कांग्रेस आईसीयू में पड़े हुए हैं: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रयागराज में भदोही लोकसभा की हंडिया विधानसभा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार पर करारी चोट की गई। वहीं योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार में गुंडे, माफिया और अपराधियों को उनकी भाषा में समझाने का काम किया गया।

उन्होंने जनता से संवाद करते हुए कहा कि कमल के फूल का बटन दबाने से अपराधी, माफिया और भ्रष्टाचारियों पर एके47 की तरह चोट होती है। कमल का बटन दबाने से बड़े से बड़े गुंडे और माफिया अपने बिल में घुस जाएंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आपके द्वारा दबाए गए कमल के बटन से नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते ही 5 साल गरीब को राशन मिलता रहेगा। किसान को सम्मान निधि मिलती रहेगी। तीन करोड़ गरीबो को पक्का घर मिलेगा तथा 70 वर्ष से अधिक सभी वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क इलाज की आयुष्मान योजना से जोड़ा जाएगा। देश विकसित होगा, गरीब खुशहाल होगा तथा जन-जन की आत्मनिर्भरता से देश आत्मनिर्भर बनेगा। मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस के सरदार राहुल गांधी फूलपुर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ सहित जहां भी जा रहे है उनके कार्यक्रमों में बवाल और उपद्रव मच रहा है। समाजवादी पार्टी अपराधी, माफियाओं, गुंडो, दंगाईयों, भ्रष्टाचारियों की पार्टी है। इनसे शिष्टाचार की अपेक्षा बेकार है। अराजकता सपा का संस्कार है। गुंडे, अपराधी, दंगाई व माफियाओं को सपा से निकाल दिया जाए तो सपा पूरी तरह खाली हो जाएगी। सपा, बसपा व कांग्रेस आईसीयू में पड़े हुए है। सपा सांप नाथ है, बसपा नागनाथ है और कांग्रेस कालिया नाग है। इनसे बच करके रहना है। यह सभी समाज को डसने वाले और गरीबों का हक लूटने वाले लोग है। मौर्य ने कहा कि मोदी ने गरीब, किसान, महिला व युवाओं की खुशहाली के लिए सरकार की सारी योजनाओं को समर्पित किया है। कमल का बटन दबाकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान कीजिए और विकसित भारत निर्माण का मार्ग प्रशस्त कीजिए।

नमामि गंगे मिशन के प्रयासों से बढ़ रहा गांगेय डॉल्फिन का कुनबा

● भारतीय वन्यजीव संस्थान का दावा, गंगा और उसकी सहायक नदियों में लगभग 4000 डॉल्फिन मौजूद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नई दिल्ली

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए डबल इंजन सरकार के साथ ही नमामि गंगे मिशन द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के फलस्वरूप गंगा नदी में डॉल्फिन का कुनबा बढ़ रहा है। विशेषज्ञ इसे पर्यावरण के लिए अच्छा संकेत बता रहे हैं। इससे पता चलता है कि गंगा में डॉल्फिन को अनुकूल वातावरण मिल रहा है और गंगा का पानी भी साफ है। आने वाले समय में डॉल्फिन की संख्या और बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के मुताबिक इस समय गंगा और उसकी सहायक नदियों में लगभग 4000 डॉल्फिन मौजूद हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में गांगेय डॉल्फिन की संख्या 2000 तक होने की उम्मीद है, जोकि भारत में पाई जाने वाली कुल गांगेय डॉल्फिन की संख्या का आधे से अधिक है। ऐसे में इनके संरक्षण और संवर्धन की सर्वाधिक जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की ही बनती है। इसके मद्देनज़र उत्तर प्रदेश ने राज्य के लिए नई पर्यटन नीति लागू कर चंबल सेंचुरी में डॉल्फिन सेंचुरी क्षेत्र की घोषणा की थी। आज चंबल क्षेत्र में लगभग 111 डॉल्फिन की मौजूदगी दर्ज की गई है।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा किए जाने के बाद आम लोगों में इस अनोखे और दुर्लभ स्तनपायी जीव के प्रति उत्सुकता बढ़ी है। दूसरा पहलू यह भी है कि एक बड़ी आबादी अभी इस करिश्माई मेगा-फौना से अपरिचित है। इसलिए गांगेय डॉल्फिनों के संरक्षण से न केवल इस प्रजाति के संरक्षण को लेकर जागरूकता आएगी बल्कि गंगा की निर्मलता और अविरलता के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नमामि गंगे की योजनाओं में जागरूकता और जनभागीदारी मुख्य बिंदु हैं। इस आधार पर वर्ष 2030 तक गांगेय डॉल्फिन की आबादी में स्थिरता लाने और अधिक खतरे वाली प्रजातियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कवायद में स्वच्छ गंगा मिशन ने राज्य सरकारों, विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोगों से बेहतर तालमेल बनाने में सफलता पाई है। नमामि गंगे परियोजना के प्रदूषण कम करने के उपायों, आर्द्र भूमि के बचाव और प्रवाह बेहतर करने की पहलों से गांगेय डॉल्फिनों की आबादी को उपयुक्त पर्यावास मिला है। उल्लेखनीय है कि नदी डॉल्फिन भारतीय उपमहाद्वीप की अतिविशेष मेगा-फौना है, जिसे वैश्विक स्तर पर लुप्तप्राय की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। भारत में इसे संरक्षित किया जा रहा है। अपेक्षाकृत गंगा और उसकी रामगंगा, यमुना, गोमती, घाघरा, राप्ती, सोन, गंडक, चंबल और कोसी में इनकी बहुलता है।

कुशीनगर में अजय-विजय की लड़ाई, देवरिया में किसको मिलेगा जीत का संदेश

● गन्ने की मिठास के साथ बीजेपी की लगेगी हैट्रिक या विपक्ष बदलेगा जीत का स्वाद

सतीश सिंह। लखनऊ

गोरखपुर जनपद से सटे कुशीनगर और देवरिया संसदीय सीट पर इस बार भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार भगवा लहराने की तैयारी में है। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर गन्ना बहुल इलाका है। यहां के किसान गन्ने के अलावा केला, हल्दी , मूंगफली का उत्पादन करते हैं। पहले इस जिले में 9 चीनी मिलें चलती थी लेकिन सरकारों की लापरवाही के कारण 5 चीनी मिलें बंद हो गयीं। इस बार इन दोनों सीटों पर भाजपा की जीत का स्वाद बदलने के लिए विपक्ष अपने समीकरण को साधने में लगा हुआ है।

कुशीनगर संसदीय सीट

अन्तरराष्ट्रीय महत्व रखने वाली कुशीनगर लोकसभा के 2008 में अस्तित्व आने के बाद इसका अधिकांश प्रतिनिधित्व भाजपा ने ही किया है। लेकिन इस सीट पर कांग्रेस का भी दबदबा रहा है। इस बार बीजेपी ने अपने वर्तमान सांसद विजय दुबे को मैदान में उतारा है। वहीं सपा के टिकट पर अजय प्रताप और बसपा के टिकट पर शुभ नारायण चौहान मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के स्वामी प्रसाद मौर्य भी मैदान में है। मुख्य लड़ाई यहां विजय और अजय के बीच यहां मानी जा रही है। यहां के जातीय समीकरण की बात करें तो यह क्षेत्र ब्राह्मण, सैंथवार, वैश्य, यादव, मुस्लिम और कुशवाहा बहुल माना जाता है। पिछले चुनावों की बात करें तो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कुशीनगर से बाजेपी ने जीत हासिल की। बीजेपी के विजय दुबे ने सपा के उम्मीदवार नथुनी प्रसाद कुशवाहा को हराया था। वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के राजेश पांडे उर्फ गुड्डू ने कांग्रेस के आरपीएन सिंह को हराया था। वहीं 2009 के लोकसभा चुनाव में जबकि 2009 के चुनाव में यह सीट कांग्रेस के पास गई थी और रतनजीत प्रताप नारायण सिंह सांसद चुने गए थे। बसपा के स्वामी प्रसाद मौर्य को हार का सामना करना पड़ा था।

चार विधानसभा सीट शामिल

कुशीनगर लोकसभा में 5 विधानसभा सीट हैं। जिनमें पडरौना विधानसभा, कुशीनगर, हाटा, रामकोला विधानसभा हैं। यहां 17,61,564 लाख मतदाता हैं। अगर बात करें इस सीट के राजनैतिक इतिहास की तो यह सीट जब पडरौना सीट थी। तब कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह के पिता कुंवर चंद्र प्रताप नारायण सिंह यहां से 1980 और 1984 का चुनाव जीता था। 1952 से लेकर 1984 तक यहां कांग्रेस का दबदबा रहा। कांग्रेस केवर 1977 के चुनाव में हारी थी और यहां जनता दल ने जीत हासिल की 1989 में भी जनता दल ने यहां चुनाव जीता। 1991 से 1999 बीजेपी के राम नगीना मिश्र कमल खिलाते रहे और 2004 में नेशनल लोकतांत्रिक पार्टी के बलेश्वर यादव ने जीत हासिल की थी।

देवरिया संसदीय सीट

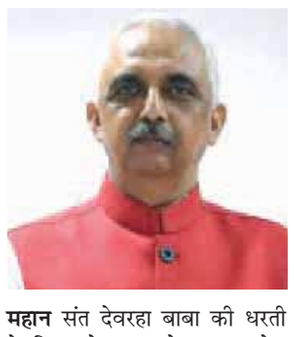

महान संत देवरहा बाबा की धरती देवरिया लोकसभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के 80 संसदीय सीटों में से एक है। 1991 के बाद से यहां पर बीजेपी, सपा और बसपा के बीच ही मुकाबला रहा है। बीजेपी ने इस बार पूर्व सांसद श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के पुत्र शशांक मणि को टिकट दिया है, जो स्थानीय होने के साथ संगठन में पकड़ भी रखते हैं। दूसरी तरफ सपा-कांग्रेस गठबंधन में देवरिया सीट कांग्रेस के खाते में गई है। कांग्रेस ने यहां से अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वहीं बसपा ने यहां से पूर्व विधायक स्व आनंद यादव के बेटे संदेश यादव को टिकट देकर यादव कार्ड खेल दिया है। संदेश यादव के मैदान में उतरने से यहां गठबंधन के लिए चुनाव जीतना टेढ़ी खीर के समान है। पिछले लोकसभा चुनावों की बात करें तो यहां से बीजेपी के रमापति राम त्रिपाठी ने बसपा के बिनोद कुमार जायसवाल को हराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पर बीजेपी के कलराज मिश्र ने बसपा के नियाज अहमद को हराया था। जबकि 2009 में इस सीट से बसपा के गोरखनाथ जायसवाल ने जीत दर्ज की थी। 2011 की जनगणना के अनुसार देवरिया जिले की आबादी 31 लाख से ज्यादा है।

पांच विधानसभा सीट शामिल

देवरिया संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत 5 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। जिसमें देवरिया, तमकुही राज, फाजिलनगर, पथरदेवा और रामपुर कारखाना शामिल है। यहां से एक भी विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित नहीं है। यहां पर सामान्य वर्ग की आबादी 81 फीसदी है तो अनुसूचित जाति की आबादी 15 फीसदी है।

अधिवक्ताओं ने शत-प्रतिशत मतदान के लिए चलाया सघन संपर्क अभियान

जिला न्यायालय में अपर महाधिवक्ता अशोक मेहता की अगुवाई में हुई अपील

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

जनपद न्यायालय प्रयागराज में बुधवार को लोक जागरण मंच प्रयागराज के तत्वावधान में आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव में लोकमत परिष्कार राष्ट्रहित में मतदान करने एवं मत प्रतिशत बढ़ाने हेतु सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। शत प्रतिशत मतदान को लेकर चौरासी खम्भा से आरम्भ हुआ अभियान तहसील सदर के सामने बारह खम्भा न्यू बिल्डिंग के सामने मुख्तार खाना जिला बार एसोसिएशन के हाल एवं चैंबर रजिस्ट्री आफिस के बगल एवं पीछे स्थित स्थानों पर बृहद संपर्क अभियान चलाया गया।

अभियान का नेतृत्व उच्च न्यायालय में राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक मेहता मुख्य स्थाई अधिवक्ता तृतीय मनोज कुमार सिंह एवं मुख्य स्थाई अधिवक्ता चतुर्थ शीतला प्रसाद गौड़ शीतल और अधिवक्ता श्रेणी प्रमुख डा अवधेश चन्द्र श्रीवास्तव ने किया। सभी अधिवक्ताओं से आगामी 25 मई को अपने अपने मतदेय स्थलों पर मौजूद रहकर राष्ट्रहित में मतदान करने और अधिक से अधिक मतदान कराने में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने की अपील की गई। इस मौके पर

गया प्रसाद सिंह प्राणेश दत्त त्रिपाठी कृष्ण मोहन मिश्रा लेखराज सिंह हरिश्चन्द्र केसरी अखिलेश शर्मा हरिमोहन श्रीवास्तव आलोक शर्मा राजेश तिवारी काशी नाथ सिंह सन्तोष कुमार निगम कुलदीप सिंह चौहान प्रदीप सिंह सिसोदिया अभिषेक शुक्ला डा लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता बृजेश कुमार श्रीवास्तव शैलेन्द्र द्विवेदी गुरु शरण श्रीवास्तव चन्द्र प्रकाश यादव विजय यादव कृष्ण कान्त पाण्डेय वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय शैलेन्द्र प्रताप सिंह वेदमणि त्रिपाठी अतुल सिंह चौहान सुरेन्द्र नाथ मिश्रा जितेन्द्र श्रीवास्तव पहल सिंह चौहान छोटे लाल चौधरी ज्ञान प्रकाश अस्थाना उत्पल निषाद भोलानाथ पाण्डेय अमिताभ दुबे जयराम पाण्डेय धर्मेन्द्र सिंह विजय पुरी धर्मेन्द्र शुक्ला विनय कुमार मिश्र अनिल तिवारी आचार्य राजेश त्रिपाठी राम प्रकाश सिंह भुवनेश्वर द्विवेदी विनय मिश्रा शैलेन्द्र श्रीवास्तव विपिन तिवारी राजेन्द्र सिंह राठौड़ धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ऊष्मा मिश्रा दिव्या ओझा शिखा दीक्षित श्वेता श्रीवास्तव आदि रहे।

विश्व जैव विविधता दिवस पर छात्रों को किया जागरूक

सीएमपी डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से आज विश्व जैव विविधता दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें एमएससी और बीएससी के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जैसे पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन ओरल प्रेजेंटेशन निबंध लेखन तथा प्लांट आइडेंटिफिक्शन में भाग लिया गया। प्राचार्य डॉ अजय प्रकाश खरे ने जैव विविधता के बारे में बच्चों को बताया। डॉ सरिता श्रीवास्तव ने भी बच्चों की सराहना की। डॉ दीपक कुमार गोंड ने वर्ल्ड बायोडाइवर्सिटी डे के थीम बी पार्ट ऑफ़ द प्लान के बारे मे बताया।उपरोक्त कार्यक्रमों में ओरल प्रेजेंटेशन मे प्रथम स्थान रौनक को द्वितीय स्थान हर्षि अग्रवाल एवं सुधांशु शुक्ला तृतीय स्थान नर नारायण को दिया गया। निबंध लेखन में प्रथम स्थान श्वेता मिश्रा एवं अनुराग मिश्रा द्वितीय स्थान अंजली शर्मा एवं स्मृति प्रभा साहू और तृतीय स्थान खुशबू गिरी को दिया गया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान रूचि त्रिपाठी द्वितीय स्थान आकांक्षा भारतीय एवं अंकिता कुशवाहा और तृतीय स्थान हर्षि अग्रवाल एवं अफ्साना को दिया गया। प्लांट आइडेंटिफिक्शन मे प्रथम स्थान अंकिता कुशवाहा एवं अनुराग मिश्रा द्वितीय स्थान श्वेता मिश्रा एवं रौनक गुप्ता तृतीय स्थान रूचि त्रिपाठी को दिया गया।

इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग में सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे विभागध्यक्ष डॉ सरिता श्रीवास्तव डॉ दीपक कुमार गौड़ डॉ आलोक कुमार सिंह डॉ यशवंत कुमार डॉ संजय सिंह डॉ विजय प्रताप सिंह डॉ मंजू श्रीवास्तव उपस्थित रहे। फिजिक्स विभाग के डॉ रोहित कुमार डॉ अतुल तथा केमिस्ट्री विभाग की डॉ बबिता अग्रवाल डॉ विशाल कुमार शोध छात्र स्वप्निल आनंद रूचि मणि राहुल सोनी स्वीटी साहू मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान और संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि विभाग में विधिक सहायता केंद्र द्वारा बुधवार को मतदाता जागरूकता अभियान और संगोष्ठी का आयोजन विधि किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों को मतदान के महत्व मतदान प्रक्रिया और मतदाताओं के अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया गया जिससे वह आगामी लोक सभा चुनावों में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। मतदान में भाग लेने हेतु विद्यार्थी मतदाताओं को विधिक सहायता केंद्र के संयोजक डॉ आर डी किशोर द्वारा शपथ दिलाया गया। संगोष्ठी में विधि विभाग के संयोजक डॉ शिव शंकर सिंह डॉ हरी दर्शन त्रिपाठी सहित विधिक सहायता केंद्र के सभी सदस्य शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विधि विभाग के समस्त छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ हरि दर्शन त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ आर डी किशोर ने दिया।

पोस्टल बैलेट से बुजुर्ग और दिव्यांगजनों ने किया मतदान

सककलडीहाध्चन्दौली ।चुनाव आयोग की ओर से 85 वर्ष से अधिक बुर्जुग और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा दिया गया है। इस क्रम में बुधवार सकलडीहा विधान सभा में कुल 25 वुर्जुग और दिव्यांग मतदाताओ ने अपने मत का प्रयोग किया। इस मौके पर जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बीएलओ व अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे। चुनाव आयोग के इस व्यवस्था से इनलोगो को काफी राहत मिली है। इसके साथ ही मतदान प्रतिशत में भी इजाफा होगा।भारत निर्वाचन आयोग ने वृद्ध व दिव्याग मतदाताओ को राहत देते हुए उनसे उनके घर पर ही मतदान कराने का फैसला किया है। इसमें 85 वर्ष के ऊपर के मतदाताओ को रखा गया है। चन्दौली लोकसभा में अंतिम व सातवे चरण में एक जून को मतदान होना है। जिले में कुल 126 वृद्ध और दिव्याग मतदाता है। 22 और 24 मई को इनके घर पहुचकर मतदान कराना है। इसी क्रम में बुधवार को सकलडीहा विधान सभा में 85 वर्ष से अधिक उम्र के कुल 10 मतदाता चिन्हित किया गया है। और 15 दिव्यांग मतदाता है। पोलिग पार्टी सभी चिन्हित बुजुर्ग और दिव्यांग के घर पहुची और मतदान कराया। जिसमे सबसे अधिक उम्र के धरहरा प्रधान प्रतिनिधि अमित सिंह के पिता ;95द्ध वर्षीय महीप नारायण सिंह के घर भी पोंलिग पार्टी पहुंची और उनसे मतदान कराया। चुनाव आयोग की इस व्यवस्था से बुजुर्गो और दिव्यागों को काफी राहत मिल रही है। इस बाबत तहसीलदार राहुल सिंह ने बताया कि विधान सभा में सभी चिन्हित बुर्जुग और दिव्यांग कुल 25 ने पोस्टल बैलेट से मतदान किया। इस मौके पर अधिकारियों के साथ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अमित सिंहएआशुतोष सिंह सहित अन्य रहे।

कंपनी मालिक समेत चार लोगों को एससी-एसटी कोर्ट में किया गया तलब

एक वर्ष पूर्व कंपनी में रोजगार लेने के लिए गए दलित व्यक्ति को जातिसूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने एवं जान मारने की धमकी देने का मामला

सोनभद्र। एक वर्ष पूर्व कंपनी में रोजगार लेने के लिए गए दलित व्यक्ति को जातिसूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने एवं जान मारने की धमकी दिए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट, सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को कंपनी मालिक समेत चार लोगों को एससी एसटी एक्ट और अन्य धाराओं में तलब किया है। अभियुक्तों को आगामी 6 जुलाई 2024 को सम्मन के जरिए कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। यह आदेश कोर्ट ने रविंद्र कुमार निर्मल उर्फ पंचू प्रधान निवासी जमशीला बीना, थाना शक्तिनगर, द्वारा अधिवक्ता राजीव कुमार सिंह गौतम के जरिए दाखिल प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र पर किया है। प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया है कि शक्तिनगर परिक्षेत्र पूर्णरूप से औद्योगिक क्षेत्र है। यहां पर एनसीएल कोयलरी की शाखा कृष्णशीला प्रोजेक्ट है। इस कृष्णशिला परियोजना में निविदा टेंडर के माध्यम से आउट सोर्सिंग कंपनी में यहां के प्रभावित परिवार के सदस्यों को 80 प्रतिशत रोजगार मुहैया कराया जाएगा। रोजगार के लिए इस कंपनी में 4-5 बार बुलाया गया। 10 मई 2023 को कंपनी कैंप पीके सिंह मैनेजर महेंद्र यादव संरक्षक केएनआई पीसी तिवारी मैनेजर स्वामीनारायण द्वारा रोजगार को लेकर उसे बुलाया गया। इनलोगों से बातचीत की सहमति नहीं होने पर प्राइवेट कंपनी में धरना प्रदर्शन की बात उसके द्वारा कही गई। इसी बात को लेकर जातिसूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने लगे और धक्का मुक्की करने लगे। जब इसका विरोध किया गया तो इनलोगों ने गाली देते हुए कहा कि यह कंपनी मंत्री विधायक की है। तुम्हें जान से मरवाकर फेकवा देंगे। तुम छोटी जाति के हो, तुम्हारी कोई औकात नहीं है। यहां के लोगों को रोजगार नहीं दिया जाएगा। अगर दुबारा कंपनी में रोजगार मांगने आओगे तो इसी खदान में दफनवा दूंगा। दूसरे दिन 11 मई 2023 को स्वामीनारायण कंपनी के मालिक शैलेंद्र सेठ ने फोन करके जाति सूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित किया और यह धमकी दिया कि मैं गुजराती हूं तेरे लाश को गुजरात भेजवा दूंगा। इस तहरीर पर शक्तिनगर थाने में 24 मई 2023 को कंपनी मालिक समेत चार लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया। मामले की विवेचना सीओ प्रदीप सिंह चंदेल द्वारा की गई और 22 जुलाई 2023 को कोर्ट में अंतिम रिपोर्ट प्रेषित कर दिया गया। जब कोर्ट ने नोटिस जारी किया तो रविंद्र कुमार निर्मल उर्फ पंचू प्रधान ने अधिवक्ता राजीव कुमार सिंह गौतम के जरिए प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र दाखिल किया।

आम आदमी पार्टी जिला इकाई से तीन पदाधिकारी पदच्युत

मीरजापुर। मिर्जापुर जनपद में आम आदमी पार्टी के जिला इकाई से तीन पदाधिकारी को संगठन के विरुद्ध कार्य करने वी अनुशासनहीनता की पुष्टि के चलते पार्टी हाई कमान से उनको पदच्युत कर दिया गया है। आप के तीनों पदाधिकारियों द्वारा आम आदमी पार्टी मीरजापुर के जिला नेतृत्व के आदेशों की अवहेलना करनेए सोशल मीडिया वाट्सअप ग्रुप पर बिना तथ्यों की पूर्ण जानकारी किये अनर्गल एवं मिथ्या आरोप लगाने एवं पार्टी की छवि को लगातार नुकसान पहुँचाने एवं अपने वरिष्ठ नेताओं के प्रति अनर्गल एवं झूठा आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने तथा बार.बार मना करने के बावजूद भी अनुशासन को भंग करने के दृष्टिगत आम आदमी पार्टी काशी प्रान्त के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री पवन तिवारी जी के निर्देश पर तीनों पदाधिकारियों श्री रामाश्रय यादवए जिला उपाध्यक्ष मीरजापुर श्री दिनेश चन्द्र चौबे दिनकर जिला संगठन महामंत्री एवं श्री रामबाबू यादव अध्यक्ष नगर विधान सभा मीरजापुर को तत्काल प्रभाव से उनके पद से पदमुक्त किया गया है। उन पर लगाये गये आरोपों पर 48 घण्टे के अन्दर लिखित स्पष्टीकरण मय साक्ष्य सहित मांगा गया है। अन्यथा उनके विरूद्ध निष्कासन की कार्यवाही प्रदेश नेतृत्व को प्रेषित कर दी जायेगी। पार्टी हाईकमान का निर्देश है कि आम आदमी पार्टी में अनुशासनहीनता कत्तई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

भारत स्काउट एंड गाइड ने जंक्शन पर वितरित किया गया निःशुल्क जल

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा गर्मी के मौसम के दृष्टिगत रेल यात्रियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रयागराज मण्डल के टूंडला जंक्शन स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक टुंडला अमित सुदर्शन के निर्देशन में क्राइस्ट द किंग एलूमनी एसोसियशन के सहयोग से भारत स्काउट एंड गाइड टूण्डला एवं क्राइस्ट द किंग इंटर कॉलेज के छात्रों द्वारा यात्रियों को निःशुल्क जल सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। स्टेशन पर इस जल वितरण में 40 से अधिक लोग योगदान दें रहे हैं। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए टूंडला जंक्शन स्टेशन पर निःशुल्क जल का वितरण 06 मई से अनवरत रूप से चल रहा है।यह जल वितरण 30 जून तक चलेगा। टुंडला जंक्शन से गुजरने वाली सभी गाड़ियों में दिन के समय यात्रियों को यह सुविधा उपलब्ध करायी जा रही। टूंडला जंक्शन स्टेशन पर सभी प्लेटफार्मो पर कुल सात वाटर कूलर उपलब्ध हैं इनके द्वारा भी यात्रियों को पाने की सुविधा मिल रही है। यह जानकारी अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे ने दी।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निशुल्क कोचिंग क्लासेस का हुआ शुभारंभ

सोनभद्र। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत परियोजना के आस-पास सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए विभिन्न कार्य किए जाते रहते है। इसी कड़ी में बुधवार को एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर द्वारा बैंक पीओ एवं क्लर्क प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निशुल्क कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, विंध्यनगर में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बैंक पीओ और बैंक क्लर्क की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग सुविधा प्रदान करना है। यह कोचिंग सुविधा तीन महीने की अवधि के लिए होगी, जिसमें प्रतिभागियों को शिक्षक और अध्ययन सामग्री की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण समीर शर्मा के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रमुख राकेश अरोड़ा, वरिष्ठ प्रबंधक सीएसआर एवं आर एंड आर महताब आलम और प्रधानाध्यापक सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल मुद्रिका प्रसाद कार्यपालक सीएसआर निखिल जायसवाल एवं उनकी टीम एवं एजेंसी नवोदय मिशन उपस्थित रही।

केन्द्र में इण्डिया गठबंधन की सरकार बनेगीः किरनमय नन्दा

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य किरणमय नंदा ने कहा कि रामलला हर हिंदू के अंदर है। जनता इस बार मंदिर. मस्जिद के आधार पर वोट नहीं करेगी। जो मंदिर के नाम पर चुनाव प्रचार करते हैं भगवान उनको कभी चुनाव में जीतने नहीं देता। सपा कार्यालय लोहियाट्रस्ट परं पत्रकारों के सवालों के जवाब में समाजवादी पार्टी नेता ने कहा कि दो बार भाजपा ने धर्म के आधार पर मतदाताओं को बांटकर सरकार बना ली। अब धर्म के नाम पर चुनाव नहीं होता हैए काम के आधार पर होता है। पिछले दस साल में बहुत सारे मौसम बने। कई जिलों में मंदिर तो क्या उसका चुनाव प्रचार में इस्तेमाल किया जाता है। सपा प्रत्याशियों के बार बार बदले जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यूपी में 80 लोकसभा सीट हैं। कुछ सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं। कार्यकर्ताओं की आवाज और सुझाव के आधार पर प्रत्याशी बदले जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने घोषणा पत्र में जो वादे किए थे वह अधूरे हैं। किसानोंए गरीबों और नौजवानों का कोई हित नहीं हुआ।उन्होने कहा कि राम हमारे आदर्श है। मिर्जापुर के लोकसभा प्रत्याशी रमेश चन्द बिन्द चुनाव जीत रहे है। श्री नन्दा ने कहा कि 80 के 80 लोकसभा सीटे समाजवादी पार्टी इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी जीत रहे है। कहा कि इस बार केन्द्र में इण्डिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

विश्वसनीयता के साथ निभाने में मिलती है मदद

प्रयागराज। पिछले सात वर्षों से अपनी दिलचस्प कहानी और जबर्दस्त ड्रामा के साथ दर्शकों को बांधे रखा है। जी टीवी के शो कुंडली भाग्य ने हाल के एपिसोड्स में दर्शकों को शो के दो खास किरदारों करण शक्ति आनंद और राजवीर पारस कलावत का आमना सामना देखने को मिला। जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। बाप बेटे के बीच इस दिलचस्प विवाद ने दर्शकों के मन में इस बात को लेकर उत्सुकता जगा दी है कि अब आगे क्या होगा। ज्यादा जानने के लिए देखिए कुंडली भाग्य रोज रात साढ़े नौ बजे सिर्फजी टीवी पर आएगा। क्या इससे लुथरा परिवार में एक नई मुश्किल पैदा हो जाएगी। यह सीन बहुत पावरफुल था और जिस बात ने इस विवाद को और दिलचस्प बनाया वो था करण और राजवीर का अंदरूनी जज़्बाती रिश्ता। शक्ति आनंद ने बताया कि पर्दे पर अपने खराब रिश्तों के बावजूद असल जिंदगी में पारस कलनावत के साथ उनका एक खास रिश्ता है। शक्ति ने इस तालमेल के बारे में बताते हुए कहा कि वो पारस को अपने बेटे की तरह देखते हैं। उनके बीच इतनी समानताओं के चलते ही शक्ति के लिए स्क्रीन पर सही जज़्बात दिखाना आसान हो जाता है।

लोकतंत्रीकरण करना और करियर की प्रगति में है बाधा

प्रयागराज। प्रशंसित बॉलीवुड निर्देशक और निर्माता गौरांग दोषी ने टीटीएफप्रोडक्शंस की ऊनेर नीति अग्रवाल के साथ मिलकर दुबई के थिएटर में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में अपने अभूतपूर्व उद्यम फीनिक्स आर्टिस्ट्स का अनावरण किया। सदस्यता आधारित मोबाइल और वेब प्लेटफ़ॉर्म के रूप में उभरा है। जो मनोरंजन उद्योग में प्रतिभा खोज और सशक्तिकरण के प्रक्षेप पथ को फिर से परिभाषित करता है। यह दिव्य मार्ग उभरती प्रतिभाओं और अनुभवी प्रतिभाओं को अभिनय गीत लेखन छायांकन निर्देशन मॉडलिंग डिजाइनिंग और गायन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी आकांक्षाओं को प्रकट करने के लिए प्रेरित करता है।

आदिवासी क्षेत्रों का विकास हमारी प्रथमिकताः दौलत

मिर्जापुर। मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र के अपना दल कमेरावादी पार्टी के सांसद प्रत्याशी दौलत सिंह पटेल ने बुधवार को हलियां लालगंज ब्लाक के आदिवासी बाहुल्य इलाकों में सघन जनसंपर्क के दौरान लोगों के बीच जाकर अपने विचारों को रखते हुए उनका समर्थन मांगा।जनपद के हलिया ब्लाकएछानबे व सीखड़ ब्लाक में सघन चुनावी अभियान के अंतर्गत सांसद प्रत्याशी व कार्यकर्ताओं ने अलग अलग गांवों कंतितएअमोईए सराराएबरीएजमुआ बाजारए हासीपुरए सुरसीए अदलपुराए सेमरीएरतेह चौराहाए पथरौलए चितावनपुर सहित दर्जनों गांवों में जन संपर्क किया।

इस दौरान दौलत सिंह पटेल ने कहा कि देश की प्राचीन संस्कृतिए सभ्यता और परम्परा संरक्षण में आदिवासियों का अमूल्य योगदान हैएआज मिर्जापुर में आदिवासी क्षेत्र विकास की दौर में बहुत पिछड़ा हुआ है।हमें जन समूह का समर्थन मिला तो पिछड़े आदिवासी क्षेत्र का विकास हमारी मुख्य प्राथमिकताओं में सामिल होगी।

घर घर जाकर मतदान कराने के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना

सोनभद्र। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 एवं उप निर्चाचन विधान सभा दुद्धी को सकुशल संपन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाता व दिव्यांग मतदाताओं को घर घर जाकर मतदान कराने हेतु कलेक्ट्रेट से पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बताया दिव्यांग पी0डब्लू0डी0 मतदाता 333 बजुर्ग 85 प्लस 272 के लिए 55 पोलिगं पार्टीयों द्वारा मतदान कराया गया। प्रत्येक टीम में मतदान कराने के लिए 02 कर्मचारी 01 माइक्रो आवजर्वर 02 सुरक्षा कर्मी तथा 01 वीडियों ग्राफर लगाया गया है। समस्त पार्टियों को मतदाता सूची रूट चार्ट स्टेशनरी मोहर आदि उपलब्ध कराई गयी है। उन्होंने बताया कि 85 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता जो 22 मई 2024 को मतदान करने से वंचित रह जाएंगे उन्हें पोलिंग पार्टियों द्वारा दिनांक 24 मई 2024 को घर घर जाकर मतदान कराया जाएगा।

देशी शराब और नाजायज गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सकलडीहाध्चन्दौली । कोतवाली पुलिस ने दो अलग अलग गांव से दो तस्कर को अवैध गांजा और देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गये अभियुक्तों के खिलाफवैधानिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस की लगातार धरपकड़ की कार्रवाई से तस्करों में खलबली मची है।कोतवाल संजय कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ क्षेत्र में गश्त पर निकले हुए थे। इसी बीच मुखबीर की सूचना मंगलवार को देर शाम सवा पांच बजे रमरेपुर पुलिया के समीप से 30 अदद अवैध देशी शराब ब्लू लाईम के साथ गिरफ्तार किया गया है।

शोध प्रबन्ध पर हुई संगोष्ठी

गाजीपुर। जनपद के पी0 जी0 कालेजए में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुईए जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापकए शोधार्थी व छात्र. छात्राएं उपस्थित रहे। उक्त संगोष्ठी में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत गणित विषय के शोधार्थी पुरुषोत्तम सिंह ने अपने शोध प्रबंध शीर्षक ष्भिन्नात्मक कलन और गतिशील प्रणाली पर कुछ समस्याएँ ष् नामक विषय पर शोध प्रबंध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले कुछ दशकों में अराजकता और तुल्यकालन के अध्ययन में कई वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित हुआ है। अराजक व्यवस्था के दो गुण होते हैए पहला गुण होता है अराजक व्यवस्था की प्रारंभिक स्थिति के प्रति संवेदनशीलता और दूसरा गुण होता है उसकी सकारात्मकताए ल्यपुनोव नामक गणितज्ञ ने इसे और अधिक जटिल बना दिया है। इसके अलावा इंजीनियरिंगए जीव विज्ञानए भौतिकीए सामाजिक विज्ञान आदि के क्षेत्र में इसका व्यापक अनुप्रयोग होता है। सिंक्रोनाइजेशन के अध्ययन में सैद्धांतिक के साथ.साथ व्यावहारिक पहलू भी सम्मिलित होते है। पेकोरा और कैरोल ने पहली बार 1990 में अराजक प्रणालियों को सिंक्रनाइज्ड करने का विचार प्रस्तावित कियाए यह प्रदर्शित करते हुए कि एक साधारण युग्मन का उपयोग करके अराजक प्रणालियों को सिंक्रनाइज्ड करना संभव है। कई शिक्षाविदों ने अराजक गतिशील प्रणालियों के सिंक्रोनाइजेशन की गहराई से जांच की हैए और पारिस्थितिक प्रणालियोंए भौतिक प्रणालियोंए रासायनिक प्रणालियोंए सुरक्षित संचार आदि में इसके महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के कारण इसने विभिन्न डोमेन में काफी रुचि पैदा की है।अराजक प्रणालियों जैसे गैर.रेखीय मॉडल में भिन्नात्मक कलन के उपयोग ने मौजूदा मुद्दों को एक नया आयाम दिया है।

मतदान कार्मिक मनोयोग से लें प्रशिक्षण

सोनभद्र। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 व दुद्धी विधान सभा उप निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष सकुशल एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिये जनपद में मतदान अधिकारियों और कार्मिकों के चल रहे प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में राजकीय इंजीनियरिंग कालेज चुर्क का मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों में जाकर पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों से प्रश्न पूछे और प्रशिक्षण प्रक्रिया से संतुष्ट हुये। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रशिक्षण केन्द्र पर विधानसभा दुद्धी के मतदान हेतु बनाये गये फैसिलिटेशन सेन्टर का भी निरीक्षण किया। मुख्य विकास अधिकारी ने मतदान कार्मिकों से कहा कि जनपद सोनभद्र में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष और सकुशल सम्पन्न करायें, सभी पीठासीन अधिकारी एमपीएस ऐप डाउनलोड कर लें प्रशिक्षण में कुल 1824 मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण प्राप्त करना था, जिसमें से 48 मतदान कर्मी बिना किसी कारण के अनुपस्थित रहें, मुख्य विकास अधिकारी प्रभारी अधिकारी कार्मिक ने निर्देशित करते हुए कहाकि प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों को 25 मई को प्रातः 09.00 बजे से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

करेंट की चपेट में आने से लाइनमैन गिर कर हुआ घायलःबीजपुर/सोनभद्र। नधिरा फीडर का लाइन मैन 28 वर्षीय विकेश कुमार पुत्र राजमन निवासी महुली नधिरा उपकेन्द्र पर कार्यरत है, गत रात्रि में बिना सेफ्टी किट का कार्य करते समय बकरिहवाँ में करेंट की चपेट में आने से गिर कर घायल हो गया। आनन फानन में अन्य कर्मियों व आस पास के लोगों की मदद से म्योरपुर सीएचसी ले जाया गया। जहाँ स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे अन्यत्र रेफर कर दिया था। अन्य साथियों की मदद से लाइन मैन को बैढ़न ट्रामा सेंटर में इलाज कराया जा रहा है। इस संदर्भ में अवर अभियंता महेश कुमार ने बताया कि लाइन मैन पोल से गिरा है दवा इलाज कराकर उसको घर पर छोड़ दिया गया था लोग अपने संतुष्टि के लिए इलाज कराने ले गए होंगे। वही परिजनों का कहना है कि कमर में दर्द व चलने फिरने में असमर्थ है तो हम लोग छोड़ दे विभाग के अधिकारी कोरम पूरा कर भाग लिए।

रईसी का निधन

भविष्य पर संकट

इब्राहीम रईसी ने अपने पीछे समृद्ध विरासत छोड़ी है और उनके निधन से ईरान के भविष्य पर संकट मंडराने लगा है। ईरान अभूतपूर्व राजनीतिक संकट से गुजर रहा है क्योंकि उसके राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी तथा विदेश मंत्री हुसैन अब्दुल्लाहियान का रहस्यमय परिस्थितियों में एक दु:खद हेलीकाप्टर दुर्घटना में निधन हो गया है। इन प्रमुख नेताओं के निधन ने ईरान को अनिश्चितता में धकेल दिया है, नेतृत्व में खाली स्थान पैदा हुआ है तथा विभिन्न अफवाहों व षडयंत्र सिद्धान्तों को हवा मिल रही है। रईसी अपने कट्टरपंथी दृष्टिकोण तथा विवादास्पद कार्रवाइयों में संलिप्तता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने पीछे जटिल विरासत छोड़ी है। अमीर अब्दुल्लाहियान के साथ उनकी मौत से न केवल नेतृत्व में खाली स्थान पैदा हुआ है, बल्कि ईरानी राजनीति और उसके विदेश संबंधों की दिशा पर सवाल उठने लगे हैं। हेलीकाप्टर दुर्घटना की परिस्थितियों ने भी अफवाहों को जन्म दिया है जो अजरबैजान सीमा के निकट भयानक कुहरे में गिर गया था। रईसी के अतीत को देखते हुए त्रासदी में षडयंत्र को आसानी से अनदेखा नहीं किया जा सकता है। वे 1988 में बड़े पैमाने पर हत्याओं, यूरेनियम-समृद्धीकरण जैसी कुछ विवादास्पद कार्रवाइयों तथा इज़राइल पर मिसाइल हमलों में शामिल थे। षडयंत्र के सिद्धान्तों में आंतरिक सत्ता संघर्ष से लेकर विदेशी हस्तक्षेप तक शामिल हैं। देश में राष्ट्रपति रईसी के अनेक विरोधी थे जिनमें उनकी नीतियों से हाशिए पर धकेले गए मध्यमार्गियों के साथ राष्ट्रपति कार्यकाल की आलोचना करने वाले कट्टरपंथी तक शामिल थे। ईरान का लंबे समय से 'प्रतिद्वंद्वी'

इज़राइल भी इस दायरे में आता है। हाल ही में दोनों देशों में बढ़ा तनाव, इज़राइल द्वारा एक ईरानी जनरल की हत्या और उसके बाद इज़राइल पर मिसाइल हमलों ने इज़राइली संलिप्तता की अफवाहों को हवा दी है। मोसाद ऐसी कार्रवाइयां करता रहा है, लेकिन किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या इज़राइल के लिए भी जोखिम वाला कदम है। हालांकि, इज़राइल तथा अमेरिकी सिनेट में बहुसंख्यक समूह के नेता चक शूमर ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है।

बड़ा सवाल रईसी के उत्तराधिकारी तथा ईरान की भावी दिशा के बारे में भी है। मुहम्मद मोखबिर को कार्यवाहक राष्ट्रपति तथा उप-विदेश मंत्री अली बागेरी कानी को पदोन्नत कर विदेश मंत्री बनाया गया है। 28 जून चुनाव की तिथि तय की गई है। रईसी एक कट्टरपंथी धर्म गुरु थे और दयालु बिल्कुल नहीं थे। 1988 की गर्मियों में रईसी एक 'मृत्यु आयोग' में शामिल थे जिसने हजारों राजनीतिक बंदियों की मौत का फरमान जारी किया था। इनमें मुख्यत: पीपुल्स मुजाहिदीन आर्गेनाइजेशन आफ ईरान-एमईके तथा अन्य वामपंथी समूहों के लोग शामिल थे। ईरानी सत्ता संरचना के एक प्रमुख व्यक्ति रईसी अपनी भयानक मौत तक लगातार प्रगति कर रहे थे। उनकी मृत्यु से सर्वोच्च नेता 85 वर्षीय अयातुल्ला अली खामनेई के वारिस के बारे में अनुमान लगाए जा रहे हैं, पर इससे ईरान की राजनीतिक दिशा में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। कट्टरपंथियों के प्रभुत्व वाली व्यवस्था प्राथमिकता से निरंतरता और स्थायित्व को महत्व देती है तथा प्रभुत्व के लिए आंतरिक दमन करती है। रईसी के उत्तराधिकारी को आर्थिक उथलपुथल तथा सामाजिक अशांति के बीच कठिन चुनौतियों का सामना करना होगा। इसके अलावा लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थिति बनी हुई है। आंतरिक विरोध तथा बाहरी दबावों के चलते उत्तराधिकार प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। भविष्य में पता चलेगा कि कोई उल्लेखनीय परिवर्तन होंगे या पुरानी व्यवस्था बनी रहेगी जहां मध्यमार्गियों व वामपंथियों का कोई स्थान नहीं होगा।

केजरीवाल के समक्ष कठोर चुनौती

केजरीवाल स्वयं को जमीनी संघर्षशील नेता के रूप में पेश करते रहे हैं। ऐसे में अभियोजन के बाद यह चुनाव उनके तथा 'आप' के समक्ष कठोर चुनौती पेश करता है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अरविंद केजरीवाल स्वयं को जमीनी संघर्षशील नेता के रूप में पेश करते रहे हैं। ऐसे में उनके अभियोजन के बाद यह चुनाव उनके तथा उनके नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी-'आप' के समक्ष कठोर चुनौती पेश करता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले दशक में अनेक बाधाओं का सामना किया है। इसके बावजूद उनकी अडिग दृढ़ता अनेक लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रही। लेकिन वर्तमान समय में 'शराब नीति घोटाले' के बाद वे तथा उनकी पार्टी सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। निकट अतीत में अनेकानेक चुनौतियों के बावजूद केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और संघर्षशील भावना का प्रतीक बन गई है। दिल्ली में संक्षिप्त 49 दिवसीय कार्यकाल के बाद उनको 2014 में दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीटों पर पराजय का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की तथा 2015 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में 70 सीटों में से 67 पर विजय प्राप्त करने में सफल रहे।

इस प्रकार उन्होंने कांग्रेस तथा भाजपा को तगड़ा धक्का दिया था। लेकिन पिछले महीने दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद स्थिति लगभग पूरी तरह बदल गई है। इस मामले में उन पर भ्रष्टाचार तथा सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगे। इससे उनके तथा आम आदमी पार्टी-आप के भविष्य पर अनिश्चितता का संकट मंडराने लगा। वर्तमान समय में सवाल है कि क्या वर्तमान शराब नीति घोटाला प्रकरण उनकी पार्टी की समाप्ति का कारण बनेगा अथवा वे इस आंधी का मुकाबला कर अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रखने में सफल होंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने केजरीवाल को इस मामले में अंतरिम जमानत दे कर उनको वर्तमान चुनावों में प्रचार करने का अवसर दे दिया है। उनकी जमानत केजरीवाल-समर्थकों तथा आप नेताओं व कार्यकर्ताओं के लिए उम्मीद की किरण है। इस सकारात्मक घटना ने केजरीवाल की सफलता का रास्ता खोला है। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या मतदाताओं में केजरीवाल के प्रति हमदर्दी पैदा होती है और वे चुनाव में आम आदमी पार्टी-आप को विजय दिलाते हैं। केजरीवाल स्वयं को जमीनी संघर्षशील नेता के रूप में पेश करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपने कथित उत्पीड़न का मामला उठाते रहे हैं। वर्तमान समय में उनके अनेक नेता जेल में हैं। केजरीवाल तथा उनकी पार्टी जनता को यह बताने का प्रयास करते रहे हैं कि उनके साथ जेल में दुर्व्यवहार हुआ और वहां उनको इन्सुलिन तथा मधुमेह की दवाइयां नहीं दी गईं। केजरीवाल की पत्नी तथा अन्य आप नेता आरोप लगाते रहे हैं कि यह उनके नेता की हत्या का षडयंत्र था। केजरीवाल की गिरफ्तारी आम आदमी पार्टी-आप के लिए सबसे बड़ा संकट था जिसकी स्थापना नवंबर, 2012 में हुई थी।

अपनी स्थापना के बाद से ही आप को अनेकानेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिनमें आंतरिक टकराव, भ्रष्टाचार के आरोप तथा आम आदमी के लिए पार्टी की छवि बनाए रखना शामिल हैं। पिछले वर्षों में केजरीवाल के अनेक सहयोगियों ने उनका साथ छोड़ा और उन पर स्वेच्छाचारी होने का आरोप लगाया। ये नेता अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन'-आईएसी आंदोलन के दिनों से ही उनके साथ थे। कहा जाता है कि केजरीवाल ने अपनी छवि बनाई और पार्टी में व्यक्तिवाद को बढ़ावा दिया। सत्ता तक आम आदमी पार्टी-आप की पहुंच बहुत नाटकीय रही है। इसका जन्म 2012 में अन्ना हजारे के नेतृत्व वाले इंडिया अगेंस्ट करप्शन आदोलन से हुआ। पार्टी कुछ ही महीने में सत्ता में आ गई, लेकिन 48 घंटे के अंदर केजरीवाल का इस्तीफा बहुत से लोगों के लिए आश्चर्यजनक था। इसके बाद केजरीवाल की 2015 व 2019 में सत्ता में वापसी हुई। दोनों बार उन्होंने भारी बहुमत से दिल्ली विधानसभा चुनाव जीते। इन असाधारण नाटकीय उपलब्धियों ने पार्टी की राजनीतिक दिशा के बारे में जनता में जिज्ञासा पैदा की और इससे केजरीवाल की राजनीतिक क्षमता तथा दृढ़ता स्पष्ट हुई। व्यक्तिगत रूप से देखें तो अरविंद केजरीवाल हमेशा महत्वाकांक्षी रहे हैं।

उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से स्वयं को प्रधानमंत्री उम्मीदवार की तरह पेश किया और 2014 में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से चुनाव मैदान में भी उतरे। लेकिन इस चुनाव में उनको भारी पराजय का सामना करना पड़ा। इस साहसी कदम ने केजरीवाल और उनकी पार्टी की छवि जनता में बहुत मजबूत कर दी। केजरीवाल ने अपनी तथा पार्टी की छवि मजबूत करने के लिए अतीत में विपक्षी दलों के साथ गठबंधन बनाने के भी प्रयास किए। हाल ही में वे विपक्षी दलों द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन में भी शामिल हुए। 25 से अधिक विपक्षी दलों के इस गठबंधन ने भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती देने का प्रयास किया है। वर्तमान समय में इस गठबंधन में शामिल 'आप' कांग्रेस के अलावा अकेली ऐसी पार्टी है जिसका एक से अधिक राज्यों में शासन है। केजरीवाल को लगता है कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' दिल्ली और पंजाब के बाहर उनकी पार्टी के विस्तार में सहायक सिद्ध हो सकता है। लेकिन वर्तमान समय में 'आप' का महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव केवल 20 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित है। ऐसे में केजरीवाल का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव इन निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। वर्तमान समय में 'आप' के पास लोकसभा की एक सीट तथा राज्यसभा की दस सीटें हैं। पार्टी को आशा है कि अप्रैल, 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद अब वह अपने प्रभावक्षेत्र का विस्तार दिल्ली और पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों में भी कर सकेगी।

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी-आप की सत्ता तक पहुंच बहुत आश्चर्यजनक रही है। भाजपा या वामपंथी पार्टियों के उलट इसका कोई ठोस वैचारिक दृष्टिकोण नहीं है। इसने क्षेत्रीय या समाजवादी पृष्ठभूमि वाली पार्टियों पर विश्वास नहीं किया है जिनमें अन्नाद्रमुक, द्रमुक, समाजवादी पार्टी, बीजू जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल शामिल हैं। इसके बजाय इसने एक प्रकार से जनता को अनेक सुविधायें मुफ्त देने वाली 'खैरात संस्कृति' का विकास कर सत्ता तक अपनी पहुंच बनाई है। 'आप' अब दिल्ली में कांग्रेस के साथ मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ रही है, जबकि वह पंजाब में स्वतंत्र रूप से सभी 13 सीटों पर मैदान में है। ये गठबंधन केजरीवाल की राजनीतिक यात्रा में उम्मीद की किरण हैं। आम आदमी पार्टी-आप केवल एक राजनीतिक उद्यम नहीं है। यह कांग्रेस द्वारा छोड़े गए खाली स्थान पर कब्जा करने तथा राजनीतिक रूप से 'द्वि-ध्रुवीय' राज्यों पर कब्जे का प्रयास कर रही है। इन प्रदेशों में हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्तमान लोकसभा चुनाव में जहां 'मोदी की गारंटी' का वादा किया है, वहीं केजरीवाल ने 'दस सूत्री एजेंडा' सामने रखा है। इस एजेंडे में 'इंडिया' के केन्द्रीय सत्ता में आने पर चीनी कब्जे से भारतीय भूमि को आजाद कराना शामिल है।

इसके साथ ही इसमें दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने, चौबीसों घंटे व सातों दिन बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने तथा मुफ्त शिक्षा देने के वादे भी शामिल हैं। अपने इन वादों से केजरीवाल राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहते हैं। लेकिन दिल्ली शराब नीति घोटाला 'आप' के लिए असुविधा का कारण बन गया है और यह भाजपा को केजरीवाल के खिलाफ अवसर प्रदान करता है। वर्तमान समय में जारी लोकसभा चुनाव में सवाल है कि क्या यह आम आदमी पार्टी-आप की समाप्ति का समय बनेगा? इसके साथ ही क्या 'आप' में दूसरी कतार वाले नेताओं, जैसे गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, संदीप पाठक, राघव चड्ढा और आतिशी को पार्टी चलाने का मौका मिलेगा, अथवा हमेशा की तरह केजरीवाल पार्टी नेता बने रहेंगे? केजरीवाल को आशा और उम्मीद है कि भाग्य उनका साथ देगा। अब तक इस सकारात्मक दृष्टिकोण ने उनकी बहुत मदद की है। यदि लोकसभा चुनाव में पार्टी को समुचित सीटें मिलती हैं तो उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी। केवल मतदाता ही तय करेंगे कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी का भविष्य कैसा होगा।

सरकारी प्रयास बनाम स्वास्थ्यरक्षा चुनौतियां

रक्ताल्पता से पीड़ित ग्रामीण महिलाओं व बालिकाओं के लिए सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रम पर्याप्त साबित नहीं हो पाए हैं।

नसीम बानो
(लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

राजस्थान में, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कई सरकारी पहलों के बावजूद, इन कार्यक्रमों का लाभ अपने इच्छित लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रहा है।

यह समस्या विशेष रूप से एनीमिया से पीड़ित महिलाओं और किशोरियों में अधिक देखी जाती है। जबकि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम लागू किया है और एनीमिया से निपटने के लिए मासिक अभियान चलाती है, इन प्रयासों से अभी भी ग्रामीण राजस्थान में स्वास्थ्य क्षेत्र में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ है। इसका एक उदाहरण मनोहरपुरा गांव में देखा जा सकता है उदयपुर के विरासत शहर से चार किलोमीटर दूर। यह गांव बड़गांव पंचायत के अंतर्गत आता है और इसकी आबादी करीब एक हजार है.

मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति के निवास वाले इस गांव में शिक्षा का स्तर निम्न है, जिसका असर यहां के निवासियों की जागरूकता पर पड़ता है। जिला मुख्यालय से नजदीक होने के बावजूद मनोहरपुरा स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। गांव के कई परिवारों के पास बुनियादी पहचान दस्तावेजों का भी अभाव है, जो उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने से रोकता है।

दस्तावेज़ न होने का कारण यह है कि गाँव में अधिकांश बच्चे अस्पतालों के बजाय घर पर पैदा हुए थे, जिसके परिणामस्वरूप जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड नहीं थे। युवा लड़कियों और महिलाओं के लिए, राज्य सरकार ने %आई एम शक्ति उड़ान योजना% शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक

रूप से कमजोर महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना है और 2024 तक लगभग 2.8 मिलियन महिलाओं और किशोरों को इस लाभ में शामिल करने का लक्ष्य है। इस योजना से 11 से 45 वर्ष की मासिक धर्म वाली लड़कियों और महिलाओं को सैनिटरी पैड मिलते हैं। हालाँकि, अधिकांश किशोरियाँ और महिलाएँ इस लाभ से वंचित रह जाती हैं। जागरूकता की कमी और गरीबी दोनों के कारण, कई लड़कियां अभी भी मासिक धर्म के दौरान पैड खरीदने के बजाय गंदे कपड़े का उपयोग करती हैं। इसके अतिरिक्त, राजस्थान में एनीमिया उन्मूलन के उद्देश्य से राज्य सरकार के मासिक शक्ति दिवस कार्यक्रमों के बावजूद, गाँव की लगभग आधी किशोरियाँ और महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस अभियान के तहत एनीमिया की दर को कम करने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। बच्चे, महिलाएं और किशोर। शक्ति दिवस कार्यक्रम आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी स्कूलों, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों, उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सीएचसी, औषधालयों और उप-जिला और जिला अस्पतालों में आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में एनीमिया जांच, हीमोग्लोबिन परीक्षण और उपचार, आयरन की गोलियों का वितरण और एनीमिया के संबंध में जागरूकता बढ़ाने और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियां शामिल हैं।

%शक्ति दिवस% पर, 6 महीने से 59 महीने की उम्र के बच्चों, 5 से 9 साल की उम्र के स्कूल न जाने वाले बच्चों, 10 से 19 साल की उम्र के किशोरों और 20 से 24 साल की विवाहित महिलाओं के लिए लक्षित गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में एनीमिया से निपटने के लिए भी प्रयास किए जाते हैं।

हालाँकि, यह मुद्दा मनोहरपुरा गाँव से आगे पूरे उदयपुर जिले तक फैला हुआ है, जहाँ अप्रभावी कार्यान्वयन ने जिला रैंकिंग को प्रभावित किया है। पिछले नवंबर में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ कीर्ति राठौड़ ने स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया था। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया कि लाभ सभी बच्चों, किशोरों और महिलाओं तक पहुंचे और जिले को एनीमिया मुक्त बनाने के उपायों को सख्ती से लागू किया जाए।

इन कमियों से फिलहाल यह पता चलता है कि मनोहरपुरा के निवासियों को अभी भी पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल रहा है और गांव अपने स्वास्थ्य लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाया है।

इसे संबोधित करने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई और अधिक से अधिक परिवारों को शामिल करते हुए सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

आप की बात

कश्मीर में भारी मतदान

चालीस वर्षों बाद कश्मीर में हुई रिकॉर्ड वोटिंग से धारा 370 की यंत्रणा से कश्मीर की जनता की मुक्ति सिद्ध कर दी है। धारा 370 के कारण आतंकवादियों को कई जगह पनाह मिली हुई थी। इसके कारण वहां का पर्यटन उद्योग बर्बाद हो गया था जिसका असर हिंदुओं के साथ ही बहुसंख्य मुस्लिम आबादी पर और भयानक रूप से पड़ रहा था। आतंकवादी उनसे हफ्ता वसूली करते थे। केसर उत्पादन व अन्य उद्योग कुछ स्थानीय नेताओं ने आतंकवादियों के गठजोड़ से अपने कब्जे में कर रखे थे। मतदान के प्रति इस जबरदस्त उत्साह ने दिखा दिया है कि कश्मीर की जनता धारा 370 हटाने के बाद बहुत राहत और सुकून महसूस कर रही है। इसके पहले कुछ चुनावों में तो 10 प्रतिशत से भी कम वोटिंग होती थी। आतंकी धमकियों के कारण मतदाता तो डरते ही थे, मतदान के लिए नियुक्त कर्मचारी, अधिकारी और सुरक्षाकर्मी भी भयग्रस्त रहते थे। उस समय चुनाव में भयंकर हिंसा होना सामान्य बात हो गई थी। देखना होगा कि कश्मीर में लोकतंत्र में जनता की बढ़ती सहभागिता से ऐसे राजनीतिक दल क्या सबक लेते हैं जो आज भी धारा 370 वापसी के सपने देख रहे हैं। आशा है आगामी विधानसभा चुनाव भी वहां शांतिपूर्वक संपन्न होकर जनता द्वारा चुनी हुई सरकार नियुक्त हो जाएगी।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

मोदी की काशी

नरेन्द्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र काशी अपनी नई पहचान से आज सबका मन लुभाती है। काशी की पहचान एक समय बड़े खस्ताहाल व टूटे-फूटे पुलों तथा गड्ढे वाली सड़कों से होती थी। काशी का जैसा विकास मोदी के शासनकाल में हुआ है वैसा पहले कभी नहीं हुआ था। आज वहां की स्वच्छ गंगा और वहां के घाट ही असली पहचान बन गये है। काशी के नागरिक और श्रद्धालु के कहते हैं कि हमारे सांसद मोदी ने देश में धर्म के प्रति आस्था की नई ज्योति जगाई है। पिछले 10 साल में बहुत कुछ बदल गया है बनारस, सड़कों पर आवागमन सहज हुआ है तथा हवाई अड्डा भी काफी विकसित भी हुआ है। कशी के विकास से अधिकांश लोग अभिभूत हैं। यही कारण है कि आज अनेक परिवार अपनी दोपहिया या चारपहिया वाहन पर - हमार परिवार, मोदी परिवार-स्टिकर लगाए मिल जाएंगे। काशी में आने वाले पर्यटकों से स्थानीय लोगों को बेहतर रोजगार मिला है तथा अनेक शिक्षण संस्थानों से नौजवानों की प्रगति के अनेक मार्ग खुले हैं। आज वाराणसी पूरे पूर्वांचल की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। इसी कारण आज अधिकांश काशीवासी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को और बड़े बहुमत से संसद भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

- एमएम राजावत, शाजापुर

प्रवासियों को सुरक्षा

आम आदमी की सुरक्षा उस देश की प्राथमिकता होती है जहां नागरिक रहते हैं लेकिन जब विदेशी नागरिकों की सुरक्षा का सवाल आता है तब फिर यही प्राथमिकताएं जरूरत में बदल जाती हैं। पिछले कई सालों से ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलेंड, कनाडा और खासकर अमेरिका में अनेक भारतीय प्रवासियों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। अपनी प्रतिभा के जरिए उच्च शिक्षा और रोजगार पाने वाले भारतीय युवा जब इन देशों में जाते हैं तो वहां उनमें से कुछ के साथ भेदभाव, हिंसा, मारपीट और यहां तक कि हत्या जैसी घटनायें सामने आती हैं। आजकल अमेरिका में इस तरह की अनेक घटनाएं हुई हैं। विदेशों में पढ़ने या रोजगार के लिए जाने वाले भारतीय उन देशों की समृद्धि में योगदान देते हैं। अनेक अन्य देशों से आने वाले प्रवासियों की तुलना में भारतीय प्रवासी कभी अपनी संस्कृति थोपने का प्रयास नहीं करते हैं तथा पूरी निष्ठा के साथ उन देशों के कानूनों का पालन करते हैं। ऐसे में भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा सभी देशों की प्राथमिकता में होनी चाहिए। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि मोदी के शासनकाल में भारत का दर्जा दुनिया भर में ऊंचा हुआ है और इसके साथ ही भारतीय प्रवासियों का सम्मान बढ़ा है।

-अमृतलाल मारू, इंदौर

सड़क दुर्घटनायें

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 1,68,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए। यह आंकड़ा उद्वेलित कर देने वाला है। हमारे देश में प्रतिदिन हजारों नई गाड़ियां सड़कों पर उतरती है मगर सड़कें उतनी ही चौड़ी हैं। कई स्थानों पर अतिक्रमण के कारण सड़कें और भी संकरी हो गई है। इसके बावजूद सड़क दुर्घटनायें रोकने तथा दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने की समुचित व्यवस्था नहीं की जाती है। टोलटैक्स कंपनियां टोल टैक्स वसूलने के पुख्ता इंतजाम करती है, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं निभाती हैं। वे एंबुलेंस नंबर तो दे देती है मगर न तो एंबुलेंस में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं होती है और न प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी उनमें तैनात होते हैं। इससे अस्पताल ले जाने तक अधिकांश घायल दम तोड़ देते हैं। इसे देखते हुए हर टोल टैक्स पर आईसीयू संसाधनों से युक्त एंबुलेंस की नियुक्ति अनिवार्य होनी चाहिए। जिसमें प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मी चौबीसों घंटे उपलब्ध रहें। मध्य प्रदेश की तरह अन्य राज्यों में भी हेलीकॉप्टर एंबुलेंस भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है इंडी गठबंधन: मोदी

- पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया
- सपा और कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना
- साम्प्रदायिकता, जातिवाद और परिवारवाद को दी गंभीर बीमारियों की संज्ञा

संवाददाता। श्रावस्ती, कटरा

बौद्ध स्थली श्रावस्ती से सटे श्रावस्ती एयरपोर्ट के सामने स्थित मैदान में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रावस्ती पहुंचे। निर्धारित समय दोपहर 2 बजे श्रावस्ती एयरपोर्ट पर उनका हेलिकॉप्टर लैंड हुआ वहां से वह सीधे सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुंचे जहां पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। उनके आगमन से ठीक पहले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंच पर पहुंच कर लोगो को सम्बोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच से लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैंने हेलिकॉप्टर से देखा कि जितने लोग पंडाल में उससे ज्यादा लोग कि तपती धूप में बाहर खड़े हैं आप लोगो का उत्साह बता रहा है कि इस बार सपा कांग्रेस का इंडी गठबंधन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। सपा कांग्रेस वाले लोगो को रैली में लाने के लिए कांट्रेक्ट देते हैं प्रति ब्यक्ति रुपया देते हैं।

यह 2024 का लोकसभा चुनाव आपका भविष्य तय करने जा रहा है जिन लोगों ने साठ वर्षो तक कुछ नहीं किया है वह मोदी के कामो को मोदी को रोकने के लिए एक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में दो लड़कों की जोड़ी लांच हुई है पूरा चुनाव खत्म होने को हैं लेकिन इन्होंने कोई भी भरोसेमंद बात नहीं की है। मैं यह नही समझ पा रहा हूं कि ये वोट मांग ही क्यों रहे हैं ये कहते हैं कि मोदी ने जो काम किया है हम उसे पलटने के लिए आएंगे मोदी के सारे कामो को खत्म करके हम देश को नए सिरे से चलयंगे और यही इनका एजंडा है मोदी द्वारा किए गए कामो को पलटना।

इनके नेता कहते हैं कि कांग्रेस की सरकार आई तो हम सीईए को खत्म कर देंगे ये इंडी गठबंधन वाले मोदी को अनाप शनाप कहते हैं ये मेरे परिवार को अनाप शनाप कहते है मोदी को यह सब मंजूर लेकिन एंडी गठबंधन वाले कान खोलकर सुन ले कि मोदी को भ्रस्टाचार बिल्कुल नहीं मंजूर है।

जिन गुंडों का नाम सुनकर लोग थरथर कांपते थे अब वही गुंडे सीने पर तख्ती लटकाकर हाथ जोड़कर कहते है कि हमे जेल में डाल दें साथियों भाजपा अब यूपी को उस हालात में जाने देगी यह मोदी की गारंटी है। इस गठबंधन में तीन ऐसी भयंकर बीमारी है जो कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक है जिससे देश वासियों को सतर्क रहना होगा पहली भयंकर बीमारी है साम्प्रदायिकता दूसरी गम्भीर बीमारी है जातिवाद और तीसरी सबसे गम्भीर बीमारी है परिवार वाद ये तीनो बीमारियां देश के लिए कैंसर से भी ज्यादा विनाशक बन सकती है।

ये कांग्रेस वाले जो कहते है कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानो का है तो मोदी कहता है कि इस पर पहला हक देश के गरीबो का है इनकी स्कीम है कि एससी एसटी व पिछड़े वर्ग का कोटा छीनकर मुस्लिम वोट बैंक में बांट दिया जाय लेकिन मोदी जबतक जिंदा है तबतक इनका हक कोई छीन नही सकता है।

नेग मांगने गए किन्नरों के साथ मारपीट में दो किन्नर गंभीर रूप से घायल, मचा हंगामा

- विरोध में किन्नरों ने किया थाने का घेराव
- मुकदमा दर्ज किये जाने के बाद ही थाने से हटे किन्नर

संवाददाता। संतकबीरनगर

थाना क्षेत्र के ग्राम जमोहरा में बधाई (नेग) लेने गई किन्नरों के साथ कुछ अराजक तत्वों ने मारपीट की। जिससे मारपीट की घटना में दो किन्नर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगो ने एम्बुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने दोनों को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं घटना की सूचना पाकर दर्जनों की संख्या में किन्नर मेंहदावल थाने पर पहुंच गए। केस दर्ज करने व आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ने हंगामा बढ़ता देख एक आरोपी को हिरासत में लिया है। आरोपियों के खिलाफजब पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया उसके बाद किन्नर शांत हुए। बुधवार को मेंहदावल थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जमोहरा में अप्रैल माह में हुई शादी की सूचना पर किन्नरों का एक समूह उसके घर पहुंचा। किन्नरों का आरोप है कि परिवार की महिलाएं नेग के रूप में 11 सौ रुपए व कुछ सामान उन्हें दिया और आशीर्वाद मांगा। वह उस घर से वापस आ रही थी की इसी दौरान उसी घर के कुछ पुरुष उन्हें सड़क पर घेर लिए। मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों घायल किन्नर को वाहन चालक ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घटना की सूचना किन्नरों को दी। जिस पर दर्जनों की संख्या में किन्नर थाना परिसर में पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक रामकृष्ण मिश्र से आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़ गए। कुछ किन्नर ने गिरफ्तारी को लेकर हंगामा भी करने लगे। हालांकि समय रहते पुलिस कर्मियों ने स्थिति को संभाल लिया। तत्काल पुलिस टीम गठित कर आरोपित के घर दबिश देकर एक आरोपित को हिरासत में लिया गया। उसके बाद भी किन्नरों का गुस्सा शांत नहीं हुआ।

किन्नर मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े थे। देर शाम तक आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया गया। तब जाकर किन्नरों का गुस्सा शांत हुआ। नामजद आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच पड़ताल कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सांसद रवि किशन ने राजग प्रत्याशी प्रवीण निषाद के पक्ष में किया रोड शो

संतकबीरनगर। गोरखपुर के सांसद स्टार प्रचारक रवि किशन बुधवार की देर शाम खलीलाबाद शहर में भाजपा प्रत्याशी सांसद ई0 प्रवीण निषाद के पक्ष में रोड शो कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए जनता से अपील किया।

सांसद गोरखपुर रवि किशन खलीलाबाद शहर के पूर्वी छोर बरदहिया बाजार से भारी संख्या में समर्थको के साथ रोड शो किया। यह रोड शो बरदहिया बाजार, दुर्गा मंदिर, मेंहदावल चौराहा, मुखलिसपुर तिराहा, गोला बाजार से होते हुए बैंक चौराहा, सुगर मिल चौराहा तक रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी सांसद ई0 प्रवीण निषाद के पक्ष में जनता से अपील करते हुए समर्थन मांगा। सांसद रवि किशन ने जनता से अपील करते हुए कहा कि केन्द्र में प्रदेश सरकार के नीतियों, विचारों व आम जनमानस के हित में किये जाने वाले कार्यो की समीक्षा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथो को हर संभव मजबूत करें। रोड शो में क्षेत्र की जनता ने रवि किशन का अभिवादन किया।

मिलेट्स है लोगों के स्वस्थ जीवन का आधार: प्रो. मित्तल

संवाददाता। अयोध्या

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड आर्थिक संघ के संयुक्त तत्वाधान में ''मिलेट्स: सतत विकास लक्ष्यों और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए एक पथ'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी को आयोजन ऑफ एवं ऑनलाइन मोड में किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 अशोक मित्तल अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उत्तराखण्ड आर्थिक संघ ने कहा कि मिलेट्स लोगो के स्वस्थ जीवन का आधार है। आज की अव्यवस्थित दिनचर्या में उपभोग प्रवृत्ति में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ रहा है। जिससे लोगो में विभिन्न प्रकार की बीमारियां पैदा हो रही है। लोग स्वस्थ जीवन से वचिंत हो रहे है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन को खुशहाल रखने के लिए मिलेट्स को उपभोग में शामिल करना होगा। मुख्य वक्ता प्रो0 अनामिका चैधरी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने भोजन में मिलेट्स शामिल करना चाहिए। इससे स्वस्थ्य जीवन जी सकते है। यही जीवन का आधार है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय ने बताया कि सतत विकास में खाद्य सुरक्षा के लिए मिलेट्स से सम्बन्धित उत्पादो को बढावा देना होगा। लोगो को पर्याप्त मात्रा में मिलेट्स उपलब्ध हो सके। इसके लिए ग्रामीण स्तर से लेकर केन्द्रीय स्तर तक चरण बद्ध प्रबन्ध करना आवश्यक है। क्योकि एक संगठित प्रबंध व्यवस्था मिलेट्स के उपभोग के लिए लोगो को प्रेरित कर सकती है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रो0 एम0सी0 सती, आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, एच0एन0बी0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड ने बताया कि मिलेट्स रोजगार एवं आय के स्तर को बढा सकती है जिससे लोगो का जीवन स्तर खुशहाल हो सकता है। इस क्रम में प्रो0 अनामिका चैधरी, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ ने भोजन में मिलेट्स उपयोगिता के बारे में बताया। प्रो0 दिनेश कुमार सिंह ने मिलेट्स से सम्बंधित प्रक्रियागत तकनीकी माडल के विकास पर जोर दिया।

अर्थशास्त्र विभाग देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश से प्रो0 ज्ञान प्रकाश ने मिलेट्स से सम्बन्धित लागत आधारित अदान प्रदान विश्लेषण प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस संगोष्ठी में स्वास्थ्य अर्थशास्त्र के बेहतर प्रबंध के लिए मिलेट्स आधारित विषय का चयन किया गया। जोकि वर्तमान भौतिकवादी परिवेश में लोगो का रहन सहन एवं खान पान फास्ट फूड की ओर बढ़ा है। जिसके कारण लोगो को मंहगी कीमत पर हानिकारक उपभोग सागग्रियों का उपभोग करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इससे लोगो में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों जन्म ले रही है। अत: अपने स्वस्थ जीवन एवं देश के विकास हेतु मिलेट्स उत्पादो को अपने जीवन शैली में सम्मिलित करना होगा।

क्विक न्यूज

सामूहिक बलात्कार मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

अमेठी। जिले के मोहनगंज क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी से सामूहिक बलात्कार के आरोप में बुधवार को तीन युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार ने बताया कि मोहनगंज थाने में आज दी गयी एक तहरीर में पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि गत 19 मई की रात करीब 12 बजे उसके गांव के ही तीन युवकों ने अपने घर में सो रही उसकी 15 वर्षीय बेटी को फोन करके पहले अपने पास बुलाया और उसके वहां पहुंचने पर उसके बाद खेत में ले जाकर उसके साथ सबने मिलकर सामूहिक बलात्कार किया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस सिलसिले में मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है तथा उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

सीएचसी में दिखा अव्यवस्थाओं का बोलबाला

बछरावां, रायबरेली। जहां एक ओर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक आए दिनों प्रदेश के सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण कर उनकी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त करने के प्रयास में तत्पर हैं, ताकि किसी भी मरीज को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए, परंतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के जिम्मेदार अधिकारी उनके इस प्रयास पर पूर्ण रूप से पानी फेरते हुए नजर आ रहे हैं। क्योंकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां मे अव्यवस्थाओं का बोलबाला पूर्ण रूप से देखा जा सकता है, जैसा कि तस्वीरों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां की नई बिल्डिंग में मरीजों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, क्योंकि मरीज डॉक्टर के कक्ष के बाहर जमीन पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं, और न ही किसी जिम्मेदार की उन पर नजर पड़ रही है। इस संबंध में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर अनिल कुमार जैसल से बातचीत की गई उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो उचित कार्यवाही कर समस्या का समाधान किया जाएगास लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि आए दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां परिसर में ऐसी ही कई समस्याएं देखने को मिलती हैं, और सीएचसी अधीक्षक उन समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही करने और उन समस्याओं को गंभीरता से लेने के बजाय कार्यवाही करने का आश्वासन दे देते हैं, जो कहीं न कहीं उनकी जिम्मेदारी पर प्रश्न चिन्ह उठा रही है।

चाय-पान की दुकानों पर हार व जीत का गुणा गणित बैठा रहे प्रत्याशियों के समर्थक

- स्मृति और केएल शर्मा के बीच दिखी कांटे की टक्कर

संवाददाता। अमेठी

वीवीआईपी संसदीय क्षेत्र अमेठी में बीते सोमवार को मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चाय पान की दुकानों की रौनक लौट आई है। लोग अपने अपने स्तर से विभिन्न स्थानों पर लोगों से बातचीत कर हार जीत का गुणा गणित बैठाते रहे ।लोग अपने अपने दृष्टिकोण से अपने तर्क देते हुए हार जीत का आंकड़ा लोगों को समझा रहे हैं।यूं ही तो अमेठी संसदीय क्षेत्र दशकों से देश भर में हमेशा चर्चाओं में शामिल रहा है। गांधी परिवार की कर्मभूमि रहे अमेठी संसदीय क्षेत्र में 2024 के आम चुनाव में भाजपा सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी व गांधी परिवार के करीबी कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के मध्य कांटे की टक्कर देखने को मिली है । यह चुनाव कुछ अलग ही अंदाज में लड़ा गया है। विगत चुनावों से हटकर दिखा। पार्टियों के समर्थकों में भले ही अपने-अपने मुद्दों के चलने की बात कर रहे हो लेकिन इस चुनाव जनता ने पार्टियों के मुद्दों से हटकर अपने मुद्दों को सर्वोपरि रखा जो कहीं ना कहीं चुनाव की रोचकता को बढ़ाता है।

मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार को विभिन्न कस्बों बाजारों के साथ ही गांव गिराव में स्थित चाय पान की दुकानों पर दिन भर चुनावी जीत हार को लेकर चर्चाएं चलती रही ।करीब महीने भर बाद चाय पान की दुकानों की रौनक लौट आई। हार जीत को लेकर चर्चाओं के बीच लोग अपने अपने तर्कों के साथ जीत के दावे कर रहे हैं। वही बसपा को मिलने वाले मतों को लेकर भी खूब गुणा गणित बिठाया जाता रहा है ।सबसे ज्यादा मजेदार बात रही कि बसपा के कोर मतदाताओं की चुप्पी को लेकर सभी दलों के समर्थक परिणाम को लेकर सशंकित होते देखे गए हैं। वहीं चुनावी चर्चा में मशगूल लोगों का मानना है कि लोक सभा क्षेत्र में कांग्रेस सपा गठबंधन के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा व स्थानीय सांसद स्मृति ईरानी ने अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कोर कसर नही छोड़ी है ।जिससे मुकाबला अत्यंत ही रोचक है और मतगणना में अंतिम तक रोचकता बनी रहेगी। फिलहाल 4 जून की तारीख को मतगणना के दिन ही यह पता चल पाएगा कि जीत का सेहरा बंधेगा।

उचक्कों ने ग्रामीण से की 20 हजार रुपये की ठगी

लालगंज, रायबरेली। घर से दो सड़का स्थित बड़ौदा ग्रामीण बैंक में रुपया निकालने आए एक व्यक्ति से ठगों ने 20 हजार रूपये ठग लिये। पीड़ित ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को देते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे धूनु मजरे उत्तर गोरी निवासी संत कुमार पुत्र राम शंकर पाल बड़ौदा ग्रामीण बैंक की शाखा दो सड़का से 20000 रूपये निकालने आए थे, रुपए निकालने के बाद जैसे ही वह जाने लगे बाहर उन्हें दो युवक मिले उन्होंने कहा उन्हें भी 80000 रूपये जमा करने हैं। वह रुपए जमा करने में उनकी मदद कर दे। फिर कोई बहाना करके उन्हें 80000 रूपये की पोटली थमा दी और उनके 20000 रूपये लेकर चंपत हो गए। पीड़ित 80000 रुपए के कागज के टुकड़े लिए घूम रहे हैं। पीड़ित ने मामले की तहरीर कोतवाली पुलिस को देते हुए सीसीटीवी कैमरो की मदद से आरोपियों को पकडकर पैसा वापस दिलाये जाने की गुहार लगाई है।

प्रत्याशियों में सर्वाधिक खर्च करने वाले भाजपा प्रत्याशी

संतकबीरनगर। मुख्य कोषाधिकारी वैभव कुमार ने बताया है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत 62-संत कबीर नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के व्यय लेखा रजिस्टर का तृतीय मिलान कोषागार कार्यालय, संत कबीर नगर में व्यय प्रेक्षक श्री ब्रज किशोर सिंह की उपस्थिति में व्यय लेखा टीम द्वारा किया गया।

उन्होंने बताया कि कुल 11 प्रत्याशियों में से सभी 11 प्रत्याशियों द्वारा व्यय लेखा रजिस्टर मिलान हेतु प्रस्तुत किया गया। निरीक्षण/मिलान के दौरान प्रत्याशियों द्वारा अपने चुनाव प्रचार में अब तक किए गए खर्च का व्यय लेखा रजिस्टर से मिलान किया गया। व्यय लेखा रजिस्टर पर पाई गई कमियों को अंकित किया गया तथा मतगणना के बाद व्यय दैनिक रजिस्टर को सभी कमियां दूर कराते हुए निर्धारित समय में जमा करने हेतु निर्देश दिए गए। व्यय लेखा रजिस्टर को स्कैन करते हुए जिले की वेबसाइट से अपलोड भी किया गया है ताकि जन सामान्य के लोग भी आसानी से देख सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी वैभव कुमार सहित प्रत्याशी/प्रतिनिधि एवं व्यय लेखा टीम के लोग उपस्थित रहे। सर्वाधिक चुनाव में खर्च करने वाले भाजपा प्रत्याशी सांसद प्रवीण निषाद है उन्होने अब तक 3937669 धनराशि खर्च किया है।

रिश्वत देने के आरोप में होटल संचालक को किया गिरफ्तार

अमेठी। अवैध काम कराने के लिए पुलिस को रिश्वत की पेशकश करना एक होटल संचालक को महंगा पड़ा। मुंशीगंज थाना प्रभारी ने रिश्वत देने आए होटल संचालक को थाने में ही घूस देने के लिए लाई गई 50 हजार रकम के साथ दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने भी जांच पड़ताल की है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी को जेल भेजा जा रहा है। मंगलवार की शाम मुंशीगंज थाने के एसओ शिवनारायन सिंह थाने में अन्य पुलिसकर्मियों के साथ चुनावी ड्यूटी आदि के बारे में चर्चा कर रहे थे। तभी एक शख्स उनके पास पहुंचा। उसने इंस्पेक्टर से कुछ अकेले में बात करने के लिए समय मांगा। इंस्पेक्टर के मुताबिक थाने पहुंचे शख्स से नाम-पता पूछते हुए उसे सबके सामने बात करने को कहा। इस पर वहां पहुंचे शख्स ने अपना नाम पता अमेठी के गंगागंज मोहल्ला हबीबनगर निवासी मो. आसिफ बताया। चुनावी मौसम में थाने पहुंच कर पुलिस को रिश्वत की पेशकश करने वाला आसिफ होटल की आड़ में अवैध काम भी करता था। ऐसा उसने पुलिस की पूछताछ में दावा किया है। उसके दबोचने के बाद पुलिस ने उसकी पूरी कुंडली खंगाली। हालांकि उसके खिलाफ पहले का कोई आपराधिक रिकार्ड सामने नहीं आया है। एसओ का कहना है कि आरोपी को रिश्वत की रकम के साथ दबोचने के बाद गहनता से पूछताछ व जांच की गई है। कोई पुराना आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला है। उसके खिलाफ मिल पर्याप्त सबूतों के आधार पर ही कार्रवाई की गई है।एसपी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि अमेठी निवासी एक होटल संचालक मुंशीगंज थाने में पुलिस को अवैध काम के लिए रिश्वत देने की पेशकश करने पहुंचा था। उसे पुलिस ने फौरन गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 50 हजार नकदी बरामद हुई है। यह नकदी वह पुलिस को अवैध काम के लिए रिश्वत के रूप में देने पहुंचा था।

आय के समस्त श्रोतों पर सोसायटी एक्ट के नियमों के साथ किया गया खिलवाड़

संवाददाता। डलमऊ, रायबरेली

डलमऊ क्षेत्र में बड़ा मठ आस्था का केंद्र बिंदु माना जाता है जिनके हजारों की संख्या में भक्त है पर धन की लोलुपता और आय से अधिक व्यय से व्यथित बडे मठ में जगह जगह सोसायटी एक्ट को ताख पर रखकर कार्य किये गए हैं, जिसमे ट्रस्ट की भूमि का अवैध विक्रय, नियमों को दरकिनार कर भूमि का लीज पर देना, ट्रस्ट की संपत्तियों को व्यावसायिक उपयोग करना यहां तक कि ट्रस्ट के सामने स्थित लोक निर्माण की भूमि पर रखे गए खोखे से भी किराये की वसूली करने जैसे कृत्य शामिल होने की खबरें आम हैं।

इतना ही हाल ही में शिक्षक भर्ती में भी नियमो की परवाह किये बगैर नियुक्ति की भी प्रबल संभावनायें प्रबल है.पर सार्वजनिक रास्ते इंटरलॉकिंग उखाड़ने की घटना ने पूरे नगर में स्वामी जी की इज़्ज़त तार तार कर रख दिया जिसमें अधिकांश लोग नगर पंचायत अध्यक्ष ब्रजेश दत्त गौड़ और स्वामी जी के बीच हुई किसी गुप्तडील के रूप में देख रहे है वो डील लोकसभा चुनाव में सहयोग की थी या व्यक्तिगत लाभ की इसका खुलासा नही हो पाया। लेकिन व्यक्तिगत लाभ की बात की पुष्टि लोक निर्माण विभाग के अनुभाग-12 द्वारा जारी शासनादेश संख्या-59/2114/1882/23-12-19-1365/17 ने कर दिया जो पेट्रोल पंप के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी होने में बाधक बन रहा था जिसके समाधान के क्रम में राधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय संस्था के जिम्मेदारों ने शासन द्वारा राहगीरों की सुगमता पूर्ण आवागमन हेतु रास्ते पर व्यय सरकारी धन से निर्मित इंटरलॉकिंग को उखाड़ कर अनापत्ति प्रमाण पत्र की बाधा दूर करने का कृत्य किया गया।

राधाकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय ट्रस्ट में फर्जीवाड़ा और धनार्जन के लिए बायलॉज को कई बार दरकिनार करते हुए ट्रस्ट की भूमि का सौदा किया गया जिसमे डलमऊ, दरियापुर और महराजगंज तहसीलों की संपत्तियों को लेकर किया गया विक्रय कृत्य शामिल है पर मठाधीशों की शक्ति के आगे सोसायटी एक्ट और कानून की धाराएं दम तोड़ देती हैं।

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक कर किया ग्रामीणों को प्रेरित

ऊंचाहार। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत अक्षत ग्रुप प्रयागराज द्वारा एनटीपीसी ऊंचाहार के सौजन्य से उमरन गांव में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया और ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया।उमरन गांव के निवासियों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया और कलाकारों की सराहना की। नाटक ने स्वच्छता के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नुक्कड़ नाटक के बाद ग्रामीणों को 120 लीटर के बड़े कूड़ेदान का वितरण किया गया। इसके अलावा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत 125 मच्छरदानियों का भी वितरण किया गया। परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबड़ा ने कहा, यह नुक्कड़ नाटक स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। एनटीपीसी ऊंचाहार समुदाय को स्वच्छ और स्वस्थ रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के कार्यक्रम हमारे प्रयासों को और मजबूत बनाते हैं। इस आयोजन ने ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया।

अंततः नींद से जागा स्वास्थ्य विभाग, चार अवैध संचालित नर्सिंग होम सीज किये

संवाददाता। संडीला, हरदोई

नगर के एक चाइल्ड केयर सेंटर में झोला छाप हुई एक प्रसूता की मौत के बाद मामला मीडिया में जोरशोर से उछलने के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग की को कुंभकरणी नींद में कुछ खलल पड़ा और इसी क्रम में उपमुख्य चिकित्साधिकारी ने चार अस्पतालों पर ताला जड़ दिया है।

संडीला में बांगरमऊ रोड स्थित एनएस हॉस्पिटल में 22 वर्षीय शबनम पत्नी रिजवान की दर्दनाक मौत उस समय हो गयी जब इस चाइल्ड केयर सेंटर पर किसी झोलाछाप व्यक्ति ने सीज़ेरियन ऑपरेशन कर डाला। यह मामला जोरदार तरीके से मीडिया में उछला, तब जाकर स्वास्थ्य विभाग की कुंभकरणी नींद टूटी और डिप्टी सीएमओ मनोज कुमार ने इस हॉस्पिटल पर छापा मारा। एनएस हॉस्पिटल की जांच के दौरान पता चला कि न तो इसका रजिस्ट्रेशन है और न ही इसमें कोई एमबीबीएम डॉक्टर की नियुक्ति है। यह अलग की बात है कि इस असपताल के बोर्ड पर कई एमबीबीएस और विशेषज्ञ डॉक्टरों के नाम लिखे हुए हैं। डिप्टी सीएमओ ने इस हॉस्पिटल के बोर्ड को उतरवाकर उसे तत्काल प्रभाव से सीज़ करते हुए इसके कर्ता धर्ताओं से तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है। इसी टीम ने न्यू बालाजी हॉस्पिटल, सेवा हॉस्पिटल तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल भरावन में छापामारी की। इन तीनों अस्पतालों का न तो रजिस्ट्रेशन मिला और न ही किसी हॉस्पिटल में कोई एमबीबीएम डॉक्टर। अलबत्ता चिकित्सा विज्ञान की विशेषज्ञताधारी कई डॉक्टरों के नाम अस्पतालों के बोर्डों में लिखे हुए जरूर नजर आ रहे थे। डिप्टी सीएमओ ने तीनों बोर्डों को तत्काल प्रभाव से उतरवाते हुए इन्हें सीज़ कर तीन दिन के अंदर जवाब देने का नोटिस जारी किया है।

गौरतलब है कि अभी भी केवल संडीला में ही एक दर्जन से अधिक ऐसे हॉस्पिटल संचालित हैं जहां न तो एमबीबीएस डॉक्टर हैं। यहां तक कि प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, वॉर्ड बॉय आदि तक नहीं हैं।

यही नहीं इनमें से कई हॉस्पिटल तो अपनी पैथोलॉजी लैब का भी संचालन कर रहे हैं, लेकिन यहां भी किसी प्रशिक्षित पैथॉलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं है। इन अस्पतालों में बड़े डॉक्टरों से मात्र ऑपरेशन आदि के लिए ही कॉन्टैक्ट होता है, जो मरीज के भर्ती होने पर आकर ऑपरेशन कर अपनी फीस ले जाते हैं। उसके बाद सारा का सारा खेल इन अस्पतालों का होता है। और अगर किसी मरीज की ऑपरेशन के बाद हालत खराब हो जाए तो सिवाए लखनऊ ले जाने के या मरीज के जीवन पर संकट आने के आलावा कोई रास्ता नहीं दिखता। कुल मिलाकर इन अपंजीकृत नर्सिंग होम के विरुद्ध शुरू की गयी यह कार्रवाई यदि अच्छी शुरूआत मानी जाए।

जिला न्यायाधीश ने किया कारागार का निरीक्षण

●जेल अधीक्षक को दिये सुरक्षा संबंधी दिशा निर्देश

संवाददाता। कन्नौज

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश के अनुपालन में चन्द्रोदय कुमार जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा बुधवार को जिला करागार का निरीक्षण किया गया एवं कारागार में महिलाओं की निजी स्वच्छता की विस्तृत जानकारी हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लवली जयसवाल द्वारा किया गया।

जनपद न्यायाधीश चन्द्रोदय कुमार ने बंदियों से जिला जेल के अस्पताल की सुविधाओं का निरीक्षण करते हुये दवाईयों की उपलब्धता व ओपीडी आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। तथा जेल अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी बंदियों का 3 महीने में एक बार ब्लड टेस्ट करवाया जाए तथा मरीजों के इलाज के किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये। निरीक्षण दौरान पाकशाला का भी निरीक्षण जेल में निरूद्ध बंदियों से उनके खानपान, एवं उनके मुकदमों में पैरवी हेतु अधिवक्ताओं के संबंध में जानकारी ली गयी तथा उनकी समस्याओं को सुना गया एवं उनके निराकरण हेतु जेलर एवं जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया।

जनपद न्यायाधीश द्वारा जेल में स्थित पुरूष व महिला बैरकों का निरीक्षण किया गया जिसमें बैडमिंटन एवं कैरम आदि टूटे पाये गये जिसकी मरम्मत हेतु जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया। निरीक्षण दौरान कारगार परिसर व कार्यालय का निरीक्षण करते हुये अभिलेखों के स्खरखाब व मुलाकाती रजिस्टर, बंदियों के रजिस्टर लीगल एड क्लीनिक के रजिस्टर का अवलोकन करने के उपरांत लीगल एण्ड क्लीनिक में कार्यरत पराविधिक स्वयं सेवक को जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों को विधिक सहायता प्रदान किये जाने के हेतु दिशा निर्देश दिये गये। सुरक्षा की दृष्टि से जिला कारागार में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया गया जिसमें सभी कैमरे ठीक पाये गये।

जनपद न्यायाधीश द्वारा जेल अधीक्षक को शासन की मंशा के अनुरूप जेल में बंदियों को मिलने वाली सारी सुविधाये अवश्य उपलब्ध कराये एवं शातिर बंदियों पर कड़ी निगरानी रखे एवं जेल परिसर के अदंर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाने पाये, एवं परिसर में साफ सफाई का विशेष ध्यान स्खे जाने एवं शौचालयों में साफ सफाई कराये जाने के लिये निर्देशित किया गया।

जिला कारागार में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर अपर जिला जज/सचिव लवली जायसवाल द्वारा महिला बंदियों को निजी स्वच्छता एवं सैनेटरी पैड्स के इस्तेमाल हेतु जागरूक किया गया एवं साथ ही साथ सरल जुर्मना जमा योजना के विषय में जानकारी दी

दिल्ली से आ रही बस में की तोड़फोड़, मुकदमा दर्ज

मोहम्मदी खीरी। दिल्ली से आ रही एक बस पर चार लोगों ने शाहजहांपुर रोड पर हमला कर दिया। बस के मालिक गुफ़रान की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। औरंगाबाद से चलने वाली डबल डेकर दिल्ली तक प्राइवेट बस का संचालन होता रहता है। इसी को लेकर शाहजहांपुर रोड पर बस मालिक द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया कि नामजद अफ़सर, पप्पू, मोसिन और तसलीम ने हफ्ता बसूली को लेकर अचानक बस पर हमला बोल दिया, तथा पिस्टल से बस पर धावा बोल दिया, जिस कारण बस के शीशे टूट गए। गौरतलब है लगातार दिल्ली चलने बाली बसों पर घटनाएं जारी हैं। प्रभारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मुर्दों का रक्त परीक्षण एवं अल्ट्रासाउंड कर रहे डॉक्टर, परिजनों ने किया हंगामा

●बांदा में सामने आया आश्चर्यजनक मामला

●शिकायत पर सीएमओ ने गठित की जांच कमेटी

आलोक निगम। बांदा

उत्तर प्रदेश के बांदा जिला अस्पताल में उस वक्त बवाल मच गया जब एक होनहार डॉक्टर ने एक लाश की ब्लड टेस्ट और सिटी स्कैन की जांचे लिख दी। परिजनों ने जब हंगामा शुरू किया तो डॉक्टर पर्चा लेकर उसे फाड़ते हुए भाग खड़ा हुआ। परिजनों की शिकायत पर सीएमओ सहित स्वास्थ्य विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे और मामले में जांच के आदेश दिए हैं। सीएमओ का कहना है कि 3 दिन में जांच रिपोर्ट आने पर सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आपको बताते चलें कि मामला जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर का है. जहां बदौसा क्षेत्र दुबरिया इलाके के रहने वाले 82 वर्षीय भोला पाल की सोमवार सुबह तबियत बिगडी तो परिजन उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुँचे, जहां से उन्होंने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया. परिजन बुजुर्ग को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे ही थे कि उनकी मौत हो गयी। परिजनों ने बताया कि डॉक्टर ने चेकअप किया और तुरंत खून की जांच की जांच और सिटी स्कैन की जांच लिख दी, जबकि हमने बताया कि उनकी मौत हो चुकी है. इतना ही नही आगे आरोप लगाया कि जांच लिखने के बाद तुरंत प्राइवेट एम्बुलेंस आ गयी, शव को जांच के लिए कर्मचारी भी उठाकर एम्बुलेंस में ले जाने लगे. परिजनों ने फिर रोका और बताया कि उनकी मौत हो गयी है। इसी बात को लेकर परिजन हंगामा करने लगे, जिसकी सूचना पर अफसर मौके पर पहुंचे। परिजनों का यह भी बताया कि देश के पीएम मोदी जी स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर दिन रात एक करके लोगो को नियुल्क इलाज की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन यहां डॉक्टर लूटने का काम कर रहे हैं, आरोप है कि डॉक्टर ने मौत होने के बाद कमीशन खोरी के चलते हजारों रुपए की बाहर से जांच लिख दी. इसके बाद परिजनों ने जब डॉक्टर से पर्चा मांगा तो उसको पर्चा भी नही दिया और धमकी देते हुए भगा दिया. परिजन रोते बिलखते रहे, उन्होंने सरकार से कार्रवाई की मांग की है।

बांदा के सीएमओ डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया कि इस मामले में मौके पर पहुंचा था, परिजनों से बात की, उनकी शिकायत के आधार पर एक जांच कमेटी बनाई गई है, 3 दिन में जांच रिपोर्ट आएगी, जिसके बाद सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

ग्रामीणों ने पकड़े तीन चोर फिर भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

बिवांर, हमीरपुर। क्षेत्र के कैमोखर गांव के लोगों ने बुधवार को तीन संदिग्धों को घेरकर पकड़ कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया है। लोगों का कहना है कि पिछले दिनों इन लोगो ने गांव में चोरी की थी। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि पकड़े गये युवकों की पहचान टीहर निवासी अतुल पुत्र मानसिंह ,लवलेश पुत्र रामकिशन ,दीपू पुत्र रामसजीवन के रुप में की गयी है।

गांव की दयावती पत्नी मुन्ना लाल ने बताया कि रात के समय उसके घर में तीन लोग घुसे थे ,जो उसके द्वारा शोर मचाए जाने पर भाग खड़े हुए थे ,लेकिन सुबह जब गांव के लोगों ने उन्हें घेरकर पकड़ा तो महिला ने उन्हें पहचान लिया। ग्रामीणों का कहना है कि बीते तेरह अप्रैल को गाँव में तीन घरों में चोरियाँ हुईं थीं जिसमें पुलिस ने अबतक कुछ नहीं किया है। चोरियों में इन्हीं आरोपियों और इनके सहयोगियों के हाथ होने की आशंका जताई है गांव वालों ने थाने में जाकर पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर चोरी का खुलासा करने की मांग की है।

संपत्ति में हिस्सा न मिलने पर दामाद ने कराई ससुर की हत्या

●पुलिस ने दामाद के भाई को किया गिरफ्तार, आलाकत्ल बरामद

संवाददाता। फतेहपुर

कल्याणपुर थाना क्षेत्र मे हुई वृद्ध की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दामाद के भाई को गिरफ्तार किया हैं वहीं हत्या की साजिश रचने वाला दामाद फरार हैं। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से आलाकतल और घटना मे प्रयुक्त बाइक बरामद किया हैं। पुलिस लाइन मे हत्या का खुलासा करते हुए एसपी उदय शंकर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के महरहा मे जामुन के पेड़ के नीचे से बीती 18 मई को अज्ञात वृद्ध का हत्या युक्त शव पुलिस ने बरामद किया था। वृद्ध की शिनाख्त रमेश पटेल निवासी बड़ौरी के रूप मे हुई। मामले मे हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जाँच शुरू की। पुलिस की जांच में मृतक के बड़े दामाद राजेश पटेल निवासी सुजानपुर थाना ललौली द्वारा हत्या की साजिश रचने की बात सामने आई। पुलिस के गहनता से जांच करने पर पता चला कि राजेश पटेल ने ससुर रमेश से सम्पत्ति मे हिस्सा मांगा था लेकिन ससुर ने हिस्सा देने से मना कर दिया। जिसके कारण उसने हत्या की योजना बनाई। एसपी मे बताया कि योजना के तहत राजेश अपनी बाइक से भाई पिंटू पटेल के साथ बहुआ तक आया था उसके बाद पिंटू बाइक लेकर रमेश के पास पहुंचा।

पिंटू ने उसे मुरादीपुर ठेके से शराब दिलवाई। शराब लेकर दोनों लोग महरहा मे सत्येंद्र की बाग मे पहुंच कर शराब पी। रमेश के नशे मे हो जाने के बाद पिंटू ने हथौड़ा से रमेश पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी।

एसपी ने बताया की थाना प्रभारी रमाशंकर सरोज और एसओजी टीम ने घटना के मुख्य आरोपी पिंटू पटेल को ग्राम गौसपुर से गिरफ्तार किया है। साजिशकर्ता दामाद फरार है। उसे भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

जमीन खरीदने के नाम पर दिव्यांग से ठगे चार लाख

बिंदकी, फतेहपुर। जमीन दिलाने के नाम पर दिव्यांग से चार लाख रुपए की ठगी कर ली गई अब जब दिव्यांग अपने पैसा मांग रहा है तो उसे गाली गलौज किया जाता है और जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है, वहीं पीड़ित ने पुलिस से शिकायत किया है पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के जिगनी गांव निवासी दिव्यांग लुकमान पुत्र अहमद अली बुधवार को कोतवाली बिंदकी पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर शिकायत किया। बताया कि गांव के शौकत अली ने पड़ोसी गांव प्रतापपुर में जमीन दिलाने के लिए कहा था। जमीन 8 लाख रुपये में तय हुई थी जिसका आधा रुपया 4 लाख रुपये बैनामा के पहले दे दिया गया था लेकिन बाद में शौकत अली ने जमीन देने से इनकार कर दिया जब रुपया वापस मांगा गया तो 400000 रुपये की एक चेक दिया जो बाउंस हो गई। शौकत अली के खाते में पैसा ही नहीं था अब शौकत अली से पैसा वापस मांगा जा रहा है तो अप शब्दों का इस्तेमाल करता है।

क्विक न्यूज

आबकारी टीम के साथ मारपीट, दो सिपाही घायल

फर्रुखाबाद। अबैध रूप से निकाली जा रही ताड़ी पकड़ने गयी आबकारी टीम पर पथराव के साथ ही मारपीट कर दी गयी। पथराव में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। मौके से दो आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस नें तहरीर के आधार पर चार नामजद व 9-10 अज्ञात के खिलाफमुकदमा दर्ज कराया। आबकारी निरीक्षक सचिन त्रिपाठी क्षेत्र तीन ने दर्ज करायी गयी एफआईआर में कहा कि वह ग्राम भूलनपुर चिरपुरा से 500 मीटर दूर पंहुचे, जहाँ ताड़ी के वृक्ष खड़े थे। उनके साथ टीम में आबकारी निरीक्षक गौरव सिंह क्षेत्र एक, आबकारी निरीक्षक राजेश कुमार चौबे क्षेत्र दो, प्रधान आबकारी आरक्षी रनवीर सिंह, श्याम वरन सिंह,आबकारी सिपाही विपिन कुमार, महिला सिपाही नीतू, सुनीता व भोजपुर चौकी प्रभारी हाकिम सिंह गये थे। टीम द्वारा लाये गये कारीगर मासूम पुत्र मैकू निवासी खेमरैंगाई द्वारा ताड़ी के वृक्षों में लगे हत्थे कटाने शुरू किए। उसी दौरान अबैध ताड़ी का कार्य करने वाले सुखपाल व देवेन्द उर्फदेव सिंह पुत्र इंद्रपाल,सुनील पुत्र रामबाबू, प्रभु दयाल पुत्र रामचन्द्र निवासी भूलनपुर चिरपुरा के साथ ही 9-10 अज्ञात लोगों नें टीम पर पथराव शुरू कर दिया। आबकारी निरीक्षक सचिन त्रिपाठी के अनुसार पथराव में उनका एक वाहन क्षतिग्रस्त हुआ, जबकि हाथापाई और मारपीट भी की। जिससे सिपाही विपिन कुमार व रामवीर सिंह घायल हो गये।

नीलगाय से कार टकराने पर आठ घायल, दो झांसी रेफर

राठ, हमीरपुर। क्षेत्र के धनौरी गांव के पास सड़क पर अचानक नीलगाय आ जाने से कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में सवार बच्चों सहित आठ लोग घायल हो गए। मुस्करा निवासी अंशिका पुत्री वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को जनपद छतरपुर मप्र के लवकुश नगर निवासी मौसा कुंजबिहारी व मौसी संगीता बच्चों के साथ मुस्करा आए थे। बुधवार की दोपहर वह अपने छोटे भाई 11 वर्षीय अंश गुप्ता के साथ गर्मियों की छुट्टी पर मौसा के साथ चार पहिया कार से लवकुश नगर जा रहे थे। बताया कि तभी धनौरी गांव के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के पास सड़क पर अचानक नीलगाय आ गई। जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराई। इसके बाद पलट गई। इस हादसे में वह व उसका भाई अंश, लवकुश नगर निवासी मौसा कुंजबिहारी, मौसी संगीता, पारस पुत्र कुंजबिहारी, काव्या, पुष्पा पत्नी परशुराम, 20 वर्षीय देवेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए। अंशिका ने बताया कि कार मौसा कुंजबिहारी चला रहे थे। घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉ अखिलेश सिंह ने बताया कि संगीता व पुष्पा की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है।

सीएनजी गैस पंप दिलाने के नाम पर 9 लाख की ठगी

बिंदकी, फतेहपुर। एक विज्ञापन के जरिए सीएनजी गैस पंप की जानकारी मिली तो पीड़ित ने दिए गए मोबाइल नंबर से जानकारी लेना शुरू किया जिसके आधार पर सीएनजी गैस पंप लेने के लिए पीड़ित ने 9 लाख रुपये जमा कर दिए। कुछ दिन बाद वह सभी नंबर बंद मिले पीड़ित ने काफी प्रयास किया लेकिन किसी से बात नहीं होने पाई। बाद में पता चला कि वह नंबर सब फ्रॉड थे और पीड़ित साइबर अपराध का शिकार हो गया है। इसी के चलते पीड़ित ने पुलिस से शिकायत किया। बुधवार को नगर के मोहल्ला बजाज गली निवासी प्रकाश गुप्ता पुत्र सत्य नारायण गुप्ता ने कोतवाली बिंदकी पहुंचकर पुलिस को एक तहरीर दिया। बताया कि सीएनजी गैस पंप लेने के लिए एक विज्ञापन निकाला था जिसके आधार पर उसने दिए गए नंबर से बातचीत शुरू कर दिया जिसके चलते धीरे-धीरे उससे कुल 9 लख रुपए ले लिए गए। कुछ दिन बाद वह सभी नंबर स्विच ऑफ हो गए। काफी प्रयास करने के बाद भी कुंड लोगों से कोई बातचीत नहीं होने पाई, इसके बाद प्रयास करके पता लगाया गया तो पता चला कि वह नंबर फ्रॉड थे और वह साइबर क्राइम का शिकार हो गया है। इसी के चलते पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पूरे मामले की छान बीन शुरू कर दिया है।

विद्युत मेंटीनेंस करने से मात्र पंद्रह घंटे आपूर्त होती है विजली

मौदहा, हमीरपुर। विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य होने से पेड़ों की डालें काटी जारही हैं। जिससे क्षेत्र में बमुश्किल पंद्रह घंटे विजली की आपूर्ति हो पा रही है। जिससे लोग गर्मी से बेहद परेशान है।जो भीषण गर्मी में लोगों के लिए आफत हो गई है और लोग बिन बिजली के घरों से निकल कर इधर उधर गर्मी से बचाव करते नज़र आ रहे है। अवर अभियंता राजू प्रसाद ने बताया कि फिलहाल नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए मेंटिनेंस का कार्य कराया जा रहा है ताकि भविष्य में बार बार होने वाले फाल्ट के कारण विद्युत आपूर्ति प्रभावित न हो जिसके लिए विद्युत एक साथ प्रभावित न हो इसलिए वह अलग अलग फीडरों पर कार्य करा रहे है।अवर अभियंता ने समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

कानपुर देहात में लागू धारा 144 का हुआ विस्तार

कानपुर देहात। वर्तमान में लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 की अधिसूचना के अनुसार जनपद में आदर्श आचार संहिता मतगणना की तिथि तक प्रभावी है। जनपद में लोक व्यवस्थाध्शान्ति व्यवस्था एवं जनजीवन को सामान्य बनाये रखना अतिआवश्यक है। जिसके दृष्टिगत अपर जिला मजिस्ट्रेट ;प्रशासनद्धए कानपुर देहात अमित कुमार द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा.144 में विहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए लोक व्यवस्थाध्शान्ति व्यवस्थाध्जन सुरक्षा एवं जनजीवन को सामान्य बनाये रखने की दृष्टि से जनपद की सम्पूर्ण सीमा में इसके अन्तर्गत पड़ने वाले समस्त नगरीय एवं धानीण क्षेत्र हेतु निम्नलिखित निषेधाज्ञाए पारित करता है। जनपद कानपुर देहात में किसी भी व्यक्ति/संस्था/संगठन द्वारा किसी कार्यक्रम/माध्यम से साम्प्रदायिक सद्भाव व सामाजिक सौमनस्य को बिगाड़ने का प्रयास नहीं किया जायेगा। जनपद में कोई भी ड्रोन कैमरा का प्रयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त किये बिना नहीं करेगाए किन्तु सुखा एजेन्सिया इससे मुक्त रहेंगी। किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई भी व्यक्ति ऐसे व्यक्तियों के समूह के साथ सम्मलित नहीं होगा, जिसका उद्देश्य किसी विधि विरुद्ध गतिविधि में भाग लेना हो।

जिले की सहायक नदियों में पानी नहीं, सूख रही फसल

फतेहपुर। भीषण गर्मी की तपिश के बीच पानी का संकट भी गहराने लगा है। दोआबा में बहने वाली सहायक नदियों में पानी की जगह धूल उड़ने लगी है। जिससे इन क्षेत्रों के किसानों को जायद की फसलों की सिंचाई करने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। साथ ही पशुओं को पानी पिलाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। जिले में गंगा एवं यमुना जैसी बड़ी नदियों के अलावा, रिंद नदी, पांडु नदी, ससुर खरेदी नदी समेत अन्य नदियां बहती हैं। जिनसे जुड़े दर्जनों गांवों की पानी की जरुरत पूरी होती रहती है। भीषण गर्मी में गंगा-यमुना नदी खुद प्यासी नजर आने लगी हैं। वहीं सहायक नदियों में तो पानी की जगह धूल उड़ने लगी है। जिससे नदियों के किनारे बसे गांवों के लोगों की जायद की फसल सूखने लगी हैं। जिले के जाफरगंज, देवमई, खखरेरु समेत अन्य किसानों का कहना है कि नदी के पानी के भरोसे ही फसलों को तैयार किया जाता है, अब सिंचाई के लिए पानी नहीं होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने खाद की बोरी चुराने वाले को रंगे हाथों पकड़ा

निघासन खीरी। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम विरजापुरवा में खाद की बोरी चुराने वाले एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने मौके पर दबोच लिया जबकि दूसरा चोर मौके का फायदा उठाकर रफूचक्कर हो गया। प्रभारी निरीक्षक एसके मिश्र ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पकड़ में आए चोर को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है जबकि दूसरे अभियुक्त को पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार आज (कल) वादी अनमोल पांडेय उर्फशिवा निवासी ग्राम विरजा पुरवा मजरा लुधौरी के घर की बाउंड्री के अंदर भारत एनपीके इफ्को खाद की बोरियां रखी थीं।

रेवेन्यू बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा

संवाददाता। कायमगंज, फर्रुखाबाद

तहसील कायमगंज रेवेन्यू बार एसोशिएशन की एक आकस्मिक वैठक तहसील में बढ़ रहे भ्रष्टाचार व अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में हुई। जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि बढ़ रही समस्याओं के सम्बन्ध में समाधान कराये जाने हेतु उच्चाधिकारियों को सूचना देते हुए वार्ता की जाये तथा समस्याओं को समाप्त कराये जाने हेतु समुचित प्रयास किया जाये। इसके बाद सीएम के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंप कर बताई समस्याएं। ज्ञापन में कहा कि रियल टाइम खतौनी में क्षेत्रीय लेखपाल के द्वारा अंशो का सही निधारण न करना। खतौनी में मृतक व्यक्तियों के नाम दर्ज चले आ रहे है उनका वारिस न होने पर उनकी विरासत उत्तर जीविता के अंतर्गत करने के सम्बन्ध में दृ खतौनी में दर्ज आदेशो का निफाज न होना असंक्रमणीय भूमिधर को भूमिधर न करने दृ एकल खिड़की के कार्यों का अनुपालन समय सीमा से न होना। वटवारे की फाइलों में समय से कुर्रे दाखिल न होना।

राजस्व निरीक्षको कें द्वारा धारा 24 मेडबन्दी की लगभग 1000 फाइलो को बिना पैमाइश के खारिज कर देना। और जिन फाईलो में आदेश हो चुका है उनकी कम्पलांइस न होना। धारा 80 के पत्रावलियों को बिना कार्यवाही के खारिज कर देना । धारा 38 (2) की फाइलो में रिपोर्ट समय से न लगना। मुकद्‌मों की केस डायरी न बनना , रेवन्यू कोर्ट मेनुअल से कोर्ट से कार्यवाही न करना । पत्रावलियो में बहस के बाद 14 दिन में वाद का आदेश न होना । अवर न्यायालयों की पत्रावलियो में दायर के बाद अवर न्यायालयो के द्वारा आदेश कर देने, नावालिग बच्चो के संरक्षक के द्वारा विक्रय करने पर उसका दाखिल खारिज न करने दृ शर्तिया बैनामें की औपचरित्तायें पूर्ण होने के बाद दाखिल खारिज न करना । तहसील कायमगंज में एक ही पटल पर 5 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों का स्थान्तरण न होना । तहसील में कार्यरत पीठासीन अधिकारी व पेशकार के द्वारा अधिवक्ताओं का सम्मान न करना । फौजदारी अहलमद द्वारा किसी भी मुकदमे को नेट पर दर्ज नहीं किया जाता है तथा 151, 107, 116 में मन चाहे रूपये न मिलने पर जेल भेज दिया जाता है। 6 फरवरी को एक ज्ञापन डीएम को सम्बोधित एसडीएम कायमगंज को दिया गया था जिस पर आज तक सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई है। क्षेत्रीय लेखपालों के द्वारा विरासत के आवेदन इस कारण निरस्त किये जा रहे है। कि मृतक खातेदार का नाम खतौनी में नहीं है। जबकि मृतक का नाम खतौनी में नहीं होगा तो विरासत ऑनलाईन नहीं होगी।

मां की दवा खाने पर किशोर की मौत

राठ, हमीरपुर। जलालपुर थाने के बरखेड़ा गांव में बुधवार शुबह एक किशोर ने खेलने के दौरान अपनी मां की बीमारी की रखी दबाइयाँ खा ली। जिससे वह बेहोश हो गया। जब बाबा की नजर नाती पर पड़ी तो वह उसे सीएचसी ले गए। अस्पताल पहुंचने से पहले किशोर ने दम तोड़ दिया। बरखेड़ा गांव निवासी बाबादीन ने बताया कि वह मेहनत मजदूरी करता है। पत्नी ऊषा बीमार रहती है। जिसका इलाज चल रहा है। बताया कि वह बुधवार के दिन काम में गया था। पत्नी घर के बाहर बैठी थी। तभी उसके एकलौता पुत्र 9 वर्षीय भरत कुमार ने सुबह आठ बजे अलवारी में रखी दबाइयां उठाकर खा ली। जिससे वह बेहोश हो गया। थोड़ी देर उसे बेहोशी हालात में पड़ा देखा। पास में टेबलेट का पत्ता पड़ा था। जिसमे दो से तीन गोलियां गायब थी। नाती की हालत बिगड़ी देख वह उसे पास के गांव बंगरा अस्पताल में ले गए। जहां से हमीरपुर आते आते भरत की मौत हो चुकी थी।

शिक्षाधिकार अधिनियम की आड़ में पैसे वसूल रहे स्कूल

फतेहपुर। नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) 2009 के तहत अलाभित एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा एक या फिर पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश दिलाने के तीन चरण पूरे हो गए हैं। जिसमें पहले चरण में 303 और दूसरे चरण में 181 समेत कुल 483 समेत तीसरे चरण में 91 को स्कूल आवंटित कर दिया गया है। आवेदन का चौथा चरण अब शुरू होगा। नि:शुल्क होने के बाद भी कई स्कूल संचालक बहाने बनाकर बच्चों के अभिभावकों से रुपये वसूल रहे हैं।

आरटीई के तहत गरीब बच्चों को भी निजी स्कूलों में पढ़ाई कराने के गरज से शासन छात्र-छात्राओं का इन विद्यालयों में निशुल्क प्रवेश दिलाती है। जिनकी फीस शासन अदा करती है। बावजूद इसके शहर क्षेत्र के ऐसे कई विद्यालय आरटीई के बच्चों से कभी परीक्षा फीस के नाम पर तो कभी टाई-बेल्ट के नाम पर रकम वसूल रहे हैं। यूं कहें कि शासन द्वारा इन बच्चों की फीस अदा करने के बाद भी स्कूल बच्चों की पढ़ाई पर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार के तहत प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराती है। नए शिक्षा सत्र में प्रवेश के लिए तीन चरण पूरे हो चुके हैं। जिसमें लाटरी के माध्यम से बच्चों को स्कूल आवंटन किया जाता है। तीन चरणों में अभी तक 575 बच्चों को स्कूल आवंटित हुए हैं।

योजना के तहत मिला पांच हजार रूपए: आरटीआई योजना के तहत बच्चों के अभिभावकों को शासन की ओर से पांच हजार रूपए कापी, किताब व यूनीफार्म के लिए देने की व्यवस्था की गई है। बीते वर्ष को छोड़कर तीन वर्षों से अभिभावकों को इसका लाभ नहीं मिल सका है। जिससे अभिभावकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जबकि विद्यालयों को शासन की ओर से भुगतान किया जा चुका है।

भारत विकास परिषद पधाधिकारियों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

संवाददाता। गुरसहायगंज, कन्नौज

भारत विकास परिषद पांचाल प्रांत की नगर शाखा का दायित्व ग्रहण समारोह स्थानीय दीक्षित नेत्र चिकित्सालय में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता, विशिष्ट अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष रमेश चन्द्र शुक्ला एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रमेश मेहरोत्रा ने पदाधिकारियों को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित दायित्व धारियों में शाखा अध्यक्ष अतुल गुप्ता, शाखा सचिव अजीत मिश्रा एवं शाखा वित्त सचिव अमित गुप्ता एवं महिला संयोजिका को उनके दायित्व की शपथ दिलाने के उपरांत मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद की नगर शाखा द्वारा समाज के गरीबों, मजलूमों एवं असहायो की लगातार मदद की जा रही है। पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता नें कहा कि समाजसेवा में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद का हम सभी को सहयोग करना चाहिए। इस मौके पर शाखा के वरिष्ठ सदस्य प्रांतीय उपाध्यक्ष सुधीर दीक्षित, प्रांतीय संयोजक ललित मोहन सिंह सहित काफी संख्या में सदस्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रमेश मेहरोत्रा ने सीबीएसई हाई स्कूल परीक्षा में सर्वोच्च अंक हासिल करने पर शांभवी दीक्षित पुत्री डा. सुधीर दीक्षित जिन्होंने 96.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर नगर एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया।

उनको रमेश मेंहरोत्रा ने मैडल मोमेंटो एवं अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ गुप्ता ने किया। इस मौके पर राकेश वर्मा, डॉ राकेश कटियार, संजीव गुप्ता उर्फ संजू, सुशील गुप्ता, राजेश गुप्ता, अजीत गुप्ता, केशव, सुमित, उषा दुबे, पीडी विश्वकर्मा, राजीव ठाकुर, अमन कठेरिया, कमलेश वर्मा, अनुराग गुप्ता सहित डा. प्राची दीक्षित, अपर्णा गुप्ता, सुनीता मिश्रा, सुधा गुप्ता सहित काफी संख्या में सदस्य एवं महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

धोखाधड़ी के मामले में बर्खास्त प्रधानाचार्या पर मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। न्यायालय के आदेश पर पुलिस नें बर्खास्त प्रधानाचार्य के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज बना कालेज को फर्जी नियुक्ति पत्र देने में मुकदमा दर्ज किया गया है। स्वामी रामानन्द बालिका इण्टर कालेज रेलवे रोड के प्रबन्धक विनीत अग्निहोत्री ने प्रीती चतुर्वेदी निवासी अवस्थी स्पोर्ट्स लोहाई रोड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज करायी गयी एफआईआर के अनुसार प्रीती चतुर्वेदी साल 2016 से विद्यालय की कार्यवाहक प्रधानाचार्य थीं। वह लगातार वित्तीय अनिमियतताये शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से अशिष्ट व्यवहार करती चली आ रही थीं और उन पर अनुशासनहीनता के भी काफी आरोप जब सामने आये तो 21 अप्रैल 2022 को प्रबन्ध समिति द्वारा लिये गये निर्णय के क्रम में उनको अनुशासनहीनता के आरोपों के कारण निलम्बित कर दिया गया और पत्रावली अनुमोदन के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में भेजी दी गयी। जिलाविद्यालय निरीक्षक द्वारा बर्खास्त प्रधानाचार्य प्रीती चतुर्वेदी के लगाये गये आरोपों को सही पाते हुए उनके निलंबन का अनुमोदन किया गया। जिसके बाद निलंबित प्रधानाचार्य को आरोप पत्र प्रेषित किया गया। उनके द्वारा दिये गये जबावों में कोई बल न होने के कारण जांच समिति द्वारा जांचोपरान्त उन पर लगे आरोपों की पुष्टि की गयी। प्रबन्ध समिति द्वारा दी गयी रिपोर्ट के आधार पर प्रीती चतुर्वेदी की सेवा समाप्त करने का निर्णय प्रबन्ध समिति द्वारा सर्व सम्मत्ति से लिया गया और उनकी सेवा समाप्ति के अनुमोदन हेतु पत्रावली उत्तर प्रदेश माध्यमिक सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज को भेज दी गयी। सचिव उत्तर प्रदेश मध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज द्वारा दोनों पक्षों को समक्ष बुलाकर अपना अपना पक्ष रखने का मौका देने के उपरान्त सुनवाई पूर्ण करके निर्णय सुरक्षित रख लिया। दिनांक 10 अगस्त 2023 को सचिव उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र विद्यालय में प्राप्त हुआ।

एक ही दिन में हो जाता है स्पष्टीकरण, वेतन बहाली और आहरण का आदेश

हमीरपुर। सुनकर आश्चर्य होगा कि सुमेरपुर ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय धनपुरा दो दो शिक्षिकाओं का बेतन रोकने के बाद स्प्ष्टीकरण देने के उसी दिन बेतन बहाल कर आहरित करने के आदेश कर दिये गये है। जब कि मानव संपदा पर कोई जिक्र नही है। जानकारी के मुताबिक विद्यालय में दस मई को प्रेरणा एप के माध्यम से निरीक्षण किया गया जिसमे दो शिक्षिकाएं प्रगति व किरन अनुपस्थित पायी गयी। जिसमे इस दिन के बेतन अवरुद्ध करने के आदेश के साथ साथ जवाब तलब किया गया था। स्पष्टीकरण में शिक्षिकाओं ने तवियत खराब होना बताया है जब कि इसके लिये मानव संपदा पोर्टल पर जिक्र होना चाहिये। नियमानुसार सीएल भी स्वीकृत होना चाहिये। शिक्षिकाओं ने 17 मई को अपना स्पष्टीकरण दिया उसी दिन खंड शिक्षा अधिकारी ने बेतन बहाल करने के साथ साथ बेतन आहरित करने के आदेश कर दिये थे। उसी दिन बीएसए आलोक सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर बेतन आहरित करने के आदेश किये हैं।

कोर्ट ने बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी दर्जा रद्द किया

अब तक के लाभार्थी प्रभावित नहीं होंगे

भाषा। कोलकाता

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी (अन्य पिछड़े वर्ग) दर्जा रद्द कर दिया और राज्य की नौकरियों में रिक्तियों के लिए 2012 के एक अधिनियम के तहत इस तरह के आरक्षण को अवैध पाया। विभिन्न वर्गों को यह दर्जा 2010 में दिया गया था। अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आदेश पारित करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जिन वर्गों का ओबीसी दर्जा हटाया गया है, उसके सदस्य यदि पहले से ही सेवा में हैं या आरक्षण का लाभ ले चुके हैं या राज्य की किसी चयन प्रक्रिया में सफल हो चुके हैं, तो उनकी सेवाएं इस फैसले से प्रभावित नहीं होंगी।

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि 2010 के बाद पश्चिम बंगाल में ओबीसी के तहत सूचीबद्ध लोगों की संख्या पांच लाख से ऊपर होने का अनुमान है। अदालत ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) कानून, 2012 के तहत ओबीसी के तौर पर आरक्षण का लाभ

प्राप्त करने वाले कई वर्गों को संबंधित सूची से हटा दिया। पीठ ने निर्देश दिया कि पांच मार्च, 2010 से 11 मई, 2012 तक 42 वर्गों को ओबीसी के रूप में वर्गीकृत करने वाले राज्य के कार्यकारी आदेशों को भी रद्द कर दिया गया। पीठ के अनुसार निर्देश भावी प्रभाव से लागू होंगे। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि 2010 से पहले ओबीसी के 66 वर्गों को वर्गीकृत करने वाले राज्य सरकार के कार्यकारी आदेशों में हस्तक्षेप नहीं किया गया, क्योंकि इन्हें याचिकाओं में चुनौती नहीं दी गई थी। आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना के जरिए राज्य सरकार द्वारा ओबीसी आरक्षण के लिए विभिन्न वर्गों को शामिल करने की अनुमति देने वाले 2012 अधिनियम के एक खंड को भी रद्द कर गया। पीठ ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग की राय और सलाह आमतौर पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम, 1993 के तहत राज्य विधानमंडल के लिए बाध्यकारी है। पीठ ने राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को आयोग के परामर्श से ओबीसी की राज्य सूची में नए वर्गों को शामिल करने या शेष वर्गों को बाहर करने की सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट विधायिका के समक्ष रखने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मंथा द्वारा लिखे गए फैसले से सहमति जताते हुए न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने कहा, सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता की अवधारणा किसी व्यक्ति से संबंधित है, चाहे वह व्यक्ति सामान्य वर्ग से हो या पिछड़े वर्ग से। उन्होंने कहा, आरक्षण से संबंधित मानदंडों के उचित पालन में बड़े पैमाने पर समाज की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि कानून के शासन का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए और अधिकारियों के हाथों इसका उल्लंघन नहीं होने दिया जा सकता। पीठ ने आदेश पर रोक लगाने की राज्य के अनुरोध को खारिज कर दिया।

अदालत का आदेश स्वीकार्य नहीं : ममता

खड़दह (प.बंगाल)पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि वह राज्य में कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दर्जे को रद्द करने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करेंगी। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। दमदम लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले खड़दह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में ओबीसी आरक्षण जारी रहेगा क्योंकि इससे संबंधित विधेयक संविधान की रूपरेखा के भीतर पारित किया गया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लाया गया ओबीसी आरक्षण जारी रहेगा। हमने घर-घर सर्वेक्षण करने के बाद विधेयक बनाया था और उसे मंत्रिमंडल तथा विधानसभा ने पारित किया था। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा, यदि जरूरत पड़ी, तो हम (इस आदेश के खिलाफ) ऊपरी अदालत जाएंगे। भाजपा को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले इश्तहारों का प्रकाशन करने से रोकने वाले उच्च न्यायालय के 20 मई के आदेश का जिक्र करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि ऐसे विज्ञापन अब भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के खिलाफ 1000 करोड़ रुपए की

मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगी।तृणमूल प्रमुख ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर ओबीसी आरक्षण को रोकने की साजिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ लोग ओबीसी के हितों पर कुठाराघात करने के लिए अदालत गए हैं और उन्होंने याचिकाएं दायर की हैं एवं तब यह घटनाक्रम सामने आया है। भाजपा इतना दुस्साहस कैसे दिखा सकती है? कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में कई वर्गों को दिया ओबीसी का दर्जा रद्द करते हुए कहा कि राज्य में सेवाओं और पदों में रिक्तियों में 2012 के एक अधिनियम के तहत ऐसा आरक्षण गैरकानूनी है। बनर्जी ने कहा कि संदेशखालि में अपनी साजिश विफल हो जाने के बाद भाजपा अब नई साजिशें रच रही है।उन्होंने कहा, वोट की राजनीति की खातिर , पांच साल सत्ता में बने रहने के लिए आप (भाजपा वाले) ए सब चीजें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तब हुआ है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरोप लगाया है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के बाद यदि सत्ता में आया तो वह अनुसूचित जाति (एससी)।जनजाति (एसटी) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों का आरक्षण रद्द कर देगा। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा, एससी, एसटी और ओबीसी को संविधान के मुताबिक अधिकार मिलते हैं। अल्पसंख्यकों के भी अपने अधिकार हैं। क्या कोई कह सकता हे कि वह हिंदुओं के फायदे के लिए ही कानून बनाएगा तथा मुसलमानों एवं अन्य समुदायों को छोड़ देगा। उन्होंने भाजपा पर सदैव जाति, आरक्षण एवं धर्म की राजनीति करने तथा लोगों को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अपनी उपलब्धियों के बारे में झूठ फैलाने तथा मेरे एवं मेरी परियोजनाओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने को लेकर मैं (भाजपा के खिलाफ) 1000 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा दर्ज कराऊंगी। मैंने अपने पूरे राजनीतिक करियर में एक भी पैसा नहीं लिया था। और मैं पूरी धनराशि लोगों में बांट दूंगी।

सीबीआई ने निरीक्षक राहुल राज को सेवा से बर्खास्त किया

मप्र नर्सिंग कॉलेज रिश्वत मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मध्य प्रदेश नर्सिंग कॉलेज के अध्यक्ष से दस लाख रुपए की रिश्वत कथित तौर पर लेते हुए गिरफ्तार किए गए अपने निरीक्षक राहुल राज को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के प्रति कतई सहन नहीं करने की अपनी नीति के अनुरूप एजेंसी ने संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत राज को बर्खास्त कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि राज को रविवार को मलय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के अध्यक्ष अनिल भास्करन और उनकी पत्नी सुमा अनिल से कथित तौर पर 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। दंपती को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।सीबीआई ने अपने पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रसाद को भी मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। मामले की प्राथमिकी में उनका नाम भी शामिल है। सुशील कुमार मजोका और ऋषि कांत असाठे, दोनों मध्य प्रदेश पुलिस से सीबीआई के साथ संबद्ध हैं और उन्हें जल्द ही राज्य पुलिस में वापस भेज दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि मध्य प्रदेश में नर्सिंग महाविद्यालयों को रिश्वत के बदले अनुकूल निरीक्षण रिपोर्ट देने के आरोप में राज समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्वाई तब शुरू की गई, जब सीबीआई की आंतरिक सतर्कता इकाई से जानकारी मिली कि उसके अधिकारी मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर राज्यव्यापी निरीक्षण करने के लिए गठित टीमों में हो रहे कथित भ्रष्टाचार में शामिल हैं। अदालत के आदेश पर टीम इसलिए बनाई गई थीं ताकि पता लगाया जा सके कि नर्सिंग महाविद्यालय बुनियादी सुविधाओं और संकाय के संबंध में तय मानदंड एवं मानकों का अनुपालन कर रहे हैं या नहीं। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में बताया था कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत सीबीआई ने सात कोर टीम और तीन से चार सहायता टीम का गठन किया था, जिसमें एजेंसी के अधिकारी, राज्य में नर्सिंग महाविद्यालयों द्वारा नामित अधिकारी और पटवारी शामिल थे। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा, सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया मामला भ्रष्टाचार के प्रति उसकी कतई सहन नहीं करने (जीरो टॉलरेंस) की नीति को मजबूती प्रदान करता है और यह दिखाता है कि संगठन के मूल मूल्यों से भटकने पर सीबीआई अपने अधिकारियों को भी नहीं बख्शती है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेज घोटाला मामले की सीबीआई जांच से पता चला है कि उसके अधिकारी निरीक्षण के बाद अनुकूल रिपोर्ट देने के लिए प्रत्एक संस्थान से दो से 10 लाख रुपए कथित तौर पर एकत्र कर रहे थे।

दारोगा और साथी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा

पुलिस पिटाई से युवक की मौत का मामला

देवरिया। (भाषा) देवरिया जिले के बरहज क्षेत्र स्थित सतराव चौकी में तैनात एक दारोगा तथा साथी पुलिसकर्मियों की कथित पिटाई से एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पहुंचकर आरोपी दारोगा की मोटरसाइकिल में आग लगा दी।

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पुलिस की पिटाई से युवक की मौत की घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतक के परिजन को कम से कम पांच करोड़ रुपए की सहायता दिए जाने की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने मंगलवार रात को बताया कि सतराव पुलिस चौकी पर तैनात दारोगा वीरेंद्र कुशवाहा और कुछ साथी पुलिसकर्मियों द्वारा सतराव गांव निवासी दद्दन यादव (32) की सोमवार को कथित रूप से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है।

उन्होंने बताया कि परिजनों का आरोप है कि पिटाई से दद्दन यादव की हालत नाजुक हो गई। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे स्थानीय स्वास्थ केंद्र ले जाया गया जहां से नाजुक हालत को देखते हुए उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने सतराव पुलिस चौकी पहुंचकर वहां खड़ी दारोगा वीरेंद्र कुशवाहा की मोटरसाइकिल में आग लगा दी। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक दारोगा कुशवाहा का दद्दन से कोई पूर्व विवाद था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिजन की तहरीर पर दारोगा वीरेंद्र कुशवाहा और अज्ञात साथी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मंगलवार देर रात हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। फरार कुशवाहा की तलाश की जा रही है।

इस बीच, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए मृतक के परिजन को कम से कम पांच करोड़ रुपए की सहायता दिए जाने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, भाजपा के राज में पुलिस प्रशासन के अंदर कुछ भ्रष्ट लोगों को ऐसा लगने लगा है कि वो कुछ भी अवैधानिक करेंगे तो उनके भाजपाई आका उनको बचा लेंगे। चुनावों में जनता इस ग़लतफ़हमी को दूर कर रही है। सरेआम अत्याचार, जनता से जानलेवा मारपीट, हिरासत में मौत, झूठे एन्काउंटर, बढ़ती वसूली जैसे मुद्दों ने भाजपा के काल में पुलिस को बेलगाम बना दिया है। उन्होंने इसी पोस्ट में आगे कहा, देवरिया की दोषी पुलिस के ख़िलाफ़ हत्या का मामला दर्ज हो और मृतक के परिवार को कम-से-कम पांच करोड़ रुपए का मुआवज़ा दिया जाए।

आलमगीर मामले में ईडी ने आईएएस को तलब किया

रांची। (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए झारखंड-कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनीष रंजन को समन भेजा है। जांच एजेंसी ने हाल में इस मामले में प्रदेश सरकार के मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। रंजन ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व सचिव हैं। सूत्रों ने कहा कि वह वर्तमान में भूमि, सड़क और भवन विभाग के सचिव हैं और उन्हें 24 मई को यहां संघीय एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह समन ईडी की जांच से जुड़ा है जिसमें कांग्रेस नेता और राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव संजीव कुमार लाल और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम को इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने उस स्थान से 32 करोड़ रुपए से अधिक बरामद करने का दावा किया था जहां जहांगीर आलम रहता था। यह जांच राज्य ग्रामीण विकास विभाग में काम करने वाले ठेकेदारों के अधिकारियों और अन्य लोगों के बीच कथित अनियमितताओं और रिश्वत के आदान-प्रदान से संबंधित है।

न्यायालय ने पीएफआई के आठ सदस्यों की जमानत कर दी रद

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गैर-कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के आठ कथित सदस्यों को जमानत दी गई थी। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने उच्च न्यायालय से पिछले साल 19 अक्टूबर को जमानत पाए आरोपियों को तत्काल आत्मसमर्पण करने और जेल जाने का निर्देश दिया। पीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा, उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द किया जाता है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और आतंकवाद से जुड़ा कोई भी कृत्य निषिद्ध किए जाने योग्य है। पीठ ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दाखिल याचिका पर यह फैसला सुनाया। एनआईए ने मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा आरोपियों को दी गई जमानत को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। आठ आरोपियों- बरकतुल्लाह, इरदिस, मोहम्मद अबुताहिर, खालिद मोहम्मद, सईद इशाक, ख्वाजा मोहदीन, यासर अराफात और फयाज अहमद को सितंबर 2022 में गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल 20 अक्टूबर को, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली एनआईए की याचिका पर सुनवाई तब टाल दी थी जब आतंकवाद विरोधी एजेंसी की ओर से पेश वकील रजत नायर ने इसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। एनआईए ने अपनी याचिका में दावा किया कि पीएफआई एक कट्टरपंथी इस्लामी संगठन है और इसकी स्थापना भारत में मुस्लिम शासन स्थापित करने और देश का शासन केवल शरिया कानून के तहत चलाने के खतरनाक लक्ष्य की पूर्ति के लिए की गई है। पीएफआई ने अपने मुखौटा संगठनों के जरिए तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के पुरासाइवक्कम में मुख्यालय की स्थापना की थी और विभिन्न जिलों में कार्यालय खोले थे। पूरे तमिलनाडु में इस्लामिक विचारधारा का प्रचार-प्रसार करने पर पीएफआई के कथित पदाधिकारियों, सदस्यों और काडर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

न्यायाधीश शील नागू मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

जबलपुर। (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को न्यायमूर्ति शील नागू को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश रवि कुमार मलिमथ 24 मई को सेवानिवृत्त होंगे। अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि न्यायमूर्ति नागू 25 मई से कार्यभार संभालेंगे। न्यायमूर्ति मलिमथ 14 अक्टूबर 2021 से मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। एक जनवरी 1965 को जन्मे न्यायमूर्ति नागू को मई 2011 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और 23 मई 2013 को वह स्थाई न्यायाधीश बने थे।

बांग्लादेश के सांसद की हत्या की हुई पुष्टि

कोलकाता, ढाका। बांग्लादेश सरकार द्वारा आवामी लीग के सांसद मोहम्मद अनवारुल अजीम अनवर की निर्ममता से हत्या किए जाने की घोषणा के कुछ घंटों बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा कि पड़ोसी देश के सांसद की हत्या की जांच राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई है। अनवर 13 मई से कोलकाता से लापता थे।सीआईडी के महानिरीक्षक (आईजी) अखिलेश चतुर्वेदी ने कहा कि पुलिस के पास पुख्ता जानकारी है कि अनवर की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि बंगाल पुलिस फिलहाल बांग्लादेशी सांसद का शव बरामद नहीं कर सकी है। चतुर्वेदी ने कहा, हमें बांग्लादेशी सांसद के शहर (कोलकाता) पहुंचने की जानकारी नहीं थी। हमें कोलकाता में उनकी मौजूदगी के बारे में तब पता चला जब सांसद के परिचित गोपाल बिस्वास ने 18 मई को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय ने राजनेता का पता लगाने के लिए विशेष जांच दल का गठन किया। चतुर्वेदी ने कहा, हम जांच कर ही रहे थे कि 20 मई को हमें विदेश मंत्रालय से सूचना प्राप्त हुई और आज (बुधवार) हमें एक जानकारी मिली, जिससे यह संदेह हो रहा है कि सांसद की हत्या की गई हो सकती है। अनधिकृत स्रोतों ने बताया कि पुलिस मृतक के शव को ठिकाने लगाने के संभावित पहलू की भी जांच कर रही है।

प्रज्वल यौन शोषण मामलों से निपटने में सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई: परमेश्वर

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि हसन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित यौन शोषण से संबंधित मामलों से निपटने में राज्य सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है और विशेष जांच दल सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। परमेश्वर ने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने के विपक्षी दलों के आरोपों को भी खारिज कर दिया और राज्य पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने (पुलिस ने) अच्छा काम किया है।

परमेश्वर ने कहा, एसआईटी इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और वे पूरी तरह सक्षम हैं। जैसे ही हमें इस मामले के बारे में पता चला हमने सबसे पहले इसे अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया और फिर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया। सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई। अगर कर्नाटक में खुफिया तंत्र विफल रहा तो केंद्रीय खुफिया तंत्र भी विफल रहा, क्योंकि उसने उन्हें (प्रज्वल को) देश से बाहर जाने दिया। उन्होंने पीटीआई वीडियो से बातचीत के दौरान कहा कि एक अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है जिसके बाद राज्य सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर उसका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, यह बहुत संवेदनशील मामला है और आप लोगों को प्रज्वल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। हमें बहुत सारी रिपोर्ट मिल रही हैं, हसन में लोग अपने घरों से भाग रहे हैं, बहुत सी महिलाएं अपने घरों में कठिनाइयों से गुजर रही हैं। कथित तौर पर वीडियो में देखी गईं कई महिलाओं की समाज में अपना स्थान है। वे सभी अपने ही परिवारों की निगरानी में हैं। यह एक भयानक घटनाक्रम है। प्रज्वल पर महिलाओं के साथ यौन शोषण के कई मामले दर्ज हैं। ए मामले तब प्रकाश में आए जब कथित तौर पर उनसे जुड़े कई अश्लील वीडियो सार्वजनिक हो गए। प्रज्वल कथित तौर पर हासन सीट के लिए हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चला गया था और अब भी फरार है। परमेश्वर ने कहा कि आवाज और तस्वीर की पुष्टि के लिए कुछ वीडियो फुटेज एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) को भेजे गए हैं और पुलिस ने वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, जांच अब भी जारी है, इसलिए इस मामले में और अधिक जानकारी देना मेरे लिए उचित नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह कहना गलत होगा कि कांग्रेस पार्टी प्रज्वल रेवन्ना कांड को राजनीतिक मुद्दा बना रही है। उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि यह मामला सार्वजनिक हो चुका है और आप इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते कि इस तरह का स्कैंडल हुआ है। कांग्रेस पार्टी इसमें कैसे शामिल है...? हर कोई टीका-टिप्पणी कर रहा है, मैं उम्मीद करता हूं और सभी से अनुरोध भी करता हूं कि वे इस मुद्दे पर बयानबाजी से बचें, क्योंकि यह बहुत संवेदनशील मामला है।

पेज 1 का शेष

ईसी ने...

आयोग ने नड्डा के बचाव को खारिज करते हुए इसे मान्य नहीं बताया और उन्हें तथा उनकी पार्टी के स्टार प्रचारकों को धार्मिक और सांप्रदायिक आधार पर प्रचार करने से परहेज करने को कहा। आयोग ने भाजपा से समाज को बांटने वाले चुनाव प्रचार पर रोक लगाने को भी कहा। आयोग ने उम्मीद जताई कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में भाजपा भारत के समग्र और संवेदनशील ताने-बाने के व्यावहारिक पहलुओं के मद्देनजर प्रचार के तरीकों का पूरी तरह से पालन करेगी। नड्डा के साथ ही आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी इसी तरह का नोटिस जारी किया था, जिसमें उनसे उनके और पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा द्वारा दायर शिकायतों पर जवाब देने के लिए कहा गया था। आयोग ने खड़गे के बचाव को भी खारिज कर दिया और पार्टी से सुरक्षा बलों का राजनीतिकरण नहीं करने और सशस्त्र बलों की सामाजिक आर्थिक संरचना के बारे में विभाजनकारी बयान नहीं देने को कहा। आयोग अग्निपथ योजना पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहा था। आयोग ने कांग्रेस से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि उसके स्टार प्रचारक और उम्मीदवार ऐसे बयान न दें जिससे यह गलत धारणा बने कि संविधान को समाप्त किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग ने दोनों राष्ट्रीय दलों के अध्यक्षों से कहा कि वे अपने स्टार प्रचारकों को औपचारिक सलाह जारी करें ताकि वे अपने संवाद को सही कर सकें, सावधानी बरतें और शिष्टाचार बनाए रख सकें। आयोग ने नड्डा और खड़गे, दोनों से कहा कि चुनाव एक ऐसी प्रक्रिया है जहां राजनीतिक दल न सिर्फ जीतने के लिए चुनाव लड़ते हैं, बल्कि मतदाताओं के खुद को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर भी प्राप्त करते हैं। आयोग ने कहा, दूसरी बात यह है कि भारतीय चुनावों की बहुमूल्य विरासत और हमारे चुनावी लोकतंत्र को किसी के द्वारा कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उसने कहा कि राजनीतिक दलों पर देश के वर्तमान और भविष्य के लिए नेताओं को तैयार करने का दायित्व भी है। आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल, विशेष रूप से उसके वरिष्ठ सदस्य अपने कार्यकर्ताओं के बीच अनुशासन और आचरण को लागू करने में किसी भी तरह से ढिलाई बरतने का जोखिम नहीं उठा सकते। चुनाव आयोग ने स्टार प्रचारकों पर लगाम लगाने के पहले कदम के तौर पर पार्टी अध्यक्षों को जवाबदेह ठहराने के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 का इस्तेमाल किया था। आयोग के अनुसार, उसने यह विचार किया है कि स्टार प्रचारक उनके भाषणों के लिए जिम्मेदार बने रहेंगे जबकि आयोग मामला दर मामला पर पार्टी प्रमुखों से भी सवाल करेगा।

केजरीवाल के....

नेता 2014 के बाद से पार्टी के पास मौजूद सभी सात सीटों को बरकरार रखने को लेकर आश्वस्त हैं। राजनीतिक पंडितों के मुताबिक, दिल्ली में दो शख्सियतों- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच चुनाव लड़ा जा रहा है। यह पहली बार है कि चुनाव बिना किसी मुद्दे के लड़ा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि केंद्र में मोदी सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। भाजपा ने केजरीवाल सरकार को घेरने के लिए अपना चुनावी अभियान सुनियोजित तरीके से तैयार किया है। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा में जाति कारक को संतुलित करने की भी कोशिश की है - पूर्वी दिल्ली से आप उम्मीदवार कुलदीप कुमार के खिलाफ पंजाबी हर्ष मल्होत्रा को मैदान में उतारा है। चांदनी चौक से बनिया नेता प्रवीण खंडेलवाल का मुकाबला कांग्रेस के दिग्गज नेता जय प्रकाश अग्रवाल से, दक्षिणी दिल्ली से विधायक और गुर्जर नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी और आप उम्मीदवार सहीराम पहलवान के खिलाफ, पश्चिमी दिल्ली से जाट नेता कमलजीत सहरावत का मुकाबला आप नेता और पूर्व कांग्रेस सांसद महाबल मिश्रा और दलित नेता योगेन्द्र चंदोलिया आरक्षित उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट से कांग्रेस नेता उदित राज के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसने उत्तर पूर्वी दिल्ली से मौजूदा सांसद मनोज तिवारी को बरकरार रखा है, जहां कांग्रेस ने पूर्व जेएनयू अध्यक्ष कन्हैया कुमार को मैदान में उतारा है। अग्रवाल और मिश्रा ने भाजपा उम्मीदवारों के लिए कुछ चुनौती पेश की है जबकि कुमार को अभियान चलाने के लिए वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। कुमार क्राउड फंडिंग के जरिए पैसा इकट्ठा कर रहे हैं। दिल्ली में मिलकर लड़ रही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि आप समर्थक कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं करना चाहते हैं। इसी तरह कांग्रेस समर्थक भी आम आदमी पार्टी के खिलाफ हैं। इसके अलावा, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी मजबूत प्रदर्शन के उद्देश्य से यहां सात उम्मीदवार उतारे हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) दिल्ली की स्थापित राजनीतिक पार्टियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरी। हालाँकि, इसने धीरे-धीरे आम आदमी पार्टी (आप) और उसके बाद अपना समर्थन और मतदाता हिस्सा खो दिया। इस झटके के बावजूद, बसपा का लचीलापन और दृढ़ संकल्प दृढ़ रहा। पार्टी ने इस बार नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से दिल्ली के पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद को टिकट दिया है, जिन्होंने अप्रैल में सरकार और आप से इस्तीफा दे दिया था। पूर्वी दिल्ली में उसने मोहम्मद वकार चौधरी को मैदान में उतारा है जिन्होंने पहले आप के लिए प्रचार करने का दावा किया था। बसपा ने दो और सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है - चांदनी चौक में वकील अबुल कलाम आज़ाद और दक्षिणी दिल्ली में अब्दुल बासित। अन्य उम्मीदवारों में पश्चिम दिल्ली से बसपा की एकमात्र महिला विशाखा, विजय बौद्ध शामिल हैं। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से और उत्तर पूर्वी दिल्ली में अशोक कुमार। पार्टी ने 2007 में 17, 2012 में 15 और 2017 में तीन पार्षदों को एमसीडी में भेजा। हालांकि, यह 2022 में खाता खोलने में विफल रही। दिल्ली में पिछले 10 वर्षों में विभाजित मतदान हुआ है, मतदाताओं ने राष्ट्रीय चुनावों में भाजपा को और विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी को भारी समर्थन दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने फिर से दिल्ली की सभी सात सीटों पर जीत हासिल की। आप का वोट शेयर गिरकर 18 फीसदी हो गया, जबकि बीजेपी का वोट शेयर बढ़कर 57 फीसदी हो गया। 2019 के चुनावों में, भाजपा को राष्ट्रीय राजधानी में 56.5 प्रतिशत, कांग्रेस को 22 प्रतिशत और आप को 18.1 प्रतिशत वोट मिले थे। 2020 के विधानसभा चुनावों में आप ने फिर से 70 में से 62 सीटें जीतीं, उसका वोट शेयर बढ़कर 54 फीसदी हो गया, जबकि भाजपा का वोट शेयर घटकर 39 फीसदी रह गया।

सुप्रीम कोर्ट...

सिब्बल ने यह कहते हुए सोरेन का बचाव करने की कोशिश कि वह हिरासत में हैं और उन्हें अदालतों में दायर की जा रहीं याचिकाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस पर पीठ ने कहा, आपका आचरण दोषरहित नहीं है। न्यायालय ने कहा, वह कोई आम आदमी नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि वह मामले के गुण-दोष पर विचार किए बिना गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज करेगा। इसके बाद सिब्बल याचिका वापस लेने पर राजी हो गए जिसकी पीठ ने अनुमति दे दी।

खत्म नहीं..

अधिकारियों ने कहा कि 25 मई को जब पारा रिकॉर्ड 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है, तो हीट इंडेक्स भी अधिक होने की संभावना है। अपनी ओर से, चुनाव आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत उपाय करने का आश्वासन दिया है कि मतदान केंद्र उच्च तापमान के प्रभाव को कम करने के लिए पीने के पानी और ठंडी छाया जैसी सुविधाओं से पर्याप्त रूप से सुसज्जित हैं। मतदाताओं को अधिक आराम से समायोजित करने और सुचारू चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मतदान के घंटों को समायोजित करने के प्रयास किए गए हैं।

इजराइल...

हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं इन जघन्य कृत्यों में मारे गए बंधकों और निर्दोष लोगों के परिवारों के साथ हैं। इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग के एक विशेष वीडियो संदेश के साथ भारत और इजराइल के राष्ट्रगान बजाए गए। केरल में अन्यत्र, क्रिश्चियन एलायंस और एक्शन फॉर सोशल एक्शन ने यहूदी राज्य पर हमला करने वाले आतंकवादियों से लड़ने में इज़राइल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सीएएसए के अध्यक्ष केविन पीटर ने कहा, हमारे दिल इज़राइल के लोगों के साथ हैं। हम 128 बंधकों की जल्द से जल्द सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना करते हैं।

विपक्षी गठबंधन के पास ऐसे नेता नहीं जो प्रधानमंत्री बन सकें: शाह

भाषा। घाटल, पुरुलिया

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोला और कहा कि विपक्षी खेमे के पास ऐसे नेता ही नहीं हैं जो प्रधानमंत्री बन सकें। एक के बाद एक घाटल और पुरुलिया में आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेता सिर्फ अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं और न तो उनके पास देश का नेतृत्व करने के लिए कोई नेता है और न ही राष्ट्र के विकास की नीयत।

शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का जिक्र करते हुए कहा, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा, यह पहले से ही तय है कि भाजपा अगली सरकार बनाएगी। लेकिन इस इंडिया गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है? गठबंधन के पास कोई नेता नहीं है। यह पांच साल में पांच प्रधानमंत्री चाहते हैं। वे बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनाने वाली व्यवस्था चाहते हैं। शाह ने कहा, लेकिन क्या ए बारी-बारी से बनने वाले प्रधानमंत्री पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं और आतंकवाद को खत्म कर सकते हैं? कांग्रेस के शासन के दौरान, हमने देखा है कि कैसे आतंकवादी गतिविधियां नियमित घटना थीं। हमने यह भी देखा है कि कैसे नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर में आतंकवाद को खत्म किया। विपक्षी गठबंधन को घमंडिया गठबंधन करार देते हुए शाह ने कहा, विपक्षी दल केवल अपने परिवार के सदस्यों को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। गृह मंत्री शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव परिवारवादी राजनीति करने वाले नेताओं और देश को अपना परिवार मानने वाले ईमानदार नेता नरेन्द्र मोदी के बीच चयन करने का है।उन्होंने कहा, शरद पवार चाहते हैं कि उनकी बेटी मुख्यमंत्री बनें। ममता बनर्जी चाहती हैं कि उनका भतीजा उनके बाद मुख्यमंत्री बनें। स्टालिन (तमिलनाडु

के मुख्यमंत्री) अपने बेटे को अपना उत्तराधिकारी बनते देखना चाहते हैं। सोनिया गांधी चाहती हैं कि राहुल बाबा देश के प्रधानमंत्री बनें। दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी जी हैं जो पूरे देश को अपना परिवार मानते हैं।

पीओके पर कब्जा करने की मांग का समर्थन नहीं करने के लिए कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस नेता कहते हैं कि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनके पास परमाणु बम है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा है, भारत का हिस्सा था और हम इसे लेकर रहेंगे। शाह ने कहा, कांग्रेस हमसे उम्मीद करती है कि हम पाकिस्तान का सम्मान करें क्योंकि वह एक परमाणु राष्ट्र है, और नहीं चाहती कि हम पीओके के लिए लड़ें। इन कांग्रेसियों को बता दें कि यह नरेन्द्र मोदी की सरकार है। हम डरने वाले नहीं हैं। हम पीओके में अपना अधिकार फिर से हासिल करेंगे। भाजपा नेता ने आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी इंडिया गठबंधन की आलोचना की और कहा कि वे धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं।उन्होंने कहा, विपक्षी इंडिया गठबंधन धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहता है। कर्नाटक में उन्होंने मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण दियाअ क्या आप अपना आरक्षण खत्म करना चाहते हैं? वे मुस्लिमों को आरक्षण देकर एससीएसटी का आरक्षण छीनना चाहते हैं। इंडी गठबंधन वंचित वर्गों के अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रहा है, लेकिन चिंता न करें, नरेन्द्र मोदी किसी को भी आपके अधिकारों को छूने नहीं देंगे। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि पांच चरणों के मतदान के बाद, देशभर में इंडिया गठबंधन का सफाया हो गया है। उन्होंने दावा किया, पांच चरणों का मतदान पूरा हो चुका है। इन पांच चरणों में मोदी जी ने 310 सीट का आंकड़ा पार कर लिया है। ममता दीदी के इंडिया गठबंधन का सफाया हो गया है। पूरा देश मोदी जी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इन पांच चरणों में मोदी ने 310 सीट जीतकर सरकार बनाने का काम पूरा कर लिया है। अब छठे और सातवें चरण में 400 का आंकड़ा पार करने के लिए मुझे आपका आशीर्वाद चाहिए।

सेना को अग्निवीर योजना नहीं चाहिए

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)।(भाषा) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो अग्निवीर योजना को खत्म कर इसे कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की। लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा में अपनी पहली जनसभा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने किसानों के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री मोदी को घेरा। उन्होंने दावा किया मोदी सरकार ने 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन उसने साफ तौर पर कहा है कि वह किसानों का कर्ज माफ नहीं करेगी क्योंकि इससे सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हम किसानों की सुरक्षा और उन्हें उचित मुआवजा देने के लिए भूमि अधिग्रहण विधेयक लाए थे, लेकिन मोदी सरकार ने इसे रद्द कर दिया। फिर वे तीन काले कृषि कानून लाए और किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ा। अग्निवीर योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया, यह सेना की योजना नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की योजना है, सेना ऐसा नहीं चाहती। इस योजना को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से तैयार किया गया था। महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र में

आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा, जब इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) की सरकार बनेगी तो हम अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में फेंक देंगे। गांधी ने कहा कि हरियाणा और देश के युवाओं के हाथों में भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, देशभक्ति हमारे युवाओं के खून में है। प्रधानमंत्री मोदी ने हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बना दिया है। राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, वे कहते हैं कि शहीद दो तरह के होंगे- एक सामान्य जवान और अधिकारी जिन्हें पेंशन, शहीद का दर्जा, सारी सुविधाएं मिलेंगी और दूसरा गरीब परिवार का व्यक्ति जिसे अग्निवीर नाम दिया गया है। अग्निवीरों को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न पेंशन और न ही कैंटीन की सुविधा। केंद्र ने 2022 में थल सेना, नौसेना और वायुसेना में जवानों की औसत आयु में कमी लाने के उद्देश्य से अल्पकाल के लिए सैनिकों की भर्ती के खातिर अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। योजना के तहत साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सेना में भर्ती करने का प्रावधान है जिनमें से 25 प्रतिशत को आगे के 15 वर्ष तक सेवा में रखने का भी प्रावधान है। गांधी ने दावा करते हुए कहा कि जब चार जून को इंडिया गठबंधन सत्ता में आएगा तो हरियाणा और अन्य राज्यों में किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम कर्जा माफी आयोग लाएंगे। उन्होंने कहा, जब भी हरियाणा के किसानों को कर्ज माफी की जरूरत होगी तो आयोग सरकार को बताएगा और कर्ज माफ कर दिया जाएगा। जब वे उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ कर सकते हैं तो हम किसानों, मजदूरों और गरीबों की मदद क्यों नहीं कर सकते? राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस ने अडाणी-अंबानी से टेंपो में धन लिया है तो मोदी सरकार ने इसकी जांच क्यों नहीं करवाई? उन्होंने कहा, 10 साल तक आपने अडाणी-अंबानी का नाम नहीं लिया और अब जाकर अपने एक भाषण में उनका नाम लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अडाणी-अंबानी कांग्रेस को पैसा दे रहे थे। आपको कैसे पता चला कि वे टेंपो में पैसा दे रहे थे?

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र, ओडिशा में बारिश की संभावना

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव वाला क्षेत्र बनने से ओडिशा के उत्तरी जिलों में बारिश होने की संभावना है। बुधवार को भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तट से दूर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है और 24 मई की सुबह तक दबाव में बदल जाएगा। आईएमडी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों से दूर बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना है। आईएमडी ने 24 मई से बालासोर जिले के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (सात सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर) और अन्य उत्तरी ओडिशा जिलों में मध्यम वर्षा का अनुमान लगाया है। आईएमडी ने मछुआरों को 23 और 24 मई को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है क्योंकि समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब होने की आशंका है। मछुआरों को 23 मई तक तट पर

लौटने की सलाह दी गई है।मौसम विभाग ने कहा कि 22 मई को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। 23 मई की सुबह से मध्य और इससे सटे दक्षिण बंगाल की खाड़ी में यह धीरे-धीरे बढ़कर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगा। आईएमडी ने कहा कि यह 24 मई की सुबह से 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में और 25 मई की सुबह से उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तर-पश्चिम और पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी में 24 घंटे तक चलेगा। ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) ने जिलाधिकारियों को सतर्क रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का अनुरोध किया।

राष्ट्र निर्माण के लिए भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाएं: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और सभी से सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने तथा भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने कहा कि करुणावतार भगवान बुद्ध ने मानवता और सभी जीवित प्राणियों के लिए सत्य, अहिंसा, सद्भाव एवं प्रेम का संदेश दिया है। मुर्मू ने कहा,"भगवान बुद्ध ने कहा था, अप्प दीपो भव अर्थात स्वयं प्रकाशवान बनें। उनकी सहिष्णुता, आत्म-जागरूकता और अच्छे आचरण की शिक्षाएं हमें मानवता की सेवा करने

के लिए प्रेरित करती हैं। उनका अष्टांगिक मार्ग सार्थक जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है"। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा, आइए हम भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर सामाजिक समरसता को मजबूत करें और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लें। बुद्ध पूर्णिमा गौतम बुद्ध के जन्मदिन का प्रतीक है, जिनका जन्म नेपाल के लुंबिनी में हुआ था और उन्हें भारत के कुशीनगर में मोक्ष प्राप्त हुआ था। राष्ट्रपति मुर्मू ने बयान में कहा, बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर, मैं देश के सभी नागरिकों और दुनिया भर में फैले भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं।

भाजपा पहले ही विमर्श खो चुकी है : सागरिका घोष

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष ने कहा कि बेरोजगारी जैसे मुद्दों के प्रमुखता से उभरने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही विमर्श खो चुके हैं तथा चार जून को वे चुनाव भी हार जाएंगे।पत्रकार से नेता बनी घोष ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि संदेशखालि मुद्दे का भाजपा पर उल्टा असर हुआ है और इससे पश्चिम बंगाल में उनकी चुनावी संभावनाएं प्रभावित होंगी। उन्होंने भरोसा जताया कि चुनावों के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया सरकार बनाएगा।

घोष ने कहा, वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा और श्री नरेन्द्र मोदी विमर्श खो चुके हैं। इस चुनाव में भाजपा और नरेंद्र मोदी का सच से सामना हुआ है। वे 400 पार के बारे में बात कर रहे थे, वे विकसित भारत के बारे में बात कर रहे थे। इस चुनाव ने श्री मोदी का गुब्बारा फोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में पेपर लीक, किसानों की मुसीबतें, घटती घरेलू बचत, बढ़ती बेरोजगारी, जल संकट सहित ऐसे कई मुद्दे प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, इस प्रकार चुनाव में मोदी और भाजपा का सच से सामना हुआ है। पश्चिम बंगाल की चर्चा करते हुए उन्होंने दावा किया कि भाजपा राज्य में "दो अंकों" में पहुंचने के लिए मेहनत कर रही है।

भाजपा ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को निर्दलीय चुनाव लड़ने पर निष्कासित किया

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने पर बुधवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया।राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा काराकाट सीट से राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार भाजपा के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा द्वारा जारी और पवन सिंह को संबोधित एक पत्र में कहा गया है, लोकसभा चुनाव में आप राजग के अधिकृत प्रत्याशी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह कार्य दल विरोधी है, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है तथा पार्टी अनुशासन के विरुद्ध आपने यह कार्य किया है। पत्र में कहा गया है, अत: आपको दल विरोधी इस कार्य के लिए पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से

निष्कासित किया जाता है। सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में खुद की तुलना महाभारत के पात्र अभिमन्यु से करते हुए लिखा, कल भी, महाभारत में अभिमन्यु अकेला था। कृष्ण और पांडव के होते हुए चक्रव्यूह में घेरकर राक्षसों ने मारा था। आज भी रण में अभिमन्यु अकेला है लेकिन जनता उसके साथ है। सिंह ने अपने कुछ अन्य पोस्ट में नए काराकाट के निर्माण की बात की है और कुछ में वचन पत्र (अपने वादों) का जिक्र किया है। काराकाट में लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में एक जून को मतदान होना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 मई को तीन रैलियां संबोधित करेंगे और इनमें से एक जनसभा काराकाट निर्वाचन क्षेत्र में प्रस्तावित है। सिंह कई वर्षों से भाजपा के सदस्य थे। उन्होंने लगभग एक महीने पहले पश्चिम बंगाल के आसनसोल से पार्टी का टिकट ठुकरा दिया था। आसनसोल से वरिष्ठ अभिनेता और नेता शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। सिन्हा का ताल्लुक भी बिहार से ही है। ऐसा माना जाता है कि सिंह ने कथित तौर पर स्त्री द्वेषपूर्ण और बंगालियों को अपमानित करने वाले उनके कई गानों पर विवाद पैदा होने के बाद वहां से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था।ऐसी चर्चा थी कि पवन सिंह बिहार के आरा लोकसभा सीट से टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने उनसे कहा था कि वह इस सीट से मौजूदा सांसद केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का टिकट नहीं काटेगी।

पवन सिंह ने 10 अप्रैल को काराकाट से चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और नौ मई को इस निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया। काराकाट सीट से 14 मई को पवन सिंह की मां प्रतिमा देवी ने भी नामांकन दाखिल किया था, लेकिन उन्होंने बाद में अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया था। अटकलें लगाई जा रही थीं कि प्रतिमा देवी ने अपने बेटे के कहने पर नामांकन दाखिल किया था, क्योंकि पवन सिंह को अपना पर्चा खारिज होने का डर था।

अपनी जिम्मेदारियों से बच रहा निर्वाचन आयोग: कांग्रेस

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस दिया जाना इस बात का उदाहरण है कि यह संवैधानिक संस्था अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है तथा सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति अनुचित ढंग से सम्मान दिखा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बयानों की तुलना किसी भी तरह से कांग्रेस के नेताओं के बयानों से नहीं की जा सकती। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, एक बार फिर से चुनाव आयोग ने कांग्रेस और भाजपा दोनों को ही नोटिस भेज कर अपनी ज़िम्मेदारियों के निर्वहन का दिखावा करने की कोशिश की है। यह इस बात का एक और उदाहरण हैं कि कैसे एक संवैधानिक संस्था अपनी ज़िम्मेदारियों से बच रही है और इस समय सत्ता में बैठी पार्टी के प्रति अनुचित ढंग से सम्मान दिखा रही है। उन्होंने दावा किया, निवर्तमान प्रधानमंत्री और उनके वरिष्ठ सहयोगी जैसे निवर्तमान गृह मंत्री शाह जिस तरह बेशर्मी भरे बयान दे रहे हैं, उनकी तुलना किसी भी तरह से कांग्रेस के नेताओं के बयानों से नहीं की जा सकती है, जिनके ख़िलाफ़ शिकायतें दर्ज़ की गई हैं। रमेश का कहना है कि समान अवसर का मतलब फज़ी ढंग से एक के साथ-साथ दूसरे को भी बिना किसी कारण के दोषी ठहराना नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि निवर्तमान प्रधानमंत्री के बयान विशेष रूप से चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता और राजनीतिक प्रचार में धर्म के दुरुपयोग पर उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का घोर उल्लंघन हैं। उन्होंने सवाल किया, कांग्रेस दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आरक्षण के संवैधानिक अधिकार की रक्षा के लिए अभियान चला रही है। आखिर इसे जातिवादी कैसे कहा जा सकता है? निर्वाचन आयोग ने बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें लोकसभा चुनाव में जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी और कहा कि चुनावों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी सकती।

भाजपा का 400 पार का नारा, नारा ही रह जाएगा: सचिन पायलट

शिमला। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि देश में 10 साल के अपने शासन में भाजपा ने क्या किया है, यह बताने के बजाय वह सांप्रदायिक मुद्दे उठाकर लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में (राजग के) 400 से ज्यादा सीट जीतने का भाजपा का नारा, नारा ही रह जाएगा और इस बार वे कुछ ही सीटों तक सिमटकर रह जाएंगे। मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह के लिए प्रचार करते हुए पायलट ने दावा किया कि प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत को निर्वाचन क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी नहीं है, जबकि सिंह और उनके परिवार ने कई वर्षों तक हिमाचल प्रदेश की सेवा की है।

झारखंड में धर्मांतरण पर झामुमो नीत गठबंधन सरकार चुप: हिमंत

बोकारो (झारखंड। असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर बुधवार को राज्य में ईसाई मिशनरियों द्वारा कथित रूप से कराए जा रहे धर्मांतरण पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य सरकार पर हिंदू अधिकारों की रक्षा के लिए कुछ नहीं करने का भी आरोप लगाया। शर्मा ने बोकारो में एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा, झारखंड में ईसाई मिशनरी धर्मांतरण को लेकर सक्रिय हैं लेकिन वर्तमान सरकार इस पर चुप है। यह सरकार हिंदू अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्ट गठबंधन बस तुष्टिकरण की राजनीति में लगा है।

हर समय युद्ध के लिए तैयार रहें : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली।नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने हिंद महासागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता और लाल सागर में संवेदनशील स्थिति के बीच कहा कि भारतीय नौसेना को राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए हर समय युद्ध की दृष्टि से तैयार रहना चाहिए। यहां नौसेना मुख्यालय में तैनात अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने रणनीतिक समुद्री क्षेत्र में मौजूदा सुरक्षा माहौल और नौसेना द्वारा अपेक्षित परिणामी कार्वाइयों के बारे में गहराई से जानकारी ली। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की समुद्री शक्ति की प्राथमिक अभिव्यक्ति के रूप में, भारतीय नौसेना का उद्देश्य कभी भी, कहीं भी, किसी भी तरह राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए हर समय युद्ध के लिए तैयार रहना है।

नौसेना प्रमुख ने मंगलवार को अधिकारियों को संबोधित करते हुए सरकार की नौसेना प्रमुख ने मंगलवार को अधिकारियों को संबोधित करते हुए सरकार की आत्म-निर्भरता पहल की ओर भारतीय नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता भी दोहराई। एडमिरल त्रिपाठी ने एक उत्तरदाई रक्षा बल बने रहने के लिए समुद्री क्षेत्र में मौजूदा और उभरती चुनौतियों का समाधान करने के वास्ते घरेलू समाधान खोजने, नवाचार और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने नौसेना मुख्यालय में तैनात मध्यम और वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों से कहा कि उन्हें समाधान प्रदाता बनने पर जोर देना है।

ममता की टिप्पणी के विरोध में साधु निकालेंगे कोलकाता में रैली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के साधुओं ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ साधुओं के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी के विरोध में 24 मई को कोलकाता में रैली निकालने का फैसला किया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और पश्चिम बंगाल में साधुओं की शीर्ष संस्था बंगीय संन्यासी समाज के सदस्य उत्तरी कोलकाता में संत स्वाभिमान यात्रा का आयोजन करेंगे। विहिप नेता सौरीश मुखर्जी ने कहा, मुख्यमंत्री वोट बैंक की राजनीति के कारण ऐसी टिप्पणी कर रही है। हम इसकी कड़ी निंदा करते है।

महबूबा मुफ्ती केवल नेकां को निशाना बनाती हैं, भाजपा को नहीं

पहलगाम (कश्मीर)>जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती पर निशाना साधते हुए विपक्षी गठबंधन इंडिया और पीएजीडी के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुफ्ती ने कभी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ प्रचार नहीं किया और केवल उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को ही निशाना बनाया।

पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) की एकता और चुनाव के दौरान संयुक्त प्रयास किए जाने की बात दोहराते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी का समूह से खुद को दूर करने का निर्णय किसी वैचारिक मुद्दे के बजाय अपने खुद के हित से प्रेरित था। नेकां उपाध्यक्ष अब्दुल्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा, जहां तक पीएजीडी का सवाल है, पीएजीडी बरकरार है। पीएजीडी ने यह चुनाव एक साथ लड़ा। चाहे वह अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) अथवा नेकां, केवल पीडीपी ही दूर हुई है। पीएजीडी का गठन छह दलों ने किया था, जिसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस भी शामिल थी। स्थानीय निकाय चुनाव में हार के बाद हालांकि लोन की पार्टी अलग हो गई। अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजौरी सीट पर अंतिम दौर के प्रचार अभियान की शुरुआत की। उन्होंने भाजपा को लेकर पीडीपी के रुख पर

सवाल उठाया और दावा किया कि उधमपुर और जम्मू जैसे स्थानों पर कांग्रेस या इंडिया गठबंधन के पक्ष में और भाजपा के खिलाफ मुफ्ती ने सक्रिय रूप से प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा, उन्होंने न तो उधमपुर में भाजपा के खिलाफ प्रचार किया और न ही जम्मू में प्रचार किया। तो ऐसे में वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने का दावा कैसे कर सकती है? वह भाजपा के खिलाफ होने का दावा कैसे कर सकती हैं? वह सिर्फ नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ हैं, वह भाजपा के खिलाफ नहीं हैं।

अनंतनाग-राजौरी सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी पिछले दो साल से लगातार नेकां की आलोचना कर रही है। श्रीनगर लोकसभा से पीडीपी उम्मीदवार वहीद पारा का प्रत्यक्ष रूप से नाम लिए बगैर अब्दुल्ला ने बताया कि उन्होंने (पारा ने) जेल से रिहा होने के बाद राजनीतिक गतिविधियों को फिर से शुरू किया और उनके शुरुआती भाषण नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ थे, जो पीडीपी की एक सोची-समझी रणनीति का संकेत देते हैं।

उन्होंने कहा, मैं पीडीपी से पूछता हूं कि भाजपा के खिलाफ उनका अभियान कहां है, मुझे एक जगह बताएं जहां महबूबा मुफ्ती गई थीं और कांग्रेस या इंडिया गठबंधन के पक्ष में और भाजपा के खिलाफ प्रचार किया था। यह पूछे जाने पर कि उनकी पार्टी को कितनी उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के मुताबिक इस साल जम्मू कश्मीर में सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे, अब्दुल्ला ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) और गृहमंत्री (अमित शाह) जैसे लोग उच्चतम न्यायालय की समय सीमा समाप्त होने से पहले इस चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्ध हैं और मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अपनी बात पर कायम रहेंगे।

भारी बारिश से थुम्बे बांध में जलस्तर बढ़ा, मंगलुरू में पानी की कटौती बंद

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय इलाकों में पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के चलते मंगलूरु में जलापूर्ति के मुख्य स्रोत थुम्बे बांध में जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है जिसके बाद नगर निगम ने बुधवार से शहर में पानी की कटौती बंद करने का फैसला किया। मंगलूरु नगर निगम के आयुक्त सी एल आनंद ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आज से नगर निगम ने शहर में पानी की कटौती बंद कर दी है।

नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने फलस्तीन को बतौर देश मान्यता दी

एपी। तेल अवीव

नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बुधवार को फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देने का फैसला किया। इस निर्णय की जहां इजराइल ने आलोचना की है वहीं, फलस्तीन ने खुशी जताई है। इसके जवाब में इजराइल ने नॉर्वे तथा आयरलैंड से अपने राजदूतों को वापस बुलाने का आदेश दिया है।

फलस्तीन को औपचारिक तौर पर देश के रूप में मान्यता 28 मई को दी जाएगी। यह कदम फलस्तीन की लंबे समय से की जा रही मांग के अनुरूप है। इस बीच, यरुशलम में घोर दक्षिणपंथी सरकार के एक मंत्री ने यहूदी और मुस्लिमों के लिए पवित्र माने जाने वाले स्थल का दौरा किया। यह स्थल यहूदियों और मुस्लिमों के बीच विवाद की जड़ है।

राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामर बेन-गिर ने अल-अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया जिसे यहूदी टेम्पल माउंट कहते हैं। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका है। सबसे पहले नॉर्वे ने फलस्तीन देश को मान्यता देने के फैसले की घोषणा की। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनस गार स्तूर ने कहा, अगर मान्यता नहीं दी गई तो पश्चिम एशिया में शांति स्थापित नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि नॉर्वे 28 मई तक फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता दे देगा। उन्होंने कहा, फलस्तीन देश को मान्यता देकर नॉर्वे अरब शांति योजना का समर्थन करता है। यूरोपीय संघ के कई देशों ने पिछले सप्ताहों में संकेत दिया है कि वे मान्यता देने की योजना बना रहे हैं, उनकी दलील है कि क्षेत्र में शांति के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान आवश्यक है।

नॉर्वे इजराइल और फलस्तीन के बीच द्वि-राष्ट्र समाधान का कट्टर समर्थक रहा है। वह यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है लेकिन इस मुद्दे पर उसका रुख भी यूरोपीय संघ के अन्य सदस्यों के समान है। नॉर्वे सरकार कहा, हमास और आतंकवादी समूहों ने आतंक फैलाया है जो द्वि-राष्ट्र समाधान और इजराइल सरकार के समर्थक नहीं हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब इजराइली सेना ने मई में गाजा पट्टी के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में हमले किए जिससे हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। साथ ही उसने मानवीय सहायता की आपूर्ति भी बाधित कर दी जिससे भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। वर्ष 1993 में प्रथम ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर के 30 साल से अधिक समय बाद नॉर्वे ने फलस्तीनी देश को मान्यता दी है। नॉर्वे सरकार ने कहा, तब से फलस्तीनियों ने द्वि-राष्ट्र समाधान की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

उसने कहा कि विश्व बैंक ने कहा है कि फलस्तीन ने 2011 में देश के तौर पर काम करने का अहम मानदंड पूरा कर लिया था जिसके तहत उसने लोगों को महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय संस्थान बनाए। आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने भी बुधवार को फलस्तीन देश को मान्यता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह स्पेन और नॉर्वे के साथ उठाया गया समन्वित कदम है, शामिल होंगे। स्पेन के प्रधानमंत्री आयरलैंड और फलस्तीन के लिए एक ऐतिहासिक तथा महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य इजराइल-फलस्तीन संघर्ष को द्वि-राष्ट्र समाधान के जरिए हल करने में मदद करना है।

हैरिस ने कहा कि उन्हें लगता है कि आने वाले सप्ताहों में फलस्तीन देश को मान्यता देने में अन्य देश भी नॉर्वे, स्पेन और आयरलैंड के साथ पेड्रो सांचेज ने कहा कि उनका देश 28 मई को फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता देगा। स्पेन के समाजवादी नेता सांचेज ने बुधवार को देश की संसद में यह घोषणा की।

सांचेज ने गाजा में संभावित संघर्ष विराम के साथ ही फलस्तीन की मान्यता के लिए समर्थन जुटाने के वास्ते महीनों तक यूरोप और पश्चिम एशियाई देशों की यात्रा की है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि इस कदम से अतीत में नहीं जाया जा सकता और फलस्तीन में गंवाई जान को वापस नहीं पाया जा सकता लेकिन हमें लगता है कि यह फलस्तीन को दो चीजें, प्रतिष्ठा और उम्मीद देगा जो उनके वर्तमान और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

सांचेज ने कहा, यह मान्यता किसी के खिलाफ नहीं है, यह इजराइली लोगों के खिलाफ नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि इससे इजराइल के साथ राजनयिक तनाव पैदा होने की आशंका है। इस महीने की शुरुआत में, स्पेन के विदेश मंत्री जोस अल्बारिज ने कहा था कि उन्होंने फलस्तीन को मान्यता देने के उनकी सरकार के इरादे के बारे में अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को बता दिया है। इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल कैट्ज ने इन कदमों की निंदा की है। उन्होंने आयरलैंड तथा नॉर्वे से इजराइल के राजदूतों को तुरंत देश लौटने का आदेश दिया है। उन्होंने स्पेन की घोषणा से पहले यह आदेश दिया था। कैट्ज ने कहा, आयरलैंड और नॉर्वे आज फलस्तीन और पूरी दुनिया को यह संदेश भेजना चाहते हैं कि : आतंकवाद का फल मिलता है। उन्होंने कहा कि इस मान्यता से गाजा में बंधक इजराइल के बंधकों को घर वापस लाने के प्रयास बाधित हो सकते हैं। उन्होंने स्पेन द्वारा भी ऐसा ही कदम उठाने पर वहां से भी अपने राजदूतों को वापस बुलाने की धमकी दी। ओस्लो में अपने राजदूत को वापस बुलाने के इजराइल के फैसले के बारे में पूछे जाने पर गार स्तूर ने कहा, हम इस पर संज्ञान लेंगे। यह ऐसी सरकार है जिसके साथ हमारी कई असहमतियां हैं। हालांकि, हम सात अक्टूबर को हमास के क्रूर हमले की निंदा करने पर सहमत हैं। वहीं, फलस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने नॉर्वे के कदम का स्वागत किया और अन्य देशों से भी ऐसा ही करने का अनुरोध किया।

करीब 140 देशों ने पहले ही फलस्तीन को देश के तौर पर मान्यता दे रखी है जो संयुक्त राष्ट्र के दो तिहाई सदस्यों से भी अधिक संख्या है लेकिन किसी प्रमुख पश्चिमी देश ने ऐसा नहीं किया है। यह कदम फ्रांस और जर्मनी पर अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए दबाव डाल सकता है। अरब लीग के प्रमुख ने तीन यूरोपीय देशों के इस कदम को साहसी बताया है। अरब लीग के महासचिव अहमद अबु अल-गैत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं इस कदम के लिए तीनों देशों को सलाम करता हूं और उन्हें धन्यवाद देता हूं। यह कदम इस संघर्ष के इतिहास में उन्हें सही की तरफ रखता है। तुर्किए ने भी इस फैसले की तारीफ करते हुए इसे फलस्तीनियों के हड़पे गए अधिकारों की बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।तुर्किए के विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि इस कदम से फलस्तीन को वह दर्जा मिलने में मदद मिलेगी जिसका वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय में हकदार है।

इजराइल ने नॉर्वे और आयरलैंड के फैसले पर अपने राजदूतों को वापस बुलाया

एपी। कोपेनहेगन (डेनमार्क)

इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने आयरलैंड और नॉर्वे से देश के राजदूतों को तुरंत स्वदेश लौटने का निर्देश दिया है।

काट्ज ने कहा कि फलस्तीन को देश का दर्जा दिए जाने से गाजा में इजराइल के बंधकों को वापस देश में लाने के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। साथ ही हमास और ईरान के जिहादियों को पुरस्कृत करने से संघर्ष विराम की संभावना कम हो जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि स्पेन ने भी यही रुख अपनाया तो वहां से भी इजराइल के राजदूत को वापस बुला लिया जाएगा।

इजराइल ने रफह में अभियान को लेकर बाइडन की कई चिंताओं को दूर किया

एपी। काहिरा/यरुशलम

इजराइल ने हमास का खात्मा करने के उद्देश्य से दक्षिणी रफह शहर में व्यापक सैन्य अभियान की लंबे समय से बनाई जा रही योजना को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की कई चिंताओं को दूर किया है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान के साथ सप्ताहांत में हुई बातचीत में इजराइली अधिकारियों ने अपनी योजना में कई बदलाव किए हैं जो सात महीने से चल रहे युद्ध के दौरान रफह में अभियान तेज करने को लेकर कई चिंताओं को दूर करते प्रतीत होते हैं।

बाइडन ने पहले कहा था कि वह रफह में ऐसा कोई भी व्यापक अभियान चलाने का विरोध करते हैं जिसमें निर्दोष फलस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता न दी जाए।

अधिकारी ने बताया कि बाइडन प्रशासन ने इजराइल की योजना को हरी झंडी नहीं दी लेकिन उन्होंने कहा कि इजराली अधिकारियों द्वारा योजना में बदलाव करने से पता चलता है कि वे अमेरिकी प्रशासन की चिंताओं को गंभीरता से ले रहे हैं।

इस बीच, इजराइली सरकार मंगलवार को द एसोसिएटेड प्रेस से जब्त किया एक कैमरा और प्रसारण संबंधी उपकरण लौटाएगी। उसने समाचार संस्थान के गाजा से सीधे प्रसारण को अवरुद्ध करने के कुछ घंटों बाद यह फैसला लिया।

इज़राइली अधिकारियों ने आरोप लगाया था कि समाचार एजेंसी ने अल जज़ीरा को तस्वीरें प्रदान करके देश के नए मीडिया कानून का उल्लंघन किया है।

इजराइल के एपी के उपकरणों को जब्त करने के बाद बाइडन प्रशासन, समाचार संस्थानों और इजराइल के एक विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार की निंदा की थी और उस पर इस फैसले को पलटने का दबाव बनाया।

इजराइल के संचार मंत्री श्लोमो कार्ही ने मंगलवार देर रात एक्स पर कहा, मैंने इस कार्वाई को रद्द करने और एपी को उपकरण लौटाने का आदेश दिया है।

संयुक्त राष्ट्र ने रफह में खाद्य सामग्री का वितरण रोका

एपी। काहिरा

संयुक्त राष्ट्र ने आपूर्ति की कमी और इजरायल के बढ़ते सैन्य अभियान से उत्पन्न अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण मंगलवार को रफह शहर में खाद्य सामग्री के वितरण पर रोक लगा दी।

संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि पूरे क्षेत्र में मानवीय सहायता अभियान चलाना अब मुश्किल है।

मार्गों के बंद होने और अराजकता के बीच अमेरिकी नौसेना को भी समस्याओं का सामना करना पड़ा। सप्ताहांत में फलस्तीनियों ने पोतघाट से आ रहे संयुक्त राष्ट्र के वाहनों के काफिले से सहायता ली। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने वाशिंगटन में संवाददाताओं को बताया कि पिछले कुछ दिनों से पोतघाट (पियर) से सहायता सामग्री की आवाजाही रोक दी गई थी, लेकिन मंगलवार को इसे फिर से शुरू कर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र की ओर से अभी तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की ओर से कहा गया कि मध्य गाजा के लिए भोजन की कमी हो रही है जहां सैकड़ों हज़ारों लोग रफह से भागने के बाद नए शिविर बना रहे हैं या वे उन क्षेत्रों में घुस रहे हैं जो पहले से ही इज़रायली हमलों से तबाह हो चुके हैं।

डब्ल्यूएफपी की प्रवक्ता अबीर एटेफा ने कहा, "गाजा में मानवीय अभियान जारी रखना मुश्किल हैं, अगर गाजा में खाद्य और अन्य आपूर्ति भारी मात्रा में फिर से शुरू नहीं हुई तो अकाल जैसी स्थिति पैदा हो जाएगी"।

संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में रफह में खाद्य सामग्री वितरण को रोकने की घोषणा की।

यूएनआरडब्ल्यूए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "पूर्वी रफह में चल रहे सैन्य अभियान के परिणामस्वरूप रफह में स्थित यूएनआरडब्ल्यूए वितरण केंद्र और डब्ल्यूएफपी गोदाम अब पहुंच से बाहर हैं। रफह में खाद्य सामग्री का वितरण वर्तमान में आपूर्ति की कमी और असुरक्षा के कारण रोक दिया गया है"।

इजराइल के कैबिनेट मंत्री ने अल अक्सा मस्जिद का दौरा किया, तनाव बढ़ा

एपी। तेल अवीव (इजराइल)

इजराइल के धुर दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्विर ने बुधवार को यरुशलम के अल अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया और ऐलान किया कि यह विवादित स्थल केवल इजराइल का है। बेन ग्विर ने कहा कि उनकी यह यात्रा तीन यूरोपीय देशों द्वारा फलस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में एकतरफा मान्यता देने के कदम की प्रतिक्रिया में हुई है।

उन्होंने कहा, हम फलस्तीन के बारे में किसी को भी इस तरह का बयान जारी करने की अनुमति नहीं देंगे।

पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मजिस्द यहूदियों और मुसलमानों के लिए पवित्र स्थल है और परस्पर-विरोधी दावों के कारण अतीत में कई बार हिंसा हो चुकी है।

इजराइल यहूदियों को परिसर में जाने की अनुमति तो देता है लेकिन यहां प्रार्थना करने की अनुमति नहीं देता। बेन ग्विर की इस यात्रा को दुनिया भर में उकसावे के तौर पर देखे जाने की संभावना है।

ईरान के सर्वोच्च नेता की अगुवाई में राष्ट्रपति रईसी, अन्य के जनाजे की नमाज अदा की गई

एपी। दुबई

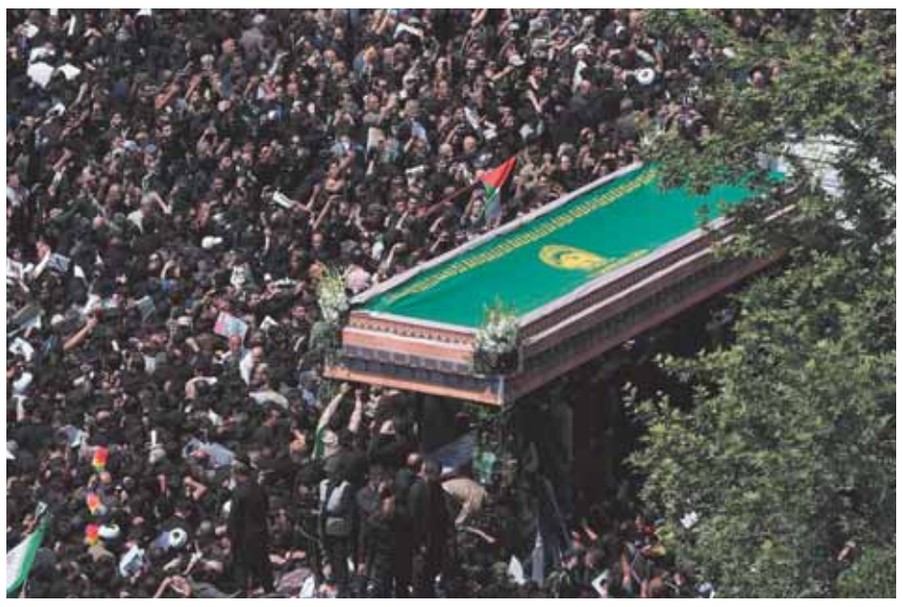

ईरान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारियों के जनाजे की नमाज देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की अगुवाई में बुधवार को अदा की गई।

इसके बाद उनके पार्थिव शरीर के साथ राजधानी तेहरान में निकाले गए जुलूस में हजारों लोग शामिल हुए। ईरान के शिया धर्म आधारित शासन में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन को उसकी वैधता एवं जनसमर्थन के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है।

राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अन्य के लिए बुधवार अदा की गई जनाजे की नमाज में भीड़ 2020 में बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल कासिम सुलेमानी की जनाजे की नमाज से कम बताई जा रही है।

जनाजे की नमाज में शामिल कई लोगों ने कहा कि वे इस्लामिक गणराज्य के अन्य शहरों और कस्बों से तेहरान आए हैं।

सुलेमानी के लिए सार्वजनिक रूप से फफक पड़े सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी रईसी सहित अन्य मृतकों की नमाज जनाजा की अगुवाई करते हुए शांत दिखे।

खामनेई ने नमाज के दौरान अरबी में कहा, हे अल्लाह, हमने उनकी अच्छाई के अलावा कुछ नहीं देखा। इसके तुरंत बाद वह चले गए और अंदर मौजूद लोग ताबूतों को छूने के लिए उमड़ पडे। ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर पास में ही खड़े रहे और इस दौरान उन्हें रोते हुए देखा गया।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रविवार को रईसी, विदेश मंत्री आमिर अब्दुल्लाहियन और छह अन्य की मौत ईरान के लिए घरेलू और विदेश दोनों ही स्तर पर राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षण है।

तेहरान विश्वविद्यालय में मृतकों के ताबूत रखे गए। ए ताबूत ईरानी ध्वज में लिपटे हुए हैं और ताबूतों पर नेताओं की तस्वीरें लगाई गई हैं। दिवंगत राष्ट्रपति रईसी के ताबूत पर एक काली पगड़ी रखी गई जो उनके इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद का वंशज होने का संकेतक है।

इसके बाद लोग अपने कंधों पर ताबूत लेकर चले और बाहर नारे लगाए, अमेरिका की मौत। इसके बाद उन्होंने तेहरान के पुराने इलाके से होकर आजादी या फ्रीडम चौक तक जनाजा निकालने के लिए एक ट्रक ट्रेलर में ताबूत रखे। रईसी ने इस चौक पर भाषण दिए थे।

इस सभा में ईरान के अर्द्धसैन्य बल रेवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष नेता भी शामिल हुए। साथ ही हमास का इस्माइल हानिएह भी शामिल हुआ।

ईरान, गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध के दौरान इस आतंकवादी समूह का समर्थन कर रहा है और उसे हथियार मुहैया करा रहा है।

अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू करने से पहले भीड़ का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने नारा लगाया, इजराइल की मौत।

हानिएह ने भीड़ में एकत्रित लोगों से कहा, मैं हमारी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए फलस्तीनी लोगों, गाजा के प्रतिरोधी गुटों की ओर से आया हूं।

रईसी के अंतिम संस्कार में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुतक्की समेत तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की संभावना है। ईराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सूडानी भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हो गए हैं। आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

यहां तक कि मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी ने भी 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद देशों के बीच राजनयिक संबंध विच्छेद होने के बावजूद तेहरान आए हैं। मिस्र और ईरान ने हाल ही में संबंधों को फिर से स्थापित करने पर चर्चा की थी। जनाजे में शामिल लोग सार्वजनिक रूप से रोकर और अपनी छाती पीटकर मातम मनाते दिखे, जो शिया संस्कृति में दु:ख व्यक्त करने का एक सामान्य तरीका है।उन्होंने तेहरान के जिस रास्ते से ताबूत रखा ट्रक गुजरा उस रास्ते को अपने स्कार्फ उछाला और ट्रक में मौजूद लोग इनसे आशीर्वाद स्वरूप ताबूत पोंछ रहे थे।

एक व्यक्ति ने कहा कि उसने और उसके दोस्तों ने जनाजे में शामिल होने के लिए लगभग सात घंटे की बस यात्रा की। रईसी सहित मारे गए नेताओं के प्रति कई लोगों ने संवेदना प्रकट की।

पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के जोखिम के बावजूद ढीला हिजाब पहनी 27 वर्षीय महिला सिमा रहमानी ने कहा, वह हमारे राष्ट्रपति थे, अन्य पायलट और एक मंत्री थे, मैं उनके जाने से हुई क्षति के प्रति कैसे उदासीन रह सकती हूं?

इस बीच, ईरान के एक अधिकारी ने रविवार को हुई दुर्घटना के संबंध में एक नया पक्ष रखा है, जिससे इस बात को बल मिला है कि खराब मौसम के कारण ही यह हादसा हुआ।

रईसी के काफिले में शामिल दो अन्य हेलीकॉप्टर में से एक में सवार गुलामहुसैन इस्माइली ने सरकारी टीवी को बताया कि जब विमान ने उड़ान भरी थी तो मौसम ठीक था। लेकिन रईसी का हेलीकॉप्टर घने बादलों में खो गया और अन्य हेलीकॉप्टर रेडियो के जरिए उस तक नहीं पहुंच पाए, जिसके कारण उन्हें एक नजदीकी कॉपर खदान में उतरना पड़ा।

इस्माइली ने बताया कि आमिर अब्दुल्लाहियन या विमान में सवार एक अंगरक्षक में से किसी ने भी फोन का जवाब नहीं दिया, लेकिन मोहम्मद अली अले-हाशेम ने किसी तरह दो मोबाइल फोन का जवाब दिया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इसके बाद भी ईरान फोन सिग्नल का पता क्यों नहीं लगा पाया।

उन्होंने कहा, जब हमें दुर्घटनास्थल के बारे में पता चला तो शवों की हालत से ऐसा प्रतीत हुआ कि अयातुल्लाह रईसी और अन्य साथियों की तुरंत मौत हो गई थी, लेकिन अले-हाशेम ने कई घंटों बाद दम तोड़ा था।

रूस के हमलों के कारण कीव में अंधेरा छाया

एपी। कीव

यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर हाल के सप्ताहों में रूस के लगातार हमलों ने युद्धग्रस्त देश के नेताओं को देशभर में बिजली कटौती करने के लिए मजबूर कर दिया है।

रूस मार्च से बिजली ग्रिड पर हवाई हमले कर रहा है जिसके कारण राजधानी कीव तक में अंधेरा छा गया है।

रूस द्वारा अप्रैल में किए हमले में कीव का सबसे बड़ा ताप विद्युत संयंत्र तबाह हो गया था और आठ मई को कई क्षेत्रों में बिजली उत्पादन तथा ट्रांसमिशन सुविधाओं को निशाना बनाते हुए एक बड़ा हमला किया गया था।

विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि कुल मिलाकर यूक्रेन की आधी ऊर्जा प्रणाली नष्ट हो गई है।

ऊर्जा मंत्री हर्मन हालुश्चेंको ने कहा कि बिजली ग्रिड पर हमले रुकने के आसान न दिखने और हमलों के खिलाफ पर्याप्त रक्षा प्रणाली न होने के कारण बिजली कटौती से अभी कोई राहत नहीं मिलेगी।

भारत में गिरफ्तार चार श्रीलंकाई नागरिकों की जांच के लिए दल गठित

भाषा। कोलंबो

श्रीलंकाई पुलिस ने बुधवार को कहा कि गुजरात में गिरफ्तार किए गए उसके चार नागरिकों की जांच के लिए गठित दल का नेतृत्व एक वरिष्ठ उप महानिरीक्षक करेंगे।

श्रीलंका के चार नागरिकों को भारत में गिरफ्तार किया गया था, जब वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की तरफ से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के एक कथित मिशन पर थे।

गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को चार श्रीलंकाई नागरिकों को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। वे कोलंबो से चेन्नई पहुंचे थे।

भारतीय पुलिस के अनुसार, इन लोगों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के इशारे पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत की यात्रा की थी। वे आईएस के सदस्य हैं और उन्हें पाकिस्तान में रह रहे श्रीलंका के एक व्यक्ति ने कट्टरपंथी बनाया था। पुलिस प्रवक्ता और वरिष्ठ अधीक्षक निहाल तालदुवा ने पीटीआई से कहा, पुलिस महानिरीक्षक देशबंदु तेन्नाकून ने एक वरिष्ठ उप महानिरीक्षक की अगुवाई में जांच दल का गठन किया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस प्रमुख ने यह कदम भारतीय प्राधिकारियों द्वारा श्रीलंकाई नागरिकों की गिरफ्तारी की आधिकारिक सूचना मिलने के बाद उठाया है। तालदुवा ने कहा कि नियुक्त डीआईजी के पास अपराध जांच प्रभाग और आतंकवाद जांच प्रभाग का प्रभार है और वह जांच में खुफिया एजेंसियों के साथ सहयोग करेंगे। जन सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस और आईजीपी तेन्नाकून ने मंगलवार को कहा था कि वे इन खबरों को गंभीरता से ले रहे हैं और घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहे हैं। गुजरात के पुलिस महानिदेशक विकास सहाय के अनुसार, आरोपी मोहम्मद नुसरत (35), मोहम्मद फारूक (35), मोहम्मद नाफरान (27) और मोहम्मद रासदीन (43) ने जांचकर्ताओं को बताया कि वे पूर्व में प्रतिबंधित संगठन नेशनल तौहीद जमात से संबद्ध थे और पाकिस्तानी आका अबू बकर अल बगदादी के संपर्क में आने के बाद आईएस में शामिल हुए।

अमेरिका में सड़क दुर्घटना में भारतीय मूल के तीन छात्रों की मौत

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में एक भीषण सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार कार पलट जाने से तीन भारतीय-अमेरिकी छात्रों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान श्रिया अवसारला, अन्वि शर्मा और आर्यन जोशी के रूप में की गई है, जो पिछले सप्ताह अल्फारेटा में वेस्टसाइड पार्कवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहन में सवार थे।

घटनास्थल पर मौजूद सबूतों के आधार पर, यह माना जा रहा है कि चालक ने अपनी कार से नियंत्रण खो दिया था, जिसके बाद कार पलट गई।

कार में सवार दो लोग - जोशी और अवसारला घटनास्थल पर मृत पाए गए। बाकी तीन लोगों को इलाज के लिए नॉर्थ फुल्टन अस्पताल ले जाया गया। अल्फारेटा पुलिस ने एक बयान में कहा कि शर्मा ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्र और वाहन चालक रित्विक सोमपल्ली तथा अल्फारेटा हाई स्कूल के छात्र मोहम्मद लियाकत की पहचान घायल हुए अन्य दो छात्रों के रूप में की गई। बयान के मुताबिक, सभी की उम्र 18 साल थी।

निज्जर की हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक कनाडा की अदालत में पेश

भाषा। ओटावा

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोपी चार भारतीय नागरिकों को कनाडा की एक अदालत ने समुदाय के लोगों से संपर्क नहीं रखने का आदेश दिया। कनाडा की अदालत में इस मामले में पहली बार आरोपियों को पेश किया गया।

चार आरोपियों में से तीन करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) सरे में ब्रिटिश कोलंबिया प्रांतीय न्यायालय में प्रत्यक्ष रूप से पेश हुए, वहीं अमनदीप सिंह (22) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालती कार्यवाही में पेश हुआ।

अमनदीप सिंह हथियार से जुड़े एक अन्य मामले में ओंटारियो में हिरासत में है। उसे निज्जर हत्या मामले में दस मई को गिरफ्तार किया गया था।

सीबीसी न्यूज की खबर के अनुसार न्यायाधीश मार्क जेट ने मामले की अगली सुनवाई 25 जून तक के लिए स्थगित की। न्यायाधीश ने एक दुभाषिए के माध्यम से आरोपियों से बात की और उन्हें किसी से संपर्क नहीं करने के दायरे में रखने वाला आदेश सुनाया।

अदालत में पेशी के दौरान आरोपियों ने जेल की पोशाक पहनी हुई थी।

करण बराड़ के वकील रिचर्ड फॉलर ने वैंकूवर सन से कहा, इस मामले से समुदाय को इतना सरोकार क्यों है यह पृष्ठभूमि को देखते हुए पूरी तरह से समझ में आता है। इसे देखकर मुझे लगता है कि जिन लोगों को अपराध के लिए आरोपित किया गया है उनकी निष्पक्ष सुनवाई हो..।

अदालती कार्यवाही में आने वाले लोगों की अदालत में प्रवेश से पहले तलाशी ली गई वहीं निज्जर के समर्थकों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

खबर में कहा गया है कि सुनवाई के दौरान वकीलों ने लोगों के फोन को प्लास्टिक के एक बैग में रखकर उन्हें अदालत कक्ष से बाहर रखवाया। न्यायाधीश ने पर्यवेक्षकों को चेतावनी दी कि ऑडियो रिकॉर्ड करना और तस्वीरें लेना प्रतिबंधित है।

खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर (45) की 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल सितंबर में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए थे जिसके बाद से भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में तनाव है।

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताकर खारिज कर दिया। कनाडा में सिख अलगाववादी समूहों की मौजूदगी पर भारत लंबे समय से आपत्ति जताता रहा है। निज्जर आतंकवाद के अनेक आरोपों में भारत में वांछित था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल में कहा था कि खालिस्तानी अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक प्रश्रय देकर कनाडा सरकार यह संदेश दे रही है कि उसका वोट बैंक कानून के शासन से अधिक शक्तिशाली है।

राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को हराया

भाषा। अहमदाबाद

राजस्थान रॉयल्स ने बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) चार विकेट से हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई जिसमें 24 मई को उसकी भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रयास से बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आठ विकेट पर 172 रन पर रोक दिया। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों ने ट्रेंट बोल्ट (16 रन देकर एक विकेट) की अगुआई में खराब पावरप्ले से उबरते हुए नियमित अंतराल पर विकेट झटककर आरसीबी बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी नहीं बनाने दी। पिछले मैचों में काफी समय से विकट नहीं लेने वाले अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने 19 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। उन्होंने

लगातार गेंदों पर कैमरून ग्रीन (27) और ग्लेन मैक्सवेल (0) के विकेट लेकर अच्छी गेंदबाजी की जिसके बाद आवेश खान ने 44 रन देकर तीन विकेट झटके।

राजस्थान रॉयल्स के लिए गेंदबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षकों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया जिसमें विशेष रूप से रोवमैन पावेल शामिल थे। पावेल ने दो शानदार कैच लपके जिससे आरसीबी की रन गति पर लगाम कसी। पावेल ने पावरप्ले में बोल्ट की गेंदबाजी पर फाफ डुप्लेसी (17 रन) के रूप में शानदार कैच लपका। पावेल डीप मिडविकेट से दौड़कर आए और यह कैच लपका। बोल्ट ने अपनी स्विंग और लाइन से बल्लेबाजों की रन गति पर लगाम कसे रखी जिससे बल्लेबाजों को रन जुटाने में परेशानी हुई। बोल्ट जहां दबदबा बना रहे थे, वहीं अन्य गेंदबाज उनकी तरह गेंदबाजी नहीं कर सके। संदीप शर्मा ने अपने दो ओवरों में 25 रन दिए जबकि अवेश ने एक ओवर में 17 रन दिए जिससे आरसीबी ने पावरप्ले में एक विकेट पर 50 रन का स्कोर बना लिया।

विराट कोहली लंबी पारी खेलने के लिए बेताब दिख रहे थे, लेकिन युजवेंद्र चहल (43 रन देकर एक विकेट) ने आठवें ओवर में उन्हें स्लॉग स्वीप के ललचाया और उनका विकेट झटक लिया। डीप मिडविकेट पर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक डोनोवन फरेरा ने अपने सिर के ऊपर से एक अच्छा कैच लपका। कैमरन ग्रीन (27) और रजत पाटीदार (34) अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सके। ग्रीन ने धीमी शुरुआत से उबरने के लिए अश्विन पर एक छक्का और एक चौका लगाया। लेकिन 13वें ओवर में गलत टाइमिंग के कारण इस गेंदबाज की गेंद पर पावेल के हाथों कैच आउट हो गए। मैक्सवेल का खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह अश्विन का शिकार हुए। पाटीदार अच्छी लय में दिख रहे थे लेकिन आवेश की शॉर्ट गेंद पर रियान पराग को कैच देकर आउट हुए। महिपाल लोमरोर ने 17 गेंद में 32 रन की तेज पारी खेलकर आरसीबी की रन गति बढ़ाई। दिनेश कार्तिक (11) को पगबाधा करार दिया गया लेकिन डीआरएस से इस फैसले को पलट दिया गया। हालांकि रिप्ले से राजस्थान रॉयल्स को यकीन था कि बल्ले और पैड के बीच गैप था लेकिन तीसरे अंपायर को ऐसा नहीं लगा।

युवराज ने सैमसन पर पंत को दी तरजीह, कहा हार्दिक टी-20 विश्व कप में कुछ विशेष करेंगे

दुबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने टी20 विश्व कप में भारतीय एकादश में विकेटकीपर की भूमिका के लिए संजू सैमसन पर ऋषभ पंत को तरजीह दी है जबकि खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पंड्या का समर्थन करते हुए कहा कि वह टूर्नामेंट में कुछ विशेष करेंगे। अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के लिए भारत ने रोहित शर्मा की अगुआई में 15 सदस्ईय मजबूत टीम का चयन किया है जबकि चार रिजर्व खिलाड़ी भी टीम के साथ यात्रा करेंगे। बल्लेबाजी क्रम में बाएं और दाएं हाथ के संयोजन को तरजीह देने वाले युवराज ने विकेटकीपर बल्लेबाज की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सैमसन पर पंत को तरजीह दी।

आगामी टी20 विश्व कप के दूत युवराज ने आईसीसी से कहा, मैं संभवत: ऋषभ के साथ जाऊंगा। बेशक संजू भी काफी अच्छी फॉर्म में है लेकिन ऋषभ बाएं हाथ का खिलाड़ी है और मुझे लगता है कि ऋषभ में भारत के लिए मैच जीतने की काफी अधिक क्षमता है जो उसने अतीत में भी किया है। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट में और भी अधिक (सक्षम) और वह ऐसा खिलाड़ी है जिसके बारे में मेरा मानना है कि वह बड़े मंच पर मैच विजेता है।

पंत और सैमसन दोनों आईपीएल के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में हैं लेकिन भारत के उप कप्तान हार्दिक लय हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। युवराज हालांकि टी20 विश्व कप में इस ऑलराउंडर के प्रभाव को लेकर आशावादी हैं। विश्व कप 2007 जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य युवराज ने कहा, अच्छी चीज यह है कि चयन हो चुका है। चयनकर्ताओं ने देखा कि खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कैसा प्रदर्शन किया है और फिर आईपीएल की फॉर्म पर गौर किया। सिर्फ आईपीएल की फॉर्म पर नहीं। उन्होंने कहा, क्योंकि आप अगर सिर्फ आईपीएल की फॉर्म देखते तो हार्दिक ने अच्छा नहीं किया है।

भारत के लिए उसके पिछले प्रदर्शन को देखते हुए, उसने भारत के लिए जो किया है, यह महत्वपूर्ण है कि वह टीम में है। मुझे लगता है कि उसकी गेंदबाजी महत्वपूर्ण होने वाली है और उसकी फिटनेस भी महत्वपूर्ण होगी। भारत के बल्लेबाजी क्रम के संदर्भ में युवराज चाहते हैं कि रोहित और यशस्वी जायसवाल पारी का आगाज करें जबकि विराट कोहली तीसरे नंबर पर आएं। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर रोहित और जायसवाल को पारी का आगाज करना चाहिए। युवराज ने कहा, विराट तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा है और वह उसका स्थान है। और इसके बाद आपके पास चौथे नंबर पर सूर्या (सूर्यकुमार यादव) है और इसके बाद आपके पास कुछ बड़े विकल्प हैं।

धोनी जब तक आईपीएल खेल रहे है तब तक उन्हें सीएसके का कप्तान रहें: डिविलियर्स

नई दिल्ली। एबी डिविलियर्स का मानना है कि अगर विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक और सत्र में खेलने का फैसला करते हैं तो उन्हें ही चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए। धोनी की अगुआई में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने पांच खिताब जीते हैं। धोनी ने आईपीएल 2024 के शुरुआती मैच से एक दिन पहले रुतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपी थी। गायकवाड़ ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज खराब प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन सीएसके आईपीएल प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी।

आईपीएल में धोनी का भविष्य बहस का विषय बना हुआ है क्योंकि उन्होंने सभी को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है। धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। डिविलियर्स ने सत्र की शुरुआत में कप्तानी में हुए बदलाव को एक गलती बताया था और बुधवार को भी वह अपने बयान पर कायम रहे। उन्होंने कहा, मैं आपको जवाब तभी दूंगा जब आप इसे सही तरीके से बताएंगे। मैंने इसे गलती नहीं कहा था, मेरे कहने का मतलब यह था कि एमएस धोनी अगर खेल रहे हैं और उनके खिलाफ इतने वर्षों तक खेलने के बाद कहूंगा कि उन्हें प्रतिद्वंद्वी टीम के कप्तान के तौर पर देखना भयभीत करने वाला होता है। डिविलियर्स ने कहा, इसलिए उन्हें कप्तान नहीं बनाने से सीएसके का यह भयभीत करने वाला कारण थोड़ा कम हो गया। इसमें गायकवाड़ का कप्तानी करने से कुछ लेना देना नहीं है। मुझे लगता है कि उसका भविष्य उज्ज्वल है और उसने बहुत अच्छी कप्तानी की है। ज्यादातर मैच में उनकी टीम अच्छा खेली लेकिन वे नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। ऐसा गायकवाड़ की कप्तानी की वजह से बिलकुल नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर एमएस धोनी टीम में हैं तो उन्हें ही कप्तान रहना चाहिए।

टी20 विश्व कप में कोहली से पारी का आगाज कराने में काफी जोखिम: डिविलियर्स

नई दिल्ली। विराट कोहली ने मौजूदा सत्र सहित आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार सफलता हासिल की है लेकिन उनके अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार अमेरिका और कैरेबियाई देशों में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए सबसे उपयुक्त है। कोहली ने सत्र में अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 708 रन बनाए हैं। उन्होंने उन आलोचकों का भी मुंह बंद कर दिया है जिन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में बीच के ओवरों में स्पिनरों के खिलाफ उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे।

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल दाएं और बाएं हाथ की प्रभावी सलामी जोड़ी बनाते हैं लेकिन सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर रखने के लिए कोहली को एक जून से शुरू होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता में जायसवाल की जगह पारी का आगाज करने के लिए कहा जा सकता है। हालांकि डिविलियर्स को लगता है कि पूर्व भारतीय कप्तान का पारी का आगाज करना अच्छा विचार नहीं है।

महान दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डिविलियर्स ने बुधवार को जियो सिनेमा द्वारा चुनिंदा मीडिया के लिए आयोजित बातचीत के दौरान पीटीआई से कहा, मुझे लगता है कि वह तीसरे नंबर का बल्लेबाज है और यहीं पर वह सबसे प्रभावशाली है। वह जहां भी जाता है, वहां लगभग बल्लेबाजी टीम के कप्तान की तरह होता है। वह बल्लेबाजी इकाई के भीतर शांति और संयम बनाए रखता है। मुझे पता है कि विराट खुद पारी की शुरुआत करने का लुत्फ उठाते हैं जो कि शानदार है। आपको उस व्यक्ति की इस बात का सम्मान करना चाहिए जिसने कई वर्षों तक खेल खेला है। वह अपने खेल को काफी अच्छी तरह से समझता है और वह यह भी समझता है कि वह खेल से क्या चाहता है।

डिविलियर्स ने कहा, लेकिन अगर मैं टीवी गेम, एक्सबॉक्स खेल रहा होता, तो वह मेरी टीम में तीसरे नंबर पर आता। मुझे लगता है कि शुरुआती कुछ ओवरों में विराट से तेजी से खेलने, गेंद को हवा में मारने के लिए कहना बहुत जोखिम भरा है। मैं बस यही चाहता हूं कि वह चार से 16-17 ओवरों के बीच बल्लेबाजी करे, इसी के आसपास। मुझे लगता है कि वह यहां दुनिया में सबसे बेहतर है और यहीं पर वह सबसे प्रभावशाली है। कोहली के साथ और उनके खिलाफ वर्षों तक खेलने वाले डिविलियर्स ने करीब से देखा है कि यह भारतीय स्टार आलोचनाओं से कैसे निपटता है। महान सुनील गावस्कर उन लोगों में से थे जिन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में कोहली के रवैए पर सवाल उठाए थे और इस चैंपियन बल्लेबाज ने शानदार स्ट्राइक रेट से रनों की बौछार करके जवाब दिया।

सनराइजर्स हैदराबाद की पावरप्ले में बल्लेबाजी पेचीदा थी : गावस्कर

अहमदाबाद। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पावरप्ले में सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी को पेचीदा बताते हुए कहा कि इस रणनीति का खामियाजा उन्हें केकेआर से हार के रूप में भुगतना पड़ा। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपनी दूसरी गेंद पर ट्रेविस हेड को आउट करने के साथ पहले स्पैल में तीन ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए। सनराइजर्स ने पावरप्ले में ही चार विकेट गंवा दिए। केकेआर ने 13.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस क्रिकेट लाइव पर कहा , यह शानदार प्रदर्शन था। बल्ले और गेंद दोनों से इतना प्रभावी प्रदर्शन। उन्होंने पावरप्ले में चार विकेट लिए और वहीं से सनराइजर्स बैकफुट पर आ गए। इससे वे उबर ही नहीं सके। पहले छह ओवरों में सनराइजर्स की बल्लेबाजी पेचीदा थी। दो विकेट गंवाने के बाद उन्हें संभलकर खेलना चाहिए था।

कार्लसन से उनके देश में खेलना मेरे लिए चुनौती नहीं : प्रज्ञानानंदा

स्टवांगर (नॉर्वे)। कई बार मैग्नस कार्लसन को पराजित करने के बाद युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को लगता है कि जब वह 27 मई से यहां शुरू हो रहे नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में कई दफा के विश्व चैम्पियन से उनके ही देश में भिड़ेंगे तो उन पर कोई दबाव नही होगा। प्रज्ञानानंदा ने अंतिम बार 33 साल के कार्लसन को इस महीने के शुरु में वारसॉ में ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट मे मात दी थी। प्रज्ञानानंदा के साथ उनकी बहन आर वैशाली भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। वैशाली पहली बार नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलेंगी। प्रज्ञानानंदा ने कहा, मुझे नही लगता कि मैग्नस से उनके देश में खेलना मेरे लिए कोई चुनौती है। वैसे यह देश में खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मायने रखता है लेकिन मेरे लिए नही। इस 11 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट मे घरेलू दावेदार कार्लसन के अलावा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन और हिकारू नाकामुरा जैसे खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। पिछले साल फिडे विश्व कप में कार्लसन से अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में भारतीय ग्रैंडमास्टर ने कहा कि यहां का अनुभव उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओ मे मदद करेगा। नॉर्वे शतरंज की एक विज्ञप्ति मे प्रज्ञानांनदा ने कहा, मुझे हमेशा अच्छी चुनौती मे मजा आता है। पिछले साल विश्व कप के बाद यह मेरा उनके

साथ पहला क्लासिकल मुकाबला होगा। मै उनके साथ खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं और अन्य के खिलाफ खेलने के लिए भी बेताब हूं। इसमें कोई शक नही कि यहां का अनुभव मुझे भविष्य के टूर्नामेंट मे मदद करेगा। 18 साल के इस खिलाड़ी ने कहा, मै नॉर्वे शतरंज में खेलने को लेकर काफी उत्साहित हूं। काफी मजबूत दावेदार टूर्नामेंट मे खेल रहे है। अभी तक मै जितने भी टूर्नामेंट खेला हूं, उसमे मुझे यह शायद सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी लग रहे है। मेरे लिए यह अच्छा मौका है और मै चुनौती देकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहूंगा। उन्होंने कहा, इस साल का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। नॉर्वे शतरंज के बाद मै शतरंज ओलंपियाड के लिए बुडापेस्ट जाऊंगा। मै इस साल के अंत मे ग्लोबल शतरंज लीग मे भी खेलूंगा। इस तरह की रोमांचक लीग होना वास्तव में अच्छा है जिससे इस खेल को आगे बढ़ने मे निश्चित रूप से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, अभी मेरा फोकस नॉर्वे शतरंज पर है और मै अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हूं। प्रज्ञानानंदा ने कहा कि वह महिला वर्ग मे अपनी बहन वैशाली की प्रगति पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा, नॉर्वे शतरंज में महिला टूर्नामेंट शुरू होना अच्छा है। यह अच्छी पहल है क्योंकि महिलाओं के लिए ज्यादा टूर्नामेंट नही है। इससे अन्य आयोजकों को भी महिलाओ के टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रोत्साहन मिलेगा। मेरी बहन भी इसमे खेलेगी। मै अपनी बहन के प्रदर्शन पर नजर रखूंगा।

एफआईएच महिला प्रो लीग में भारत अर्जेंटीना से 5-0 से हारा

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय महिला हॉकी टीम की एफआईएच महिला प्रो लीग अभियान के यूरोपीय चरण की शुरुआत निराशाजनक रही, उसे बुधवार को यहां अर्जेंटीना से 0-5 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना के लिए जुलिएटा जानकुनास (53वें, 59वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि ऑगस्टिना गोर्जेलानी (13वें), वेलेंटीना रापोसो (24वें) और विक्टोरिया मिरांडा (41वें) ने एक एक गोल किए। नए कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में अपना पहला मैच खेल रही भारतीय महिला टीम लय मे नही दिखी और खिलाड़ी पहले दो क्वार्टर में सर्कल मे अंदर सेंध लगाने मे असमर्थ दिखी। हैरानी भरी बात रही कि भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया को टीम में चुने जाने के बावजूद भारतीय टीम लाइनअप से बाहर रखा गया। इससे बीचू देवी खारीबाम ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। अर्जेंटीना की खिलाड़ी शुरू से ही खतरनाक दिखी। उन्होंने पहले दो क्वार्टर मे सात पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। उन्होंने लगातार हमलों से भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाए

रखा और बार बार प्रतिद्वंद्वी सर्कल मे सेंध लगाई। अर्जेंटीना ने पहले क्वार्टर के चौथे और पांचवें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर पर असफलता के बाद दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे पर गोर्जेलानी ने 13वें मिनट मे भारतीय गोलकीपर को छकाकर गोल दागा। अर्जेंटीना ने 19वें मिनट मे एक पेनल्टी कॉर्नर पर मौका गंवा दिया। लेकिन उसे ज्यादा देर इंतजार नही करना पड़ा और रापासो ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। भारतीय डिफेंस तितर बितर दिख रहा था और अर्जेंटीना ने हाफटाइम से पहले दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिए। उन्होने तीसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट मे आठवां पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन इससे फायदा नही उठा सकी। तीसरे क्वार्टर मे भारतीय टीम थोड़ी बेहतर दिखी। उन्होने सर्कल मे सेंध लगाने के अच्छे प्रयास किए लेकिन फिनिशिंग टच की कमी रही। अर्जेंटीना ने 41वें मिनट मे मिरांडा के रिवर्स हिट गोल से बढ़त तीन गुनी कर दी। कुछ मिनट बाद अर्जेंटीना ने अपना नौवां पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, पर इसका फायदा नही उठा सका। दीपिका ने 47वें मिनट मे उदिता के पास पर रिवर्स हिट किया लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर क्रिस्टीना कोसेन्टिनो ने इस प्रयास को विफल कर दिया। फिर जानकुनास ने छह मिनट के अंदर दो खूबसूरत मैदानी गोल दागकर स्कोर 5-0 कर दिया। भारतीय टीम अब बृहस्पतिवार को मेजबान बेल्जियम से भिड़ेगी।

पाक के विकेटकीपर आजम ने डॉलर के नोट से पसीना पोंछकर विवाद खड़ा किया

कराची। पाकिस्तान के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज आजम खान विवाद में फंस गए जब सोशल मीडिया मंचों पर उन्हें अमेरिकी डॉलर से भौंहों से पसीना साफ करते हुए देखा गया। इस वीडियो में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और कुछ अन्य खिलाड़ी भी दिख रहे हैं। पाकिस्तान के क्रिकेट प्रशंसक देश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आजम और अन्य खिलाड़ियों की उनकी असंवेदनशीलता के लिए आलोचना कर रहे हैं। वीडियो में बाबर हंसते हुए आजम से पूछते हैं, क्या हुआ अब्बा? आजम इसका जवाब देते हुए कहते हैं, बहुत गर्मी है। आजम अपने हाथ में पकड़े डॉलर के नोट से पसीना भी साफ करते हैं जिससे टीम के उनके साथ हंसने लगते हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, पाकिस्तान के खेल इतिहास में कुछ लोगों को छोड़कर, किसी के पास किसी भी तरह का करिश्मा और प्रभाव नहीं है, एक युवा बच्चे के लिए आकांक्षा करने के लिए कुछ भी नहीं है।

सचिन ने जीता स्वर्ण, धरमबीर को कांसा, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

विश्व पैरा एथलेटिक्स

कोबे (जापान)। भारत के सचिन सर्जेराव खिलाड़ी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरूषों के शॉटपुट एफ46 वर्ग में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता और भारत ने टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर दिखाया। धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 वर्ग में कांस्य पदक जीता जिससे भारत के पदकों की संख्या 12 पहुंच गई जिसमें पांच स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। भारत इस तरह चीन (18-16-14) और ब्राजील (17-8-5) के बाद तीसरे स्थान पर बरकरार है। इससे पहले भारत ने 2023 चरण में पेरिस में तीन स्वर्ण समेत दस पदक जीते थे।

सचिन ने 16.30 मीटर का थ्रो फेंककर 16.21 मीटर का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बनाया था। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाओं में एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली रूप से प्रभावित है या जिनके हाथ-पैर नहीं हैं। इन एथलीटों को कूल्हों और पैरों की ताकत से थ्रो करना होता है। महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले सचिन स्कूली दिनों में एक दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिससे उन्होंने कोहनी की मांसपेशियां गंवा दी। कई सर्जरी के बावजूद वह ठीक नहीं हो सके। पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 फाइनल में धरमबीर ने धीरे धीरे अपने थ्रो में सुधार करते हुए 33.61 मीटर के पांचवें प्रयास से कांस्य पदक सुनिश्चित किया। सर्बिया के जेलिजको दिमित्रिजेविच ने 34.20 मीटर के थ्रो से मीट रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि मेक्सिको के मारियो संताना हर्नांडिज ने 33.62 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से रजत पदक जीता।

वीजा देने से इनकार करने से लामिछाने के टी-20 विश्व कप से बाहर होने की संभावना

काठमांडू। नेपाल के स्टार क्रिकेटर संदीप लामिछाने ने बुधवार को दावा किया कि अमेरिकी दूतावास ने उन्हें आगामी टी20 विश्व कप के लिए वीजा देने से इनकार कर दिया है। वह बलात्कार के एक मामले में बरी होने के बाद टी20 विश्व कप के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद कर रहे थे। आईपीएल में खेलने वाले नेपाल के एकमात्र क्रिकेटर लामिछाने के करियर के लिए यह एक बड़ा झटका है। उन्हें सितंबर 2022 में एक 18 वर्षीय लड़की से बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया लेकिन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से निलंबित रहे।

एक हफ्ते पहले इस 23 वर्षीय लेग स्पिनर को एक अपील अदालत ने बरी कर दिया था जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नेपाल क्रिकेट बोर्ड को उन्हें विश्व कप टीम में शामिल करने की अनुमति दी थी। 2019 में वीजा देने से इनकार करने वाली एक पुरानी पोस्ट का हवाला देते हुए लामिछाने ने एक्स पर लिखा, और नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने वही किया जो उन्होंने 2019 में किया था। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मुझे वीजा देने से इनकार कर दिया। दुर्भाग्यपूर्ण। मैं नेपाल क्रिकेट के सभी शुभचिंतकों से माफी चाहता हूं। लामिछाने 2019 में कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में हिस्सा लेना चाह रहे थे लेकिन अमेरिकी दूतावास ने उन्हें वीजा देने से इनकार कर दिया। अपने दूसरे टी20 विश्व कप में खेलने की तैयारी कर रहे नेपाल को दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है।

एलपीएल मैच फिक्स करने के प्रयास में एक गिरफ्तार

कोलंबो। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) फ्रेंचाइजी दांबुला थंडर से जुड़े तमीम रहमान नाम के एक विदेशी को खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। रहमान को यहां मजिस्ट्रेट अदालत ने 31 मई तक रिमांड पर रखने का आदेश दिया। अदालत द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंध के बाद कोलंबो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने रहमान को हिरासत में लिया था। उसे एलपीएल में मैच फिक्स करने की कथित कोशिश के लिए हिरासत में लिया गया था। यह टूर्नामेंट एक से 21 जुलाई के बीच होने वाला है। एलपीएल के पांचवें सत्र की नीलामी मंगलवार को हुई जिसें 500 स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में पांच फ्रेंचाइजी के बीच मुकाबला होता है।

जब तक टेस्ट खेलूंगा तब तक साल में सिर्फ दो टी-20 टूर्नामेंट खेलूंगा: हेड

नई दिल्ली। ट्रेविस हेड ने इस साल आईपीएल में भले ही शानदार प्रदर्शन किया हो लेकिन टेस्ट क्रिकेट उनकी शीर्ष प्राथमिकता बना हुआ है और ऑस्ट्रेलिया का यह आक्रामक बल्लेबाज जब तक इस प्रारूप में खेलेगा तब तक साल में सिर्फ दो टी20 लीग में हिस्सा लेगा। हेड के लिए पिछले 10 महीने शानदार रहे और उन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियन तथा एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ शतक जड़कर अपनी टीम की जीत की नींव रखी। मौजूदा सत्र में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 533 रन बनाए हैं और भारत के अभिषेक शर्मा के साथ बेहद प्रभावी सलामी जोड़ी बनाई।

फ्रेंचाइजी लीग में हेड की काफी मांग है और यह पूछने पर कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को देखते हुए वह लुभावनी टी20 पेशकश से कैसे निपट रहे हैं, हेड ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, यह पिछले कुछ समय (2017 से) में आईपीएल में मेरा पहला साल है। इस समय मैं अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगाऊंगा, मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। टेस्ट के बाद मैं प्रारूपों का चयन करूंगा और देखूंगा कि मैं कैसे चयन के लिए उपलब्ध रहता हूं। दुनिया भर में टी20 प्रतियोगिताओं की संख्या बढ़ रही है और आंद्रे रसेल तथा सुनील नारायण जैसे खिलाड़ी साल में पांच से अधिक टूर्नामेंट खेल रहे हैं।

मौजूदा सत्र में सनराइजर्स के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले हेड अगले साल भी आईपीएल में खेलने को लेकर उत्सुक हैं।

इस समय मै अगले साल यहां आईपीएल में वापस आना पसंद करूंगा। विश्व टी20 के ठीक बाद इस साल मैं (अमेरिका में) मेजर लीग क्रिकेट में खेलूंगा लेकिन अगले साल चीजें अलग हो सकती हैं। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, हर साल आप प्राथमिकता तय करते हैं कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। अगले साल टेस्ट क्रिकेट शुरू होगा, हम वेस्टइंडीज का दौरा करेंगे और शायद मैं कई अन्य फ्रेंचाइजी में शामिल नहीं हो पाऊंगा। हेड ने कहा, कुछ वर्षों में जब मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लूंगा तो शायद मुझे फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के कुछ और अवसर मिलेंगे।

कंपाउंड महिला टीम फाइनल में, कांस्य से चूके पुरुष

तीरंदाजी विश्व कप दूसरा चरण

एचियोन (दक्षिण कोरिया)। दुनिया की नंबर एक भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम विश्व कप में लगातार दूसरे स्वर्ण पदक की ओर कदम बढाते हुए फाइनल में पहुंच गई लेकिन पुरुष कंपाउंड टीम विश्व कप दूसरे चरण में कांस्य पदक से चूकने के बाद खाली हाथ लौटेगी। महिला टीम की तिकड़ी ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी ने शंघाई में पिछले महीने पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता था। दुनिया की चौथे नंबर की टीम अमेरिका को सेमीफाइनल में 233-229 से हराया। अब उनका सामना विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज तुर्की से होगा। तुर्की ने दक्षिण कोरिया को 234- 233 से हराया।

भारतीय महिला टीम को क्वार्टर फाइनल तक बाय मिला था। अंतिम आठ में उसने इटली को 236 - 234 से हराया। भारतीय पुरुष तिकड़ी प्रियांश, प्रथमेश फुगे और अभिषेक वर्मा शूट आफ में आस्ट्रेलिया से 133 - 133 (10 -10) से हार गए। दोनों टीमों का स्कोर बराबरी पर था लेकिन आस्ट्रेलिया ने सेंटर के करीब दो तीर अधिक लगाकर बाजी मारी। तरुणदीप राय और दीपिका कुमारी रिकर्व वर्ग में अपने अपने क्वालीफायर में क्रमश: चौथे और छठे स्थान पर रहे। एशियाई खेल 2010 के रजत पदक विजेता राय ने 681 अंक लेकर छठा स्थान पाया जबकि धीरज बोम्मादेवरा 11वें स्थान पर रहे।

टाइसन और पॉल के मुकाबले के दौरान ब्राजील के न्यूंस से भिड़ेंगे नीरज गोयत

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी पेशेवर मुक्केबाज नीरज गोयत महान मुक्केबाज माइक टाइसन और जैक पॉल के बीच टेक्सास के एर्लिंगटन में 20 जुलाई को होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के दौरान ब्राजील के विंडरसन न्यूंस से भिड़ेंगे। टाइसन और पॉल के बीच होने वाले मुकाबले के दिन ही गोयत और न्यूंस के बीच छह दौर का सुपर मिडिलवेट अंडरकार्ड (जो उस दिन का मुख्य मुकाबला नहीं हो) मुकाबला भी होगा। मुख्य मुकाबला महान मुक्केबाज टाइसन और पॉल के बीच आठ दौर का हैवीवेट मुकाबला होगा। केटी टेलर और अमांडा सेरानो के बीच 10 दौर का निर्विरोध सुपर लाइटवेट विश्व खिताब महिला मुक्केबाजी मुकाबला भी होगा। 57 साल के टाइसन अपने पेशेवर करियर का अंत करने के लगभग दो दशक बाद वापसी का प्रयास कर रहे हैं।

विश्व कप में पाक की सफलता की कुंजी होंगे बाबर आजम

इस्लामाबाद। जांचे और परखे बाबर आजम की टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान के कप्तान के रूप में वापसी पिछले 18 महीने में पाकिस्तान क्रिकेट में आए भारी बदलावों की अगली कड़ी है यह चैम्पियन बल्लेबाज टीम की सफलता की कुंजी साबित हो सकता है। नवंबर 2022 मे इंग्लैड से टी20 विश्व कप फाइनल में बाबर की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम की हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में चार अध्यक्ष बदले, चयन समिति बदली गई और शाहीन शाह अफरीदी को कप्तान बनाने का प्रयोग सफल नही रहा। सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए टीम को गैरी कर्स्टन के रूप मे नया कोच मिला है। पाक ने एक से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज मे होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 15 सदस्ईय टीम का ऐलान नही किया है। भारत में पिछले साल 50 ओवरों के विश्व कप के सेमीफाइनल मे नही पहुंचने के बाद बाबर ने जका अशरफ के पीसीबी प्रमुख रहते सभी प्रारूपो की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें नए अध्यक्ष मोहसिन नक्वी ने टी20 टीम की कमान फिर सौंपी है। इमाद वसीम और तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला वापिस ले लिया चूंकि कैरेबियाई प्रीमियर लीग मे उनके अनुभव का फायदा टीम को वेस्टइंडीज मे होगा।

पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज हसन अली को टीम से रिलीज किया

कराची। पाक ने तेज गेंदबाज हसन अली को इंग्लैड के खिलाफ लीड्स मे पहले टी20 मैच से पूर्व टीम से रिलीज कर दिया। सीनियर तेज गेंदबाज हारिस रऊफ फिट हो चुके है, हसन को इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए फारिग कर दिया गया है। हसन को हारिस के कवर के तौर पर 18 सदस्ईय टीम मे चुना गया था। हारिस फरवरी से ग्रोइन की चोट से जूझ रहे है। हसन ने आयरलैड के खिलाफ एक टी20 मैच खेला काफी महंगे साबित हुए थे। पाक ने अभी तक अगले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज मे होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्ईय टीम नही चुनी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।